

मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८०/०८१-२०८२/०८३)



अपिहिमाल गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
खण्डेश्वरी, दार्चुला
सुदूरपश्चिम प्रदेश

मध्यमकालीन खर्च संरचना
(२०८०।०८१- २०८२।०८३)



अपहिमाल गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
खण्डेश्वरी दार्चुला
apihimalmun.gov.np

मध्यमकालीन खर्च संरचना (आ. व. २०७९।०८०- २०८१।०८२)

MID TERM EXPENDITURE FRAMEWORK (MTEF)

प्रकाशक : अपहिमाल गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, खण्डेश्वरी, दार्चुला
सर्वाधिकार : प्रकाशकमा
प्रकाशन मिति : २०८०
सम्पर्कका लागि : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
खण्डेश्वरी, दार्चुला, सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल
सम्पर्क नं :
ईमेल : info@apihimalmun.gov.np

विषयसूची

अपिहिमाल गाउँपालिकाको विस्तृत विवरण.....	2
१.१ पृष्ठभूमि.....	2
१.२ अवधारणा तथा उद्देश्य.....	3
१.३ संस्थागत व्यवस्था.....	3
१.३.१ स्रोत अनुमान तथा बजेट निर्धारण समिति.....	4
१.३.२. मध्यमकालीन खर्च संरचना प्राविधिक समिति/कार्यदल.....	4
१.३.३. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति.....	4
१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया.....	5
१.४.१ चालु आवधिक योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समीक्षा.....	5
१.४.२ त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपण सहित कुल बजेटको आकार निर्धारण.....	5
१.४.३ बजेट सीमा निर्धारण र बाँडफाँड.....	5
१.४.४ बजेट सीमा र मार्गदर्शन स्वीकृत तथा सम्प्रेषण.....	5
१.४.५ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी.....	6
१.४.६ विषयगत योजना तर्जुमा समितिहरूमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामाथि छलफल.....	7
१.४.७ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयारी.....	7
१.४.८ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति.....	7
परिच्छेद दुई: मध्यमकालीन खर्च संरचना.....	8
२.१ पृष्ठभूमि.....	8
२. २ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति.....	8
२. २. १ सोच.....	8
“सुन्दर, समृद्ध र विकसित अपिहिमाल”.....	8
२. २. २ उद्देश्य.....	8
२. २. ३ रणनीति.....	8
२. ३ मध्यमकालीन आर्थिक खाका.....	9
तालिका नं २.१: समष्टिगत मध्यमकालीन आर्थिक खाका.....	9
२. ४ मध्यमकालीन नतिजा खाका.....	9
२.५ मध्यमकालीन बजेट खाका.....	10
२.६ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड.....	13
१. रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	13
तालिका नं २.४ रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	14

२. प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	15
तालिका २.५: प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	15
३. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	16
तालिका २.६: दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	16
४. लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	17
तालिका २.७: लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	17
५. जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	18
तालिका २.८: जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	18
६. स्थानीय गौरवका आयोजनाको तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	19
तालिका २.९: स्थानीय गौरवको आयोजनाको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	19
७. विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	19
तालिका २.१०: विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण.....	19
परिच्छेद तीन: आर्थिक विकास क्षेत्र.....	22
३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा.....	22
१. पृष्ठभूमि.....	22
२. समस्या तथा चुनौति.....	22
३. लक्ष्य.....	23
४. उद्देश्य.....	23
५. रणनीति.....	23
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	23
तालिका ३.१ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य.....	23
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	24
तालिका ३.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	24
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	24
तालिका ३.३ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	24
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	25
३.२ पशुपन्छी विकास.....	25
१. पृष्ठभूमि.....	25
२. समस्या तथा चुनौति.....	25
३. लक्ष्य.....	26
४. उद्देश्य.....	26
५. रणनीति.....	26
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	26
तालिका ३.४ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य.....	26
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	26
तालिका ३.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	26
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	२७

तालिका ३.६ कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण.....	27
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	27
३.३ भूमि व्यवस्था र सिँचाई, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था.....	27
१. पृष्ठभूमि.....	27
२. समस्या तथा चुनौति.....	28
३. लक्ष्य.....	28
४. उद्देश्य.....	28
५. रणनीति.....	28
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	28
तालिका ३.७ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य.....	28
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	29
तालिका ३.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	29
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	29
तालिका ३.९ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	29
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	30
३.४ उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय.....	30
१. पृष्ठभूमि.....	30
२. समस्या तथा चुनौति.....	30
३. लक्ष्य.....	31
४. उद्देश्य.....	31
५. रणनीति.....	31
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	31
तालिका ३.१० विषय क्षेत्र नतिजा सूचक.....	31
तालिका ३.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	32
७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	32
तालिका ३.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	32
८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	33
३.५ पर्यटन तथा सांस्कृति.....	33
१. पृष्ठभूमि.....	33
२. समस्या तथा चुनौति.....	33
३. लक्ष्य.....	33
४. उद्देश्य.....	33
५. रणनीति.....	34
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	34
तालिका ३.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	34
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	34
तालिका ३.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	34
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	35
तालिका ३.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	35

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	35
३.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण.....	36
१. पृष्ठभूमि.....	36
२. समस्या तथा चुनौति.....	36
३. लक्ष्य.....	36
५. रणनीति.....	36
६. विषयक्षेत्र नतिजा सूचक.....	37
तालिका ३.१६ विषय क्षेत्र नतिजा सूचक.....	37
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	37
तालिका ३.१७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	37
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	38
तालिका ३.१८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	38
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	38
परिच्छेद चार: सामाजिक विकास क्षेत्र.....	39
४.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण.....	39
१. पृष्ठभूमि.....	39
२. समस्या तथा चुनौति.....	39
३. लक्ष्य.....	39
४. उद्देश्य.....	39
५. रणनीति.....	39
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	40
तालिका नं ४.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	40
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	42
तालिका नं ४.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	42
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	42
तालिका नं ४.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	42
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	43
४.२ शिक्षा विज्ञान, प्रविधि तथा कला, भाषा र साहित्य.....	43
१. पृष्ठभूमि.....	43
२. समस्या तथा चुनौति.....	43
३. लक्ष्य.....	44
४. उद्देश्य.....	44
५. रणनीति.....	44
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	44
तालिका नं ४.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	44
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	46
तालिका नं ४.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	46
१. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	46
तालिका नं ४.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	46

२. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	47
४.३ खानेपानी तथा सरसफाई.....	47
१. पृष्ठभूमि.....	47
२. समस्या तथा चुनौति.....	48
३. लक्ष्य.....	48
४. उद्देश्य.....	48
५. रणनीति.....	48
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	48
तालिका नं ४.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	48
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	49
तालिका नं ४.८ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	49
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	49
तालिका नं ४.९ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	49
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	50
४.४ युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन.....	50
१. पृष्ठभूमि.....	50
२. समस्या तथा चुनौति.....	50
३. लक्ष्य.....	51
४. उद्देश्य.....	51
५. रणनीति.....	51
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	51
तालिका नं ४.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	51
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	52
तालिका नं ४.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	52
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	53
तालिका नं ४.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	53
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	53
४.५ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण.....	53
१. पृष्ठभूमि.....	53
२. समस्या तथा चुनौति.....	54
३. लक्ष्य.....	54
४. उद्देश्य.....	54
५. रणनीति.....	54
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	55
तालिका नं ४.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	55
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	56
तालिका नं ४.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	56
तालिका नं ४.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	56
८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	57

परिच्छेद पाँच: पूर्वाधार विकास क्षेत्र	57
५.१ भवन, आवास, बस्ती तथा सहरी विकास.....	57
१. पृष्ठभूमि.....	57
२. समस्या तथा चुनौति.....	57
३. उद्देश्य.....	58
४. रणनीति.....	58
५. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	58
तालिका नं ५.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	58
६. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	59
तालिका नं ५.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	59
७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	59
तालिका नं ५.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	59
८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	60
५.२ सडक, पुल तथा यातायात व्यवस्था.....	60
१. पृष्ठभूमि.....	60
२. समस्या तथा चुनौति.....	60
३. उद्देश्य.....	61
४. रणनीति.....	61
५. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	61
तालिका नं ५.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	61
६. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	62
तालिका नं ५.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	62
७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	62
तालिका नं ५.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	62
८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	63
५.३ जलस्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा.....	63
क) पृष्ठभूमि.....	63
ख) समस्या तथा चुनौति.....	63
ग) लक्ष्य	64
घ) उद्देश्य.....	64
ङ) रणनीति.....	64
च) विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	64
तालिका नं ५.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	64
छ) विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	65
तालिका नं ५.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	65
ज) कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	65
तालिका नं ५.९ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	65
झ) जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	65
५.४ सुचना तथा सञ्चार प्रविधि.....	65

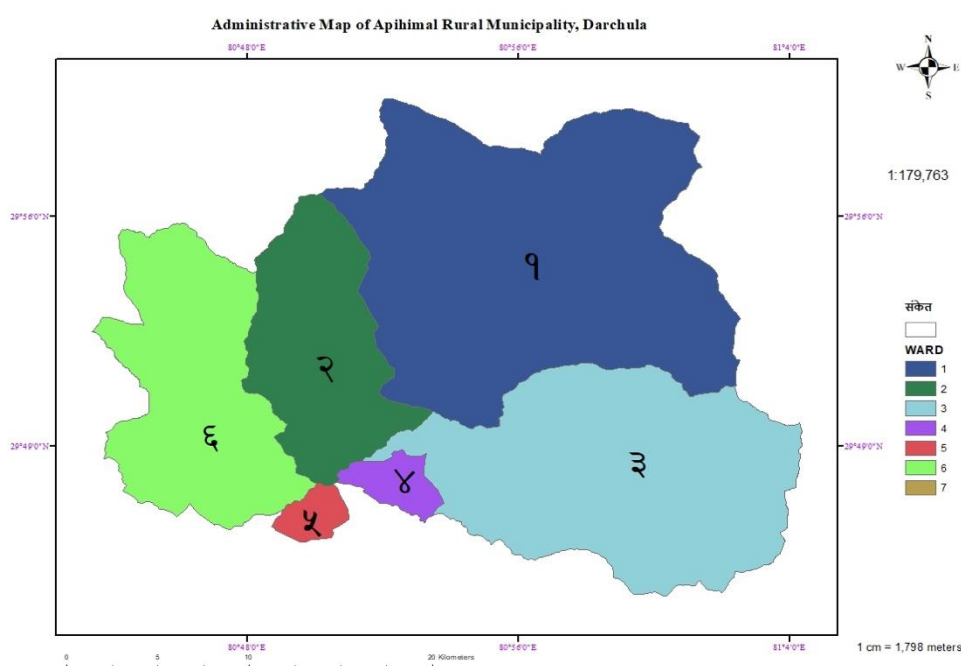
१. पृष्ठभूमि.....	65
२. समस्या तथा चुनौति.....	66
३. लक्ष्य	66
४. उद्देश्य.....	66
५. रणनीति.....	66
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	67
तालिका नं ५.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	67
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	67
तालिका नं ५.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	67
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	68
तालिका नं ५.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	68
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	68
परिच्छेद छः वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र	69
६.१ वन तथा भू-संरक्षण.....	69
१. पृष्ठभूमि.....	69
२. समस्या तथा चुनौति.....	69
३. लक्ष्य	69
४. उद्देश्य.....	69
५. रणनीति.....	69
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	70
तालिका नं ६.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	70
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	70
तालिका नं ६.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	70
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	70
तालिका नं ६.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	70
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	71
६.२ विपद् जोखिम व्यवस्थापन.....	71
१. पृष्ठभूमि.....	71
२. समस्या तथा चुनौति.....	71
३. लक्ष्य	71
४. उद्देश्य.....	71
५. रणनीति.....	72
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	72
तालिका नं ६.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	72
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	73
तालिका नं ६.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान.....	73
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	73
तालिका नं ६.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	73
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	73

परिच्छेद सातः संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र	74
७.१ नीति, कानून, मापदण्ड, सेवा प्रवाह र सुशासन	74
१. पृष्ठभूमि	74
२. समस्या तथा चुनौति	74
३. लक्ष्य	74
४. उद्देश्य	74
५. रणनीति	74
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य	75
तालिका नं ७.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य	75
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान	77
तालिका नं ७.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान	77
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	77
तालिका नं ७.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण	77
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान	78
अनुसूची १	1
अनुसूची २	2

परिच्छेद एक: परिचय

अपिहिमालको काखमा रहेको यस पालिकाले समुद्री सतहबाट लगभग १७०० मि.को उचाई देखि ७१३२ मि.उचाईको सम्मको भु-भागलाई ओगटेको यस गाउँपालिका भौगोलिक अवस्थितिका हिसाबले २९.८६ डिग्रि उत्तर देखि ८०.९० डिग्रि पुर्वि अक्षांश सम्म फैलिएको छ । यस पालिकाले नेपालको कुल भु-भागको ६१३.९५ वर्ग मिटर भु-भाग ओगटेको छ । यो गाउँपालिका दार्चुला जिल्लाको उत्तर-पुर्व भागमा रहेको छ । अपिहिमाल गाउँपालिकाको पूर्वमा बझाङ जिल्ला, पश्चिममा व्यास र नौगाड गाउँपालिका, दक्षिणमा मार्मा गाउँपालिका र उत्तरमा व्यास गाउँपालिकासँग सिमाना जोडिएको छ । यस गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ६१३.९५ वर्ग किमी रहेको छ ।

अपिहिमाल गाउँपालिका ऐतिहासिक, प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक रूपले महत्वपूर्ण क्षेत्र हो । अपिहिमाल गाउँपालिका मिति २०७३ फागुन १ गते गाउँपालिका घोषणा गरिएको थियो । खण्डेश्वरी, घूसा, गुल्जर (नं.१) र सितोला (५-८)



गाउँ विकास समितिहरू समेटेर जम्मा ६ वडा कायम गरिएको छ । यो गाउँपालिका सदरमुकाम देखि २३ कोष टाढा रहेको छ भने अझै पनि सडक यातायातको पहुँच मकरीगाड जलविद्युत आयोजनाका लागि बनाइएको लगभग १० कि.मि. सडकमा सिमित रहेको छ ।

साँस्कृतिक रूपमा मल्देशी चालचलन र सौका समुदायको परम्परा यहाँको मुख्य संस्कृतिको रूपमा रहेको छ तर हिन्दु धर्म मान्नेहरू कै बाहुल्यता यस गाउँपालिकामा रहेको छ । करिब १५ दिन लामो सुर्मा सरोवरको जात्रा आफ्नै मुख्य मान्यता अनुसार धार्मिक आस्था भएका भक्तजनको भक्तिका साथ मनाउने गरिन्छ । यो जात्रा दार्चुला र बझाङको सिमानामा रहेको सुर्मा सरोवरको ताललाई देवीको प्रमुख स्थान मानेर पूजापाठ गर्ने परम्परा छ । जातजातिको रूपमा यो गाउँपालिकामा ठेकरे, बोहरा, धामी, ठगुन्ना, कार्की, जागरी, देउरुखी, टमटा, क्षेत्री, अट्याल, लोथ्याल, वि.क., ओईरे, महता, बुढाथोकी आदि जातजातिहरू बसोबास गर्दछन ।

अपिहिमाल गाउँपालिकाको विस्तृत विवरण

१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको कार्यान्वयन, 'समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली' को दीर्घकालिन सोच सहितको पन्ध्रौ योजना साथै अपिहिमाल गाउँपालिकाको " सुन्दर, समृद्ध र विकसित अपिहिमाल " र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि स्रोत साधनको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तीय अनुशासन तीन वटा पक्ष उत्तिकै प्रभावकारी हुनुपर्दछ । यी पक्षहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन तथा व्यवस्थापन गर्ने औजारका रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना रहेको छ ।

गाउँपालिकाको आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता र सामञ्जस्यता कायम गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना महत्वपूर्ण औजारका रूपमा रहेको छ । यसले विकास योजनाका लक्षित नतिजा हासिल गर्न स्रोत साधनको न्यायोचित वितरण र महत्तम परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, पूर्वाधार निर्माण तथा सेवाको गुणस्तर तथा प्रभावकारिता, वित्तीय अनुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउँछ । यसको सकारात्मक असर सार्वजनिक वित्त क्षेत्रमा मात्र नभई आर्थिक तथा वित्तीय स्थायित्वमा समेत पर्दछ ।

गाउँपालिकाको खर्चको व्यवस्थापन विभिन्न किसिमका अनुदान तथा वित्तीय हस्तान्तरणका आधारमा गर्नुपर्ने भएकाले समग्र साधन तथा स्रोतको सही किसिमले उपयोग होस् भन्नका लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना रहेको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले आवधिक योजनाले लिएको दीर्घकालिन सोच तथा लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीतिहरू हासिल गर्नका लागि क्षेत्रगत आयोजना/कार्यक्रमगत प्राथमिकता निर्धारण, खर्च र स्रोतको आँकलन तथा प्रक्षेपण गरी वित्त व्यवस्थापन तथा आर्थिक विकासमा सहयोग पुऱ्याउँछ ।

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार तथा स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । उक्त प्रावधान अनुरूप मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्तावित योजनाको उद्देश्य तथा सो योजनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्न वा बजेट विनियोजनमा आवश्यकताको पुष्ट्याईलाई समेटिनु पर्ने, प्रस्तावित योजना कार्यान्वयन हुने आर्थिक वर्ष र त्यसपछिका थप दुई आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुनसक्ने प्रतिफल र उपलब्धि समेत उल्लेख हुनुपर्ने व्यवस्था छ । साथै, योजना लागु गर्न आवश्यक पर्ने खर्चको विवरण र सो रकम कुन कुन स्रोतबाट व्यहोर्ने र खर्च गरिएको रकमबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल र उपलब्धिको प्रक्षेपण गरिएको हुनुपर्ने प्रावधान छ ।

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा १७ (१) मा स्थानीय तहले ऐनको दफा १६ बमोजिमको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । उक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनामा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत वित्त खाका, बजेट तथा कार्यक्रमको खाका र नतिजा खाकाको साथै प्रस्तावित आयोजना वा कार्यक्रमको क्रियाकलापगत विवरण, क्रियाकलापको अनुमानित प्रति इकाई लागत, आयोजना वा कार्यक्रम सञ्चालनमा लाग्ने अनुमानित समय तथा सोबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल समेत खुलाई प्रत्येक आयोजना वा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ ।

यो खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरण गर्ने आधारहरू परिमार्जन गरी वस्तुगत रूपमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना तथा दिगो विकास लक्ष्यसँग कार्यक्रम/आयोजनाको सामञ्जस्यता कायम गर्ने गरी प्राथमिकीकरणको निश्चित मापदण्ड बनाइएको छ । समग्र विकासका विषय क्षेत्रहरूलाई ५ क्षेत्रमा विभाजन गरी मापदण्डहरूमा सबै क्षेत्रले गर्ने योगदान पऱ्याउनु पर्ने गरी उपक्षेत्रगत आधार तय गरिएका छन् । यस खर्च संरचनामा पहिलो वर्ष वा आर्थिक वर्ष २०८०।०८१ को हकमा विनियोजित बजेट अनुरूप र त्यसपछिका बाँकी दुई वर्षको हकमा आयोजनको कार्यान्वयनको स्थिति, उपलब्ध साधन स्रोत र खर्च गर्ने क्षमतालाई आधार मानी रकम अनुमान गरिएको

छ । साथै गाउँपालिका तथा वडाले सञ्चालन गर्ने आयोजना वा कार्यक्रमका विभिन्न क्रियाकलापहरूको प्रति एकाई खर्च अनुमानका साथै विभिन्न क्षेत्रमा आगामी तीन वर्षभित्र गरिने लगानीबाट प्राप्त हुने लक्षित प्रतिफल तथा नतिजा सुचकहरू प्रस्तुत गरिएको छ ।

१.२ अवधारणा तथा उद्देश्य

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजारका रूपमा यस खर्च संरचनाले उपलब्ध साधन स्रोतको आँकलन गर्ने र त्यसलाई योजनको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँड गर्ने गर्दछ । यस अन्तर्गत राजस्व, संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सर्शत अनुदान, समपूरक अनुदान, विशेष अनुदान तथा आन्तरिक ऋणको आँकलन गरी समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिन्छ । यसैका आधारमा खर्च क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत मन्त्रालय र सरकारका अन्य निकायहरूको नीति तथा कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गर्न आवश्यक मध्यम अवधिको बजेट विनियोजन सहितको मध्यमकालीन खर्च अनुमानको खाका तयार गरिन्छ । यसरी निर्धारण भएको स्रोतभित्र रहेर गाउँपालिका एवम वडाले नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको क्रममा लाग्ने खर्च रकमको अनुमान गर्दछन् । सम्बन्धित विषयगत समितिसँगको छलफलपछि तीन वर्ष अवधिको बजेटको खाका तयार गरिन्छ ।

यो खाका तयार गर्दा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरिन्छ । यसमा पहिलो वर्षको खर्च र स्रोत अनुमानको वार्षिक बजेटसँग तादात्म्यता रहन्छ र बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपण गरिन्छ । पहिलो वर्ष कार्यान्वयन भएपछि नयाँ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिन्छ । जसमा पहिलो वर्षको प्रगति समीक्षा गरिन्छ भने बाँकी दुई वर्षको विगतमा प्रक्षेपण गरेको अनुमानलाई परिमार्जन गरी एक वर्षको बजेट प्रक्षेपण थप गरिन्छ । यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रिय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आँकलन गर्नुपर्ने हुन्छ । त्यसैले यसलाई विकासको आवश्यकता आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था, राजस्व र वैदेशिक सहायता अनुमान समेतको आधारमा प्रत्येक वर्ष परिमार्जन गरिनुपर्ने हुन्छ । यसबाट मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनाका उद्देश्य निम्नानुसार छन्:

१. सार्वजनिक खर्च प्रणालीमा वित्त अनुशासन कायम गरी समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्नका लागि गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट खाका तर्जुमा गर्ने ।
 २. गाउँपालिकाको विकास योजनाको प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानीको सुनिश्चित प्रदान गर्न स्रोत साधनको विनियोजन प्रक्रियाको पुर्ण संरचना गरी प्राथमिकताप्राप्त विषयगत क्षेत्रमा बजेटको बाँडफाँड गर्ने ।
 ३. सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने ।
 ४. सम्बन्धित मन्त्रालयहरूको बजेट अनुमान वास्तविक बनाउने ।
- उल्लेखित लक्ष्य हासिल गर्न आवधिक रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयनमा लैजानु पर्दछ ।

१.३ संस्थागत व्यवस्था

मध्यमकालीन खर्च संरचना आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता अपनाउने उपकरण भएकाले वार्षिक बजेट निर्माणमा यसको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि संस्थागत व्यवस्थाका रूपमा देहाय बमोजिमका विभिन्न स्तरका समितिहरूको व्यवस्था गरिएको छ ।

१.३.१ स्रोत अनुमान तथा बजेट निर्धारण समिति

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६६ बमोजिमको समितिले गर्नेछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम हुनेछः

- क. आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गर्ने,
- ख. प्रक्षेपित कुल स्रोत र खर्चको आधारमा विषय क्षेत्रगत खर्चको सीमा निर्धारण गर्ने,
- ग. मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी समग्र कार्यको निर्देशन गर्ने ।

१.३.२. मध्यमकालीन खर्च संरचना प्राविधिक समिति/कार्यदल

अपिहिमाल गाउँपालिकामा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको लागि देहायबमोजिमको एक प्राविधिक समिति/ कार्यदल रहनेछ । सो कार्यदलले प्रत्येक क्रियाकलापमा एकाईगत लागत आँकलन, परिमार्जनका साथै शाखा अन्तर्गतका मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यमा समन्वय तथा सहजीकरण गर्ने तथा सो शाखाहरूको वियषगत रूपमा एकीकृत बजेट मस्यौदा तयार गर्नेछः

- | | |
|-----------------------------|--------------|
| क) प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | - संयोजक |
| ख) विषयगत शाखा प्रमुखहरू | - सदस्य |
| ग) योजना शाखा / एकाई प्रमुख | - सदस्य सचिव |

यस कार्यदलले आवश्यकता अनुसार विषय विज्ञलाई आमन्त्रण गर्न सक्नेछ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना बजेट तयारी गर्ने सन्दर्भमा कार्यदलले देहाय बमोजिमका कार्यहरू सम्पन्न गर्नुपर्नेछः

- क) त्रिवर्षीय प्रक्षेपण सहित बजेटको आकार र स्रोतको आँकलन गरी स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति समक्ष पेश गर्ने,
- ख) मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी मार्गदर्शनको मस्यौदा तयार गरी कार्यपालिकामा पेश गर्ने,
- ग) विषयगत शाखा तथा समितिहरूसँग आवश्यक समन्वय गर्ने,
- घ) मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरी विषयगत समितिमा पेश गर्ने,
- ङ) मध्यमकालीन खर्च संरचना सम्बन्धी अन्य कार्यहरू गर्ने ।

१.३.३. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति

विषयगत समितिमा प्रस्ताव भएका कार्यक्रम/आयोजनाहरूको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहित तयार विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेटको एकीकृत मस्यौदा तयार सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७ बमोजिम गठित बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले गर्नुपर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम हुनेछः

- क) खर्चको माग र स्रोतको विश्लेषण गरी विषय क्षेत्रगत खर्चको माग र विवरण तयार गर्ने,
- ख) विगतको उपलब्धि, आय र खर्चको प्रवृत्ति समेतको विश्लेषण गरी गाउँपालिकाको आर्थिक खाका तयार गर्ने,
- ग) गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीति र चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकासको लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकालाई आधार लिई खर्च तथा स्रोतको अनुमान सहितको मध्यमकालीन बजेट खाका तर्जुमा गर्ने,

घ) गाउँपालिकाको आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य र उपलब्धि सुचकका आधारमा तोकिएको ढाँचामा समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका तयार गर्ने,

ङ) विषय क्षेत्रगत सन्तुलन तथा प्राथमिकता कायम हुने गरी स्रोत विनियोजन तथा प्रक्षेपण गर्ने,

च) मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अन्तिम रूप दिई स्वीकृतिका लागि आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमसँगै कार्यक्रमसँगै कार्यपालिकामा पेश गर्ने ।

१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया

मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्य स्थानीय तहका लागि नवीन अभ्यास हो । यसका लागि सर्वप्रथम संरचनाको आवश्यकता, महत्व र प्रक्रियागत चरणहरूका बारेमा सम्बद्ध सरोकारवालाहरू स्पष्ट हुन आवश्यक हुन्छ । सो का लागि कार्यपालिका सदस्य सहित शाखा प्रमुखहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा देहायको प्रक्रियागत चरणहरू देहाय बमोजिम रहेका छन्:-

१.४.१ चालु आवधिक योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समीक्षा

अपिहिमाल गाउँपालिकाबाट चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट, कार्यक्रमको लक्ष्य र उपलब्धिको आधारमा गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक परिसुचक समावेश भएको आर्थिक सर्वेक्षण तयार गर्नका लागि पहल गरिएको हो । त्यो भन्दा पनि यस गाउँपालिकामा रहेका पाँच वटा विषयगत क्षेत्र/ उपक्षेत्रगत रूपमा उपलब्धि विवरण तयार पारिएको हो । यसरी तयार पारिएको उपलब्धि विवरणका आधारमा आवधिक योजनाका लक्ष्य, उद्देश्य र प्राथमिकता तथा वार्षिक विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनको अवस्था समेतलाई विश्लेषण गरी समीक्षा प्रतिवेदन तयार गरिएको छ । कार्यपालिका, विषयगत शाखा, वडा कार्यालयसँग छलफल गरी योजना शाखाले आर्थिक खाकाको प्रारम्भिक विवरण तयार पारिएको हो ।

१.४.२ त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपण सहित कुल बजेटको आकार निर्धारण

यस गाउँपालिकाको स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले राजस्व समितिद्वारा पेश भएको प्रतिवेदनका आधारमा तथा यस गाउँपालिकाको राजस्व सुधार योजना २०७८।०७९- २०८०।०८१ का आधारमा आन्तरिक आयको प्रक्षेपण गरिन्छ । त्यसैगरी आर्थिक वर्ष २०७९।०८० का लागि संघीय सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान तथा राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने बजेट सीमामा आधारित भई त्रिवर्षीय बजेटको खर्च प्रक्षेपण गरिएको छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना, आन्तरिक स्रोतको सम्भावना, राजस्व तथा व्ययको प्रक्षेपण र प्राथमिकताको आधारमा आगामी आर्थिक वर्षको बजेटको आकार तथा थप दुई वर्षको खर्च तथा स्रोतको आकार निर्धारण गरिन्छ ।

१.४.३ बजेट सीमा निर्धारण र बाँडफाँड

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तयार गरेको आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत तथा खर्चको प्रक्षेपणको आधारमा बजेट सीमा निर्धारण गरिएको छ । बजेट सीमा निर्धारण तथा स्रोतको बाँडफाँड गर्दा आवधिक योजना र विषय क्षेत्रगत रणनीतिक आधारमा लक्ष्य तथा उपलब्धिलाई आधार मानिएको छ । यसैगरी क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था, सम्भाव्यता अध्ययन वा लागत अनुमान यकिन भएका कार्यक्रम तथा विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना र उपक्षेत्रगत रूपमा स्रोतको बाँडफाँड गरिएको छ ।

१.४.४ बजेट सीमा र मार्गदर्शन स्वीकृत तथा सम्प्रेषण

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तयार पारेको आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, विषय उपक्षेत्रगत बजेट सीमा र मार्गदर्शन उपर कार्यपालिकाले छलफल गरी स्वीकृत गर्दछ । यसरी

स्वीकृत भएको खर्च अनुमानमा चालु, पूँजीगत र वित्तीय व्यवस्था सम्बन्धी खर्चको अनुमान र बजेटको स्रोत समावेश हुनुपर्दछ । मार्गदर्शनमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा ध्यान दिनुपर्ने शर्तहरू समावेश भएको हुनुपर्दछ । स्वीकृत बजेट सीमा र मार्गदर्शनलाई तोकिएको समयभित्र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले तोकिए बमोजिमको ढाँचामा सम्बन्धित शाखा र वडा कार्यालयमा पठाउनुपर्नेछ ।

यसरी बजेट सीमा र मार्गदर्शन पठाउँदा वडा कार्यालयको हकमा विषयक्षेत्रगत सीमा निर्धारण गर्न वा कुनै विषय क्षेत्रमा मात्र बजेट तथा कार्यक्रम प्रस्ताव गर्नुपर्ने भएमा सो व्यहोरा मार्गदर्शनमा स्पष्ट रूपमा खुलाएर पठाउनुपर्नेछ । गाउँपालिकाको विशेष प्राथमिकतामा परेका विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र वा क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनालाई बजेट सुनिश्चित (Earmark) गर्नुपर्ने भएमा विषयगत शाखा वा वडा कार्यालयलाई बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन पठाउँदा सो समेत खुलाई पठाउनुपर्नेछ । यसैगरी गाउँपालिकाको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार भई कुल लागत एकीन भइसकेका बहुवर्षीय आयोजनाको हकमा आयोजनागत रूपमा र अन्यको हकमा कार्यक्रम उपक्षेत्रगत रूपमा आयोजना विवरण तयार गर्नुपर्नेछ ।

१.४.५ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले पठाएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन भित्र रही विषयगत शाखाले उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयार गर्नुपर्नेछ । यस्तो विवरण तयार गर्दा गत आर्थिक वर्षको यथार्थ स्थिति, चालु आर्थिक वर्षको अनुमान र चालु मध्यमकालीन खर्च संरचनाको आधारमा आगामी आर्थिक वर्ष (बजेट वर्ष) र थप दुई आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमको प्रक्षेपण गर्नुपर्नेछ ।

उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको विवरण तयार गर्दा सर्वप्रथम आगामी तीन वर्षमा कार्यान्वयन गरिने कार्यक्रम तथा आयोजनागत विवरण तयार गर्नुपर्नेछ । विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएका तथा कुल लागत यकिन भएका क्रमागत अथवा बहुवर्षीय आयोजनाको हकमा आयोजनागत रूपमा र अन्यको हकमा उपक्षेत्रगत रूपमा उपलब्ध बजेट सीमाभित्र रही प्राथमिकताको आधारमा कार्यक्रम/आयोजनाको विवरण तयार गर्नुपर्नेछ । लागत अनुमान यकीन भइनसकेका आयोजनाको हकमा प्रति एकाई लागतका आधारमा लागत एकीन गर्नुपर्नेछ । साथै उपक्षेत्रगत रूपमा लागत अनुमान एकीन गर्दा चालु र पूँजीगत खर्चका आधारमा गर्नुपर्नेछ । यसरी एकीन गरिएको कुल लागत समेतको आधारमा कार्यक्रम र आयोजनाको संक्षिप्त विवरण तयार गर्नुपर्नेछ ।

कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणमा समावेश भएका कार्यक्रम तथा आयोजना वा उपक्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, प्राथमिकीकरण एवम् रणनीतिक स्तम्भ, दिगो विकास लक्ष्य, जलवायु संकेत तथा लैङ्गिक संकेतको आधारमा साङ्केतिकरण गर्नुपर्नेछ । कार्यक्रम तथा आयोजना र उपक्षेत्रको प्राथमिकीकरण, लैङ्गिक र जलवायु सांकेतिकरण सम्बन्धी आधार र प्रक्रिया अनुसूची-१ मा उल्लेख भएबमोजिम हुनेछ । यसरी तयार भएको विवरण तथा उपलब्ध बजेट र सीमा र मार्गदर्शन बमोजिम उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तयार गरिन्छ । उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमानको ढाँचा तयार हुनेछ । उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तयार भएपश्चात गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजना तथा गुरुयोजनाको लक्ष्य र उपलब्धि सूचकका आधारमा अनुसूचीमा तोकिएको ढाँचामा उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा खाकाको विवरण तयार गरिन्छ ।

विषयगत शाखाबाट तयार भएको उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको विवरण कार्यदलको समन्वय र निर्देशनमा विषयक्षेत्रगत रूपमा एकीकृत गरी निश्चित ढाँचामा विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयार गरिन्छ । यसरी तयार भएको प्रारम्भिक मस्यौदालाई कार्यदलले पुनरावलोकन गरी बजेट सीमा र मार्गदर्शनसँग सामञ्जस्यता भए नभएको एकीन गरी आवश्यक परिमार्जन गर्नुपर्नेछ । यसरी परिमार्जन भएको विषयगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदालाई कार्यदलले सम्बन्धित विषयगत समितिमा पठाउनुपर्नेछ ।

१.४.६ विषयगत योजना तर्जुमा समितिहरूमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामाथि छलफल

कार्यदलबाट प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा र आगामी आर्थिक वर्षको बजेटमाथि सम्बन्धित विषयगत समितिमा दफावार छलफल गर्नुपर्दछ । यसरी छलफल गर्दा नेपालको संविधान (मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र स्थानीय तहको अधिकार), राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच, दिगो विकासको लक्ष्य, राष्ट्रिय तथा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, गाउँपालिकाको आवश्यकता र सम्भावना तथा छनौट गरिएका कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरणलाई आधार बनाउनु पर्दछ । यसरी विषयगत समितिमा भएको छलफलबाट तयार भएको विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति समक्ष पेश गरिन्छ ।

१.४.७ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयारी

विषयगत समितिबाट पेश भएको विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई एकीकृत गरी समष्टिगत नतिजा खाका र बजेट खाका एवम् आगामी तीन वर्षको खर्चको अनुमान र प्रक्षेपणको बाँडफाँड सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७ बमोजिमको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले गर्नेछ । साथै समितिले समिक्षा प्रतिवेदन तथा विगतको उपलब्धि र समष्टिगत नतिजा खाकाको आधारमा चालु आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न सहयोग पुग्ने गरी स्थानीय आर्थिक खाका तयार गर्नुपर्दछ । स्थानीय आर्थिक खाकामा स्थानीय उत्पादन, रोजगारी, आय र लगानी खाका लगायतका सूचकहरू समावेश भएको हुनुपर्दछ । आर्थिक खाका तयार गर्दा गत आर्थिक वर्षको यथार्थ अवस्था, चालु आर्थिक वर्षको अनुमानित उपलब्धिको आधारमा आगामी आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गर्नुपर्दछ भने आगामी दोस्रो र तेस्रो आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गर्दा चालु आवधिक योजनाको लक्ष्यको आधारमा तयार गरिएको हो ।

समष्टिगत नतिजा खाका तयार गर्दा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य र उपलब्धि तथा विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचकको आधारमा तयार गर्नुपर्दछ । यसैगरी गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीति र चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकासको लक्ष्यको स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकालाई आधार लिई खर्च तथा स्रोत अनुमान सहितको ढाँचामा समष्टिगत मध्यमकालीन बजेट खाका तर्जुमा गर्नुपर्दछ । बजेट खाकामा विषय क्षेत्रगत सन्तुलन तथा प्राथमिकता कायम हुने गरी स्रोतको विनियोजन तथा प्रक्षेपण गर्नुपर्दछ ।

समष्टिगत बजेट खाकाको तयारीसँगै विषय क्षेत्रगत रूपमा तयार भएको आगामी तीन वर्षको खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, प्राथमिकीकरण एवम् रणनीतिक स्तम्भ, दिगो विकासको लक्ष्य, लैङ्गिक संकेत तथा जलवायु संकेतका आधारमा एकीकृत विवरण तयार गर्नुपर्दछ । साथै स्थानीय गौरवका आयोजनाको तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण पनि तयार गर्नुपर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको एकीकृत मस्यौदा तयारी कार्यमा कार्यदलले बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिलाई आवश्यक सहयोग गर्नुपर्दछ । बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयार गरी स्वीकृतिका लागि आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमसँगै कार्यपालिकामा पेश गरिन्छ ।

१.४.८ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति

बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिबाट पेश भएको मध्यमकालीन खर्च संरचना उपर कार्यपालिकामा आवश्यक छलफल गरी स्वीकृत गरिन्छ । यसरी कार्यपालिकाबाट स्वीकृत भएको मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अनुमोदनका लागि वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको साथमा सभामा पेश गरिन्छ । यसरी सभाबाट स्वीकृत भएको मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई प्रमाणित गरिसकेपछि कार्यान्वयनको चरणमा जान्छ ।

रिच्छेद दुई: मध्यमकालीन खर्च संरचना

(आ. व. २०८०/०८१ - २०८२/०८३)

२.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले लोक कल्याणकारी राज्यको अवधारणा र समाजवाद उन्मुख आर्थिक प्रणालीमार्फत मुलुकमा सुशासन, विकास र समृद्धि हासिल गर्ने परिकल्पना गरेको छ । मौषममा आधारित कृषि उत्पादन, पर्यटन उर्जा र विप्रेषण यस गाउँपालिकाको समग्र अर्थतन्त्रको मुख्य आयाम हुन् । यस योजनाले गाउँपालिकाको दिगो विकास र सामाजिक न्याय आधारमा समृद्धि हासिल गर्ने लक्ष्य हासिल गरेको छ । संविधान भित्र रहेर कानून तथा नीतिको निर्माण, आर्थिक स्रोतको व्यवस्था, स्थानीय आवश्यकता अनुरूपका विकासका योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार राख्दछ । यसै सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८०।८१-२०८२।८३) तर्जुमा गरिएको हो ।

योजनाको लक्ष्य प्राप्तिका लागि बजेटको कुशल व्यवस्थापन, तीव्र आर्थिक विकास र उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नुपर्नेछ । सो बमोजिम गाउँपालिकाको आवधिक योजनासँग सामञ्जस्य हुनेगरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचना (आ. व. २०८०।०८१-२०८२।०८३) तर्जुमा गरिएको छ । यस त्रिवर्षीय खर्च संरचना तयार गर्दा दीर्घकालिन सोच सहितको गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा उल्लेखित सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र दिगो विकास लक्ष्यलाई मुख्य आधार लिइएको छ ।

२. २ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

२. २. १ सोच

“सुन्दर, समृद्ध र विकसित अपिहिमाल”

२. २. २ उद्देश्य

१. उत्पादनशील क्षेत्रको उच्चतम परिचालन गरी गुणस्तरीय उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्दै आर्थिक विकासको आधार तयार गर्नु ।
२. गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खानेपानीको सुनिश्चितता गर्दै सामाजिक न्याय सहितको समुन्नत समाज निर्माण गर्नु ।
३. गुणस्तरीय तथा प्रयोगकर्तामैत्री पूर्वाधारको विकास गरी समृद्धिको आधार तयार गर्नु ।
४. वातावरणीय सन्तुलन कायम गर्दै जल, जमिन, जङ्गल, जैविक विविधता जस्ता प्राकृतिक श्रोत र सम्पदाको संरक्षण तथा विकास गर्नु,
५. संस्थागत तथा जनशक्तिको क्षमता विकास गरी सुशासन अभिवृद्धि गर्नु ।

२. २. ३ रणनीति

१. प्रतिस्पर्धात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी बढाउने ।
२. विकासका अवसरहरूमा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
३. शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभूत सेवाहरूको गुणस्तर र पहुँच अभिवृद्धि गर्दै मौलिक हकको प्रत्याभूति गर्ने ।
४. गुणस्तरीय पूर्वाधारमा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।

५. वातावरणीय सन्तुलन एवम् जल, जमिन, जङ्गल, जैविक विविधता आदि प्राकृतिक स्रोत र सम्पदाको संरक्षण तथा विकास गर्ने ।
६. सुशासन सम्बन्धी नीतिगत, कानुनी एवम् संस्थागत व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने ।

२.३ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

अपिहिमाल गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा उल्लेखित लक्ष्यका आधारमा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिएको छ । आर्थिक खाका तर्जुमा गर्दा सार्वजनिक वित्तको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन, निजी तथा सहकारी क्षेत्रको लगानी, उत्पादन र रोजगारीमा प्रोत्साहन सहित समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्न जोड दिइएको छ । यस गाउँपालिकाका वास्तविक क्षेत्र अन्तर्गत उत्पादन, रोजगारी र आयका साथै वित्तीय क्षेत्र एवम् बाह्य क्षेत्रको खाका तर्जुमा गरिएको छ । खर्च संरचनाको दोस्रो र तेस्रो वर्षको लक्ष्य पनि यसमा उल्लेख गरिएको छ । उल्लेखित सूचकहरूको विद्यमान स्थिति, चालु आर्थिक वर्षको अनुमानित उपलब्धि तथा आगामी तीन वर्षको लक्ष्य तालिका नं २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं २.१: समष्टिगत मध्यमकालीन आर्थिक खाका							
क्र.सं.	सूचक	एकाई	गतआव.सम्मको उपलब्धी २०७८।७९	चालु आ.व.को उपलब्धि २०७९।८०	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८०।०८	२०८१।०८	२०८२।०८
१	वार्षिक उत्पादन	रु.लाखमा	०		२५०००	३२५००	४००००
१.१	कृषि	रु.लाखमा	०		२००००	२२५००	२५०००
१.२	गैर कृषि उद्योग र सेवा	रु.लाखमा	०		५०००	१००००	१५०००
२	औषत पारिवारिक आय	रु.लाखमा	०	५.४५	७.३८	८.४८	९.२९
३	उद्योग व्यापार र व्यवसाय	संख्या	०	६०	९४	१७२	२७९
४	औपचारिक क्षेत्रमा रोजगार सिर्जना	कार्यदिन	०	१२०	१५०	१८०	२००
५	आधारभुत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार	प्रतिशत	०	३५	४५	४९	६५

२.४ मध्यमकालीन नतिजा खाका

अपिहिमाल गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, आवधिक योजनाले लिएका लक्ष्यहरू र विषय क्षेत्रगत अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका निर्धारण गरिएको छ । सो खाका निर्धारण गर्दा गत आ. व. २०७७।०७८ सम्मको उपलब्धि, चालु आ. व. २०७८।०७९ को अनुमानित उपलब्धि

तथा २०७९।०८० को लक्ष्य तथा थप दुई आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको समष्टिगत लक्ष्य तालिका नं २.२ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं २.२: समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका							
क्र सं	सूचक	एकाई	गत आ व सम्मको उपलब्धि (२०७८।७९)	चालु आवको अनुमानित उपलब्धि (२०७९।०८०)	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
१	मानव विकास सूचकाङ्क*	सूचकाङ्क	०.४६	०.४६	०.४७	०.४७	०.४८
२	आर्थिक वृद्धि*	प्रतिशत	५.२	५.२	५.४	५.५	६
३	वार्षिक प्रति व्यक्ति आय*	रु.	६८४५०	६८४५०	६९०००	७००००	७२०००
४	बहुआयामिक गरिबी	प्रतिशत	३२	३२	३१	२७	२३
५	साक्षरता	प्रतिशत	८२	८२	८२	८३.	८३
६	विद्यालयमा खुद भर्ना दर*	प्रतिशत	७४	७४	७४		७५
७	औसत आयु*	वर्ष	६८	६८	६८		६९
८	कालोपत्रे सडक	कि.मि.	०	०	०		५
९	ग्राभेल सडक	कि.मि.	१२	१२	१२		२५
१०	विद्युत सेवा प्राप्त घरधुरी (सोलार समेत)	प्रतिशत	६२	६२	६५		८५
११	खानेपानी सेवा प्राप्त घरधुरी	प्रतिशत	८४	९६	९८	१००	१००
१२	वेरोजगारी	प्रतिशत	१८	१८	१७		१३
१३	विपद् बाट हुने वार्षिक क्षती रकम	रु. लाखमा	१००	१००	९०		५०

२.५ मध्यमकालीन बजेट खाका

त्रिवर्षीय बजेट खाका निर्माण गर्दा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (२०७९।०८०-२०८३।०८४) मा उल्लेखित सोच, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, बजेटका सिद्धान्त र प्राथमिकता दिगो

विकासका लक्ष्य, २०३० को मार्गचित्र एवम् समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व, विनियोजन कुशलता र अनुमान योग्यतालाई मुख्य आधार लिइएको छ । वित्तको कुशल व्यवस्थापन, उच्च आर्थिक वृद्धि, तीव्र आर्थिक सामाजिक विकास र समन्यायिक वितरण गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ । साथि उल्लेखित नतिजा खाकाका साथै विषयक्षेत्रगत नतिजा प्राप्त हुनेगरी स्रोत र खर्च अनुमान गरिएको छ ।

गाउँपालिकाका विभिन्न शाखा तथा वडाहरूमा चालु तथा पूँजीगत विकासका रूपमा बाँडफाँड सम्बन्धी मापदण्ड बमोजिम आयोजना बाँडफाँड गरिएको छ । गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना, रुपान्तरणकारी आयोजना, नयाँ प्रमुख कार्यक्रम र बहुवर्षीय ठेकामा गएका अन्य आयोजनाका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित (Earmark) हुने गरी विषय क्षेत्रगत बजेट खाका निर्माण गरिएको छ । क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयन अवस्था र आगामी कार्यान्वयन योजनाको आधारमा अर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ । कार्यान्वयनको अवस्था, आयोजना अवधि, सिर्जित दायित्व तथा खर्च गर्नसक्ने अवस्था अनुसार क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनःप्राथमिकीकरण गरी विनियोजनको प्राथमिकता निर्धारणमा जोड दिइएको छ । क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनरावलोकन गरी दोहोरोपना रहेका एउटै प्रकृतिका कार्यक्रम वा आयोजना एक आपसमा गाभ्ने वा खारेज गर्ने गरी बजेट अनुमान गरिएको छ । नयाँ आयोजनाका लागि पूर्व तयारी कार्य सम्पन्न भएका बहुवर्षीय ठेका लगाउनुपर्ने प्रकृतिका आयोजनालाई कार्यान्वयनमा लैजान एक तिहाई बजेट विनियोजन हुनेगरी र तयारी कार्य सम्पन्न नभएका आयोजनाको लागि आवश्यक रकम विनियोजन गरी तयारी कार्य सम्पन्न गर्ने गरी बजेट प्रस्ताव गरिएको छ ।

मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक राजस्व परिचालनको स्थिति, संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने विभिन्न किसिमका अनुदान तथा राजस्व बाँडफाँडको अवस्था आदिलाई विशेष ध्यान दिइएको छ । साथि उल्लेखित आधारमा आगामी तीन वर्षको गाउँपालिकाको कुल बजेट रु. ११४४४७१०००।- रहने प्रक्षेपण गरिएको छ । यस मध्ये चालु खर्च रु. ७४३९०६०००।- र पूँजीगत खर्च रु. ४००५६५०००।- रहने प्रक्षेपण गरिएको छ । यस सम्बन्धी विवरण तालिका नं २.३ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं २.३ स्थानीय मध्यमकालीन बजेट खाका								
क्र.सं.	बजेटका स्रोतहरू	२०७८-७९ को यथार्थ	२०७९-८० को संसोधित	२०८०-८१ को अनुमान	प्रक्षेपण			३ वर्षको प्रक्षेपण जम्मा
					२०८१-८२	२०८२-८३	२०८३-८४	
क	राजस्व तथा अनुदान	३००१२३	३५५२३६	३०५०९७	३२०४८२	३३६४८४	३५३३०८	१०१०२७४
१	आन्तरिक आय	२०११	२५००	२६००	२८६०	३००३	३१५३	९०१६
२	राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त आय	४७४९३	६९७८०	६८४१३	७१८३४	७५४२५	७९१९७	२२६४५६
	नेपाल सरकार	४६६३९	६८६९६	६७३१३	७०६७९	७४२१३	७७९२३	२२२८१४
	प्रदेश सरकार	८५४	१०८४	११००	१११५५	१२१३	१२७३	३६४१
३	रोयल्टी बाँडफाँडबाट प्राप्त राजस्व	२८३	७२०	७२०	७५६	७७२	८१०	२३३८

	वन रोयल्टी	२८०	७००	७००	७३५	७७२	८१०	२३१७
	खानी रोयल्टी	०	०	०	०	०	०	०
	विधुत रोयल्टी	०	०	०	०	०	०	०
	पर्वतारोहण रोयल्टी	२	२०	२०	२१	२२	२३	६६
४	नेपाल सरकार वित्तीय हस्तान्तरण	२३१०८३	२५६४९१	२०९१००	२१९५५५	२३०५३३	२४२०५९	६९२१४७
	वित्तीय समानीकरण अनुदान	७४३००	८०९००	७२८००	७६४४०	८०२६२	८४२७५	२४०९७७
	सशर्त अनुदान	१३६५४९	१३५५९१	११७८००	१२३६९०	१२९८७५	१३६३६८	३८९९३३
	विशेष अनुदान	१४२०१	३५०००	११५००	२०७५	१२६७९	१३३१३	३८०६६
	समपुरक अनुदान	६०३३	५०००	७०००	७३५०	७७१८	८१०३	२३१७१
५	सुदुरपश्चिम प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरण	९९५९	९२४०	१८२६४	१९१७७	२०१३६	२११४३	६०४५६
	वित्तीय समानीकरण अनुदान	५०८२	५३४०	५६१४	५८९५	६१८९	६४९९	१८५८३
	सशर्त अनुदान	२४७५	०	२१५०	२२५८	२३७०	२४८९	७११७
	विशेष अनुदान	२४०२	२५००	१०५००	११०२५	११५७६	१२१५५	३४७५६
	समपुरक अनुदान	०	१४००	०	०	०	०	०
६	अन्य अनुदान	०	०	०	०	०	०	०
७	अन्तर स्थानीय तहबाट साझेदारी रकम	०	०	०	०	०	०	०
८	जनसहभागिता	०	०	०	०	०	०	
९	नगद मौज्जात	९२९५	१६५०५	६०००	६३००	६६१५	६९४६	२६१०४७
ख	जम्मा खर्च	२८२७४८	३५८५२५	३०५०९७	३२०४८२	३३६४८४	३५३३०८	१०१०२७४
१	चालु खर्च	१८४५२८	२३६२९३	१९८३१३	२०८३१३	२१८७१५	२२९६५०	६५६६७८

२	पूँजीगत खर्च	९८२२०	१२२२३२	१०६७८४	११२१६९	११७७६९	१२३६५८	३५३५९६
३	बचत बजेट	०	०	०	०	०		०
४	वित्तीय व्यवस्था	०	०	०	०	०		०
५	आन्तरिक रिण	०	०	०				

२.६ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विश्लेषण देहायबमोजिम रहेको छ ।

१. रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण

कार्यक्रम तथा आयोजना आवधिक विकास योजनाको रणनीतिक स्तम्भ बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ । यसरी वर्गीकरण गर्दा गाउँपालिकाका विषयगत शाखा तथा वडाहरूलाई प्रदान गरिएका विभिन्न कार्यक्रम रहने तथा सो को जानकारीका आधारमा रणनीतिक स्तम्भमा रहेका कार्यक्रम तथा योजनाका लागि बजेट विनियोजन गरिएको छ ।

तालिका नं २.४ रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रु. हजारमा)

रणनीतिक संकेत	रणनीतिक स्तम्भ	गत आ. व. २०७८।०७९ को यथार्थ		चालु आ. व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८०।०८१ को विनियोजन		आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	प्रतिस्पर्धात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी बढाउने	१७९९२	५.८४	२५९०८	८.१०	३३३२२	८.७६	३७७६९	९.०१	३७७९३	८.१०
२	विकासका अवसरहरूमा समतामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्ने	२५५००	८.२८	१२०००	३.७६	१४०८०	३.७०	२२५६६	५.३८	२५१६९	५.४०
३	शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभूत सेवाहरूको गुणस्तर र पहुँच अभिवृद्धि गर्दै मौलिक हकको प्रत्याभूति गर्ने	१५५९८०	५०.६७	१६७४२७	५२.३५	२४७००३	६०.९५	२५२७२६	६०.३१	२६०७२६	५५.८८
४	गुणस्तरीय पूर्वाधारमा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने	२३३९१	७.५९	४२१६६.५	१३.१९	४९९५२	१३.१३	५६३०६	१३.४३	५५२८९	११.८५
५	वातावरणीय सन्तुलन एवम् जल, जमिन, जङ्गल, जैविक विविधता आदि प्राकृतिक स्रोत र सम्पदाको संरक्षण तथा विकास गर्ने	९३९४	३.०५	४६७८	१.४७	२३५८८	६.२०	२६३६६	६.२९	२५५९७	५.४८
६	सुशासन सम्बन्धी नीतिगत, कानुन एवम् संस्थागत व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने	७५५४०	२४.५४	६७६४८.२	२१.१९	१२३८३	३.२५	२३२६७	५.२५	६१९२६	१३.२७
	जम्मा	३०७७९७	१००	३१९८२७.७	१००	३८०३२८	१००	४१९०००	१००	४६६५००	१००

रणनीतिक स्तम्भका आधारमा सबैभन्दा बढी रकम शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभुत सेवाहरुको गुणस्तर र पहुँच अभिवृद्धि गर्ने मौलिक हकको प्रत्याभुति गर्ने (रणनीतिक स्तम्भ ३) र सुशासन सम्बन्धी नीतिगत, कानून एवम् संस्थागत व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने (रणनीतिक स्तम्भ ६) मा बाँडफाँड भएको छ । आगामी आ. व. २०७९।०८० मा पनि अरु क्षेत्रभन्दा बढि बजेटको हिस्सा रणनीतिक स्तम्भ ३ ले नै ओगटेको देखिन्छ । यस क्षेत्रमा विनियोजन हुने बजेट चालु तर्फ बढी हुने भएकाले यसको आकार बढी देखिएको हो ।

२. प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकताक्रम बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रुपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा सम्पूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई प्राथमिकताक्रम निर्धारण गरिएको छ भने मागमा आधारित रहेका ससाना प्रकृतिका कार्यक्रमका लागि सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.५: प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण
रकम (रु. हजारमा)

प्राथमिकताक्रम	आयोजना संख्या	गत आ. व. २०७८।०७९ को यथार्थ		चालु आ. व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८०।०८१को विनियोजन		आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
पहिलो (प१)	३७	२१२५००	७०.२५	१२६४४४	५५.८२	२६७१३२	७०.४४	२९९२६१	७१.८३	३३३२४८	७२.१४
दोस्रो (प२)	२१	९००००	२९.७५	१०००६२	४४.१८	११२१३१	२९.५६	११७३३९	२८.१७	१२८९५४	२७.९५
जम्मा	५८	३०२५००	१००	२२६५०६	१००	३७९२६३	१००	४१६६००	१००	४६२२०२	१००
सांकेतिकरण नगरिएको		२००००		१३८६००		१०६५		२४००		४२९८	
कुल जम्मा		३२२५००		३९५४४२.९		३८०३२८		४१९०००		४६६५००	

पहिलो प्राथमिकताका कार्यक्रम वा आयोजनाका लागि बजेट विनियोजनको अंश आगामी ७० प्रतिशत रहेको छ भने दोस्रो प्राथमिकतामा रहेका कार्यक्रम वा आयोजनाको लागि २९ प्रतिशत रहेको छ । आगामी वर्ष पहिलो प्राथमिकतामा रहेका योजनाका लागि बजेट वृद्धि हुनेछ ।

३. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.६ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा सम्पूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा सांकेतिकरण गरिएको छ भने मागमा आधारित रहेका ससाना प्रकृतिका कार्यक्रमका लागि दिगो विकास लक्ष्यको सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.६: दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

दिगो विकास लक्ष्य संकेत नं	दिगो विकास लक्ष्य	गत आ. व. २०७८।०७ ९ को यथार्थ		चालु आ. व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८०।०८१ को विनियोजन		आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	गरिवीको अन्त्य	०	०	२४०००	७.८७	२८०००	८.७८	३००००	८.२९	३५०००	७.६२
२	शून्य भोकमरी	०	०	५८०००	१९.०२	४४०००	१३.८०	४८०००	१३.२७	५२०००	११.३२
३	स्वस्थ जीवन	०	०	३२२६०	१०.५८	३३०००	१०.३५	३८०००	१०.५०	४४०००	९.५८
४	गुणस्तरीय शिक्षा	०	०	१२४०००	४०.६७	१३००००	४०.७७	१३७०००	३७.८७	१४००००	३०.४९
५	लैङ्गिक समानता	०	०	३००००	०.९८	३५०००	१.०९	५००००	१.३८	६४०००	१३.९५
६	स्वच्छ पानी र सरसफाई	०	०	७००००	२.२९	१०००००	३.१३	१५००००	४.१४	१८००००	३.९२
७	आधुनिक उर्जामाप हुँच	०	०	१२०००	०.३९	१६०००	०.५०	५००००	१.३८	७००००	१.५२
८	समावेशी आर्थिक वृद्धि र मर्यादित काम	०	०	२००००	०.६५	५००००	१.५६	७००००	१.९३	९००००	१.९७
९	उद्योग नवीन खोज र पूर्वाधार	०	०	४३२००	१४.१७	५३५००	१६.७८	६३९००	१७.६६	७४०००	१६.१२
१०	असमानता न्यूनीकरण	०	०	४०००	०.१३	६०००	०.१८	१००००	०.२७	१२०००	०.२६

११	दिगो शहर र बस्ती	०	०	२००	०.०	५००	०.१	१०००	०.२	१४००	०.३०
१२	दिगो उपभोग र उत्पादन	०	०	३०००	०.९	४०००	१.२	५०००	१.३	७०००	१.५२
१३	जलवायु परिवर्तन र अनुकूलन	०	०	४०००	१.३	३०००	०.९	३५००	०.९	४०००	०.८७
१५	भूतल स्रोत उपयोग	०	०	१००	०.०	१००	०.०	१००	०.०	१५०	०.०३
१६	शान्ति, न्याय र सबल संस्था	०	०	१५००	०.४	१०००	०.३	१२००	०.३	१३००	०.२८
१७	दिगो विकासका लागि साझेदारी	०	०	१०००	०.३	१०००	०.३	१०००	०.२	१०००	०.२१
				३०४८	१००	३१८८	१००	३६१७	१००	४५९०	१००
	साङ्केतिकरण नगरिएको			९०५८		६१५२		५७३०		७४५०	
	जम्मा			३९५४		३८०३		४१९०		४६६५	
				४२		२८		००		००	

आ. व. २०७८।०७९ मा सबैभन्दा ठूलो हिस्सा गुणस्तरीय शिक्षा (लक्ष्य नं ४), शून्य भोकमरी(लक्ष्य नं २), स्वस्थ जीवन(लक्ष्य नं ३) र पूर्वाधार(लक्ष्य नं ९) मा रहेकाले आगामी वर्षहरूमा अन्य क्षेत्रहरूमा पनि बजेटको हिस्सा वृद्धि हुँदै जाने अनुमान छ ।

४. लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

लैङ्गिक संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.७ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा समपूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई लैङ्गिक संकेतको आधारमा समावेश गरिएको छ भने पूर्वाधार विकास कार्यक्रमका लागि सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.७: लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

संकेत नं	लैङ्गिक संकेत	गत आ. व. २०७८।०७९ को यथार्थ		चालु आ. व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८०।०८१को विनियोजन		आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
०१	निर्दिष्ट	०	०	५०००	३.०८	६०००	३.३५	६५००	३.६८	७०००	३.७४
०२	सहयोगी	०	०	५५००	३३.९	५४०००	३०.१	४९००	२७.७	५०००	२६.७
				०	५	६	६	०	६	०	३

०३	तटस्थ	०	०	१०२० ००	६२.९ ६	११९०० ०	६६.४ ९	१२१० ००	६८.५ ६	१३०० ००	६९.५ १
				१६२० ००	१००	१७९०० ०	१००	१७६५ ००	१००	१८७० ००	१००
	साङ्केतिकरण नगरिएको			२३३४ ४२		२०१३२ ८		२४२५ ००		२७९५ ००	
कुल जम्मा				३९५४ ४२		३८०३२ ८		४१९० ००		४६६५ ००	

लैङ्गिक संकेतका आधारमा निर्दिष्ट क्षेत्रमा बजेटको थोरै हिस्सा रहेको छ भने अन्य क्षेत्रमा बढी रहेको छ । यसमा पूर्वाधार क्षेत्रको बजेट लैङ्गिक संकेतमा नपर्ने भएकाले यसले बजेटको बढी हिस्सा ओगटेको देखिन्छ ।

५. जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

जलवायु संकेत बमोजिम तीन वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.८ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा सम्पूर्ण अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई जलवायु संकेतमा समावेश गरिएको छ । यी बाहेक ससाना प्रकृतिका आयोजनालाई जलवायु संकेतका आधारमा सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.८: जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

संकेत नं	जलवायु परिवर्तन संकेत	गत आ. व. २०७८।०७९ को यथार्थ		चालु आ. व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८०।०८१को विनियोजन		आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
०१	प्रत्यक्ष	०	०	४०००	५.४८	३०००	३.२२	३५००	३.५९	४०००	३.२२
०२	अप्रत्यक्ष	०	०	१४०००	१९.१७	२५०००	२६.८९	२२०००	२.२६०	२८०००	२२.५६
०३	तटस्थ	०	०	५५०००	७५.३५	६५०००	६९.९९	७२०००	७३.८५	९२१००	७४.२२
				७३०००	१००	९३०००	१००	९७५००	१००	१२४१००	१००
	सांकेतिकरण नगरिएको			३२२४४२		२८७३२८		३२१५००		३४२४००	
कुल जम्मा				३९५४४२		३८०३२८		४१९०००		४६६५००	

जलवायु संकेतका आधारमा सांकेतिकरण गर्दा तटस्थ क्षेत्रमा बढी बजेटको हिस्सा बढी ओगटेको छ भने सांकेतिकरण नगरिएको क्षेत्र पूर्वाधार क्षेत्र पर्ने भएकाले यसले बजेटको हिस्सा बढी ओगटेको छ ।

६. स्थानीय गौरवका आयोजनाको तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

तालिका २.९: स्थानीय गौरवको आयोजनाको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण
रकम (रु. हजारमा)

उपक्षेत्र	आयोजना/ कार्यक्रम	गत आ. व. २०७८।०७९ को यथार्थ	चालु आ व. २०७९।८० को संशोधित अनुमान	आगामी आ. व. २०८०।०८१को विनियोजन	आ. व. २०८१।०८ को खर्च प्रक्षेपण	आ. व. २०८२।०८३ को खर्च प्रक्षेपण
१	प्रशासकीय भवन	०	१००००	४००००	१५३००	-

७. विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

तालिका २.१०: विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

क्र सं	विषय क्षेत्र/ उपक्षेत्र	आर्थिक वर्ष	बजेट सीमा (रु हजारमा)				बजेट स्रोत (रु हजारमा)			
			कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक आय	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२	२०८०।०८१- २०८२।०८३	३	४	५	६	७	८	९	१०
१ आर्थिक विकास क्षेत्र										
क	कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	पहिलो आ व	१५९७५							
		दोस्रो आ व	17572.5							
		तेस्रो आ व	19329.75							
ख	पशु विकास सेवा	पहिलो आ व	1125							
		दोस्रो आ व	1237.5							
		तेस्रो आ व	1361.25							
ग	उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय	पहिलो आ व	2700							
		दोस्रो आ व	2970							
		तेस्रो आ व	3267							
घ	पर्यटन तथा संस्कृति	पहिलो आ व	११६५०							
		दोस्रो आ व	12815							
		तेस्रो आ व	14096.5							

ड	भूमि सिँचाई व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा	पहिलो आ व	1050							
		दोस्रो आ व	1155							
		तेस्रो आ व	1270.5							
च	श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण	पहिलो आ व	५५००							
		दोस्रो आ व	6050							
		तेस्रो आ व	6655							
	जम्मा		१२५७८०							
२ सामाजिक विकास										
क	जनस्वास्थ्य तथा पोषण	पहिलो आ व	32535							
		दोस्रो आ व	35788.5							
		तेस्रो आ व	39367.35							
ख	शिक्षा विज्ञान प्रविधि तथा कला, भाषा साहित्य	पहिलो आ व	104544							
		दोस्रो आ व	114998.4							
		तेस्रो आ व	126498.24							
ग	खानेपानी तथा सरसफाई	पहिलो आ व	5275							
		दोस्रो आ व	5802.5							
		तेस्रो आ व	6382.75							
घ	युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन	पहिलो आ व	1300							
		दोस्रो आ व	1430							
		तेस्रो आ व	1573							
ड	महिला बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण	पहिलो आ व	1950							
		दोस्रो आ व	2145							
		तेस्रो आ व	2359.5							
च	सामाजिक सुरक्षा तथा समावेशीकरण	पहिलो आ व	9300							
		दोस्रो आ व	10230							
		तेस्रो आ व	11253							
	जम्मा		512732.24							
३ पूर्वाधार विकास क्षेत्र										
क	भवन आवास बस्ती तथा सहरी विकास	पहिलो आ व	36400							
		दोस्रो आ व	40040							
		तेस्रो आ व	44044							
ख	सडक पुल, तथा यातायात व्यवस्था	पहिलो आ व	6100							
		दोस्रो आ व	6710							
		तेस्रो आ व	7381							
ग		पहिलो आ व	2030							

	जलस्रोत विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा	दोस्रो आ व	2233							
		तेस्रो आ व	2456.3							
घ	सूचना तथा सञ्चार प्रविधि	पहिलो आ व	1550							
		दोस्रो आ व	१७०५							
		तेस्रो आ व	१८७६							
जम्मा			१५२५२५							
४ वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन										
क	वन भूसंरक्षण तथा जैविक विविधता	पहिलो आ व	400							
		दोस्रो आ व								
		तेस्रो आ व								
ख	विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा प्रतिकार्य	पहिलो आ व	1800							
		दोस्रो आ व								
		तेस्रो आ व								
ग	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन	पहिलो आ व	0							
		दोस्रो आ व								
		तेस्रो आ व								
घ	फोहोरमैला व्यवस्थापन	पहिलो आ व	0							
		दोस्रो आ व								
		तेस्रो आ व								
जम्मा			२२००							
५ संस्थागत विकास तथा सुशासन										
क	नीति कानून मापदण्ड सेवा प्रवाह तथा सुशासन	पहिलो आ व	600							
		दोस्रो आ व	660							
		तेस्रो आ व	726							
ख	संगठनात्मक विकास तथा मानव संशाधन	पहिलो आ व	68688							
		दोस्रो आ व	75556.8							
		तेस्रो आ व	83112.48							
ग		पहिलो आ व	1300							
	तथ्याङ्क प्रणाली र योजना तथा विकास व्यवस्थापन	दोस्रो आ व	1430							
		तेस्रो आ व	1573							
जम्मा			233646.28							
जम्मा तीन वर्षको बजेट			१०२६८८३							

३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

१. पृष्ठभूमि

सिँचाइ र खानेपानीका लागि स्थानीय खोला तथा मूलहरूमा स्रोतहरूमा निर्भर रहेको यो पालिकाका दर्जन बढी सिँचाइ आयोजना तथा स्थानीय कुलोहरूबाट सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भइरहेको छ । अझ पनि उच्च भागका खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन र सिँचाइ सुविधा नपुगेका स्थानहरूमा खेतीको लागि आकाशे पानीमा निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता रहेको छ । यहाँका कृषकहरूले धान, गहुँ, मकै, फलफूलका साथै विभिन्न थरिका बेमौसमि तरकारी बालीको पनि उत्पादन गर्ने गरेको पाइन्छ । आवश्यक पूर्वाधार विकासको अभावमा सबै नागरिकले यथोचित रूपमा सिँचाइको लागि पानी व्यवस्थापन गर्न सकिरहेको अवस्था छैन । मानव बस्तीको क्रमिक विकास र जलवायु परिवर्तन तथा विश्व तापमान वृद्धि साथै प्राकृतिक स्रोतको अत्यधिक दोहनका कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने क्रम जारी छ ।

गाउँपालिकाका २९ प्रतिशतको जमिनमा कुनै न कुनै प्रकारको सिँचाइको व्यवस्था भएको देखिन्छ । यस गाउँपालिकाको मुख्य जलाधार क्षेत्र भनेको चौलानी नदी रहेको छ । स—साना खोलाहरू पनि हिमालय क्षेत्रबाट उत्पन्न भएका हुदा मुख्य खोलाहरूमा पानीको मात्रा प्रयाप्त देखिन्छ । चौलानी नदी, गौलागाड, कापुखोला, घट्टेखोला, सेलाखोला, गोथीगाड, भिडखोला, कुरमुल लगायत स्रोतहरूले गाउँपालिकाका विभिन्न जमिनमा सिँचाइको उपलब्धता पुऱ्याएको छ ।

।

२. समस्या तथा चुनौति

यस गाउँपालिकामा कृषिको विकास तथा व्यवसायीकरणका समस्याहरूमा मुख्यतः बजारको अभाव, लगानीको अभाव तथा आधुनिक उपकरण तथा गुणस्तरीय विउविजन, मलखाद एवं औषधीहरूको अभाव तथा विक्री वितरण गर्न सडक यातायात तथा ढुवानीको समस्या रहेको अवस्था छ । यसैगरी व्यावसायिक खेती तथा बजारीकरणका लागि सिप तथा पूँजीको अभाव, स्थानीय स्तर विमा गर्ने निकायको अभावले गर्दा पहिरो, असिना आदिका कारणबाट बाली उत्पादनमा भैरहेको क्षतीप्रमुख समस्याको रूपमा रहेको पाइन्छ । अर्कोतर्फ कृषिमा लागत लाभको दृष्टिकोणमा खेती प्रणाली खर्चिलो हुनु, माटोको नियमित परीक्षण नहुनु जस्ता समस्या, व्यावसायिक सोचको कमी विद्यमान रहनु, कृषि संकलन केन्द्र नहुनु, कृषि पर्यटन तथा पकेट खेती विकास कार्यक्रम नहुनु एवं प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम संचालन नहुनु, कृषि उपजको सुरक्षित भण्डारको सुविधा नहुनु, अधिकांश कृषकहरूमा व्यावसायिक कृषि र पशुपालन सम्बन्धी प्राविधिक, व्यवस्थापकीय र बजारीकरण सम्बन्धी ज्ञान, सीप र प्रविधिको प्रयोगमा कमी हुनु रहेको छ । आर्थिक विकास संभावनाका क्षेत्रहरू प्रचुर भएपनि परम्परागत र निर्वाहमुखी खेती प्रणाली, व्यावसायिक ज्ञान तथा प्रविधि सम्बन्धी सूचनाको कमी, कर्जामा कम पहुँच, बजारोन्मुख खेती प्रणाली नहुनुका साथै कृषि विज्ञको समेत कमी भएको अवस्था पाइन्छ । स्थानीय हावापानी सुहाउँदो र बढी उत्पादन दिने खालको विभिन्न प्रजातीका बीउ विजन उत्पादन गर्ने नर्सरी नहुँदा कृषकहरूले माग र आवश्यकता अनुसारको बोट विरुवा प्राप्त गर्न सकेका छैनन् । साथै जलवायु परिवर्तनको असरका कारण बालीमा देखापर्ने हानीकारक झार, रोग तथा किराहरूको प्रकोप लगायत पोषण र पानी सम्बन्धी जोखिममा वृद्धि भएको अवस्था छ । जडीबुटी उत्पादन विस्तार र बजारीकरण समस्या, संकलन साथै उत्पादनका लागि औजार उपकरणको कमी, वन्यजन्तुको समस्या समेत विद्यमान रहेको छ ।

भूमि व्यवस्थापन तथा भूमि प्रशासन सेवालार्इ वैज्ञानिकीकरण तथा सरलीकरण गर्नु, गुठी जग्गाको अभिलेखाङ्कन गरी अतिक्रमण रोक्नु, परम्परागत खेती प्रणालीलार्इ आधुनिकीकरण र व्यावसायिकरण गराई युवा जनशक्तिलार्इ कृषि तथा पशु व्यवसायतर्फ आकर्षित गराउनुका साथै कोभिड-१९ महामारीका कारण वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केकाहरूका लागि कृषिमा आकर्षित हुने खालका कार्यक्रमहरूबाट स्वरोजगार गराउनु, खाद्यान्नको उचित वितरण गर्नु र यसको प्रयोगमा

जनचेतनामूलक कार्य सञ्चालन गर्नुका साथै कृषि सहकारीहरूको लगानीलाई व्यापकरूपमा कृषि उत्पादन तथा उद्योगमा परिचालन गर्नुपर्ने चुनौतीहरू रहेका छन् ।

चुनौतिहरू

- क) कृषि पेशाबाट युवा तथा अन्य श्रमशक्तिको व्यापक पलायन भएकोले कृषि व्यवसायतर्फ आर्कषण गरी कृषकको लगानीबाट उचित प्रतिफल प्राप्त गर्न सक्ने स्थितिको निर्माण तुरुन्त गर्नुपर्ने ।
- ख) कृषि क्षेत्रमा रहेको अदृश्य बेरोजगारीको अन्त्य गरिनुपर्ने ।
- ग) अव्यवस्थित सहरीकरण, जग्गाको खण्डीकरण, घडेरीकरण, दोहरो भू-स्वामित्वको स्थिति मौजुदा रहनु ।
- घ) कृषिजन्य वस्तुहरूको उत्पादन र वितरणलाई लागत-प्रभावी बनाउन नसक्नु ।
- ङ) आधुनिक कृषि प्रविधिमा पर्याप्त पहुँच नहुनु ।
- च) कृषि पेशालाई सम्मानजनक र व्यवसायिक रूपमा स्थापित गर्न नसक्नु ।

३. लक्ष्य

कृषिको आधुनिकीकरण एवम् व्यवसायिकताको विकासद्वारा कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रलाई प्रतिस्पर्धी र आत्मनिर्भर बनाउने ।

४. उद्देश्य

१. कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी गाउँपालिकाको निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।
२. निर्वाहमुखी कृषि प्रणालीलाई दिगो र व्यावसायिक प्रणालीमा रूपान्तरण गर्नु ।
३. जैविक खेतीको प्रवर्द्धनमार्फत कृषि क्षेत्रको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता वृद्धि गरी अर्थतन्त्रमा टेवा पुऱ्याउनु ।
४. पशुपन्छी पालनलाई प्रविधियुक्त र व्यावसायिक बनाई पशुपन्छी जन्य पदार्थको निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।

५. रणनीति

- क) कृषि क्षेत्रको उत्पादकत्व वृद्धि र आधुनिकीकरण गर्ने ।
- ख) तुलनात्मक लाभ हुन सक्ने स्थानीय बालीनाली र आधारभूत खाद्यवस्तुको उपभोगमा आत्मनिर्भरता हासिल गर्ने ।
- ग) जलवायु परिवर्तन र प्रकोपबाट पर्ने नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्दै वातावरणमैत्री कृषि प्रविधिको विकास र विस्तार गर्ने ।
- घ) कृषकलाई पशुपन्छी पालन तथा पशुपन्छीजन्य व्यवसायमा प्रेरित गरी आत्मनिर्भर हुने कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.१ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्म अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०। ८१	२०८१। ८२	२०८२। ८३
कूल भूमिमध्ये कृषि गरिएको भूमि क्षेत्रफल	हेक्टर	३२९०	३२९०.१	३२९०.३	३२९०.४	३२९०.५
कृषि क्षेत्रमा संलग्न कूल जनसंख्या	प्रतिशत	७८	७८	७७	७६	७५
खाद्यान्न बाली औसत उत्पादन (प्रतिहेक्टर)	मे.ट.	७९६८.३	७९६८.३	७९६८.३	७९६८.३	७९६८.३

कूल तरकारी उत्पादन	मे.ट.	१५७१ ५	१५७१५	१५७२५	१५७७५	१५७९०
आफ्नो उत्पादनबाट परिवारलाई १२ महिना खानपुग्ने परिवार	प्रतिशत	१७	२७.१२	२७.५१	३२	४७
आफ्नो उत्पादनबाट परिवारलाई ३ महिनामात्र खानपुग्ने परिवार	प्रतिशत	२७.३०	२३	२१	१९	१५
तरकारी संकलन केन्द्र निर्माण	संख्या	०	३	५	६	७
व्यावसायिक कृषि तथा तरकारी फर्म दर्ता	संख्या	८५	९१	९२	९३	९५

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम (रु. हजारमा)

क्र.सं.	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	३५२५	३३२५	२००	-		५२५	३०००	-
२	२०८१।०८२	३८७८	३६५८	२२०	-		५७८	३३००	-
३	२०८२।०८३	४२६५	४०२३	२४२	-		६३५	३६३०	-
जम्मा		११६६८	११००६	६६२			१७३८	९९३०	

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.३ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र.सं.	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	रैथाने वाली संरक्षण	कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बृद्धि गरी गाउँपालिकाको निर्यात प्रवर्द्धन भएको हुनेछ ।	सालबसाली	१००	बजेट	रैथाने वालीको उत्पादकत्व
२	मसला उद्योग	कृषिमा आधारित उद्योगको स्थापना तथा सञ्चालन भई रोजगारी र आमदानी बृद्धि हुनेछ ।	सालबसाली	१००	बजेट	कृषिमा आधारित उद्योग सञ्चालन

३	कृषि औषधि खरिद	कृषिमा आधारित उद्योगको स्थापना तथा सञ्चालन भई रोजगारी र आम्दानी बृद्धि हुनेछ ।	सालबसाली	१००	वार्षिक बजेट	
४	कृषि शिविर संचालन	कृषिमा आधारित उद्योगको स्थापना तथा सञ्चालन भई रोजगारी र आम्दानी बृद्धि हुनेछ ।	सालबसाली	२००	वार्षिक बजेट	कृषि तालिम प्राप्त जनशक्ति
५	उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार	कृषिमा आधारित उद्योगको स्थापना तथा सञ्चालन भई रोजगारी र आम्दानी बृद्धि हुनेछ ।	सालबसाली	२५	वार्षिक बजेट	
६	एक बाडा एक उत्पादन मसला बाली	कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बृद्धि गरी गाउँपालिकाको निर्यात प्रवर्द्धन भएको हुनेछ ।	सालबसाली	३०००	वार्षिक बजेट	मसला बालीको उत्पादकत्व

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

अपिहिमाल गाउँपालिकालाई कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गरिएपनि यसक्षेत्रमा कृषि कार्यसँगै बालीनालीमा देखापर्ने रोग किराहरुको पूर्वानुमान गर्न नसक्नु तथा जंगली जनावरहरुलाई नियन्त्रण गर्न नसक्नाले पनि कृषि उत्पादन बढाउन सकिएको छैन । त्यसैगरी बजेट अभावका कारण प्राकृतिक मुहानको आवश्यक संरक्षण गर्न आवश्यक पहल गर्न सकिएको छैन ।

३.२ पशुपन्छी विकास

१. पृष्ठभूमि

अपिहिमाल गाउँपालिकाका नागरिकहरुको जीविकोपार्जनको मुख्य स्रोतको रूपमा कृषि व्यवसाय रहेको छ । अझैसम्म पनि परम्परागत पद्धतिमा आधारित यहाँको पशुपालन व्यवसाय निर्वाहमुखी मात्र बनेको छ भने भर्खर मात्र व्यावसायिक रूपमा पशुपालनतर्फ प्रयासहरु शुरु हुन थालेका छन् । अझैपनि व्यवसायिक रूपमा पशुपालन व्यवसायलाई आम्दानीको रूपमा विकास गर्न सकिएको छैन ।

२. समस्या तथा चुनौति

अपिहिमाल गाउँपालिकामा व्यवसायिक पशुपालनको विकास पर्याप्त नहुनु, पशुपालनमा आधुनिक प्रविधिको प्रयोग न्युन हुनु, उत्पादन र पर्याप्त बजारीकरणको अभावले गर्दा कृषि कार्यमा रुची कमी हुँदै जानु, युवा जनशक्ति वैदेशिक रोजगारीमा आकर्षित हुनु, कृषिजन्य जमिन पूर्वाधार तथा बस्ती विकासकालागि प्रयोग हुनु, उन्नत जातका विउ, नस्लको पहुँचको अभाव पनि कृषि तथा पशुपालन विकासका समस्याका रूपमा रहेका छन् ।

चुनौतिहरु

१. पशुपालन व्यवसायतर्फ कृषकहरुलाई आकर्षित गर्न नसक्नु ।
२. पशुपालन व्यवसायमा लगानी आकर्षित गर्न सकिएको छैन ।

३. लक्ष्य

कृषिको आधुनिकीकरण एवम् व्यवसायिकताको विकासद्वारा कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रलाई प्रतिस्पर्धी र आत्मनिर्भर बनाउने ।

४. उद्देश्य

१. पशुपन्छी पालनलाई प्रविधियुक्त र व्यवसायिक बनाई पशुपन्छी जन्य पदार्थको आयात घटाउदै निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।
२. गाउँपालिकालाई कुपोषण मुक्त बनाउनु ।

५. रणनीति

१. कृषकलाई पशुपन्छी पालन तथा पशुपन्छीजन्य व्यवसायमा प्रेरित गरी आत्मनिर्भर हुने कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
२. गाउँपालिका बासीलाई पोषणयुक्त खानेकुरा खान पाउने सुनिश्चितता गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३. ४ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
व्यवसायिक पशुपालन फर्म	सङ्ख्या	३४	५	३४	७	३४
अण्डाको उत्पादकत्व	सङ्ख्या (हजारमा)	०	३	१०००	५	१२००
दुधको उत्पादकत्व	लीटर (हजारमा)	०	५	७२००	६	८०००
मासुको उत्पादकत्व	मेट्रिक टन	०	२८००	२०५	२८१०	२१०
पशु प्राविधिक	जना	०	१५०००	५	१९०००	६

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	५२५	५२५		-		५२५		-
२	२०८१।०८२	५७८	५७८		-		५७८		-
३	२०८२।०८३	६३५	६३५		-	-	६३५		-
जम्मा		१७३८	१७३८				१७३८		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.६ कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	दुध डेरी पसल	व्यवसायिक पशुपालनबाट पशुजन्य पदार्थको आयात अन्त्य भई निर्यात प्रवर्द्धन भएको हुनेछ ।	सालबसाली	१००	बजेट	दुधको उत्पादकत्व
२	मासु पसल		सालबसाली	१००	बजेट	३ वडा मासु पसल स्थापना भएको
३	शिविर संचालन		सालबसाली	१००	वार्षिक बजेट	व्यवसायिक पशुपालन फर्म
४	पशु औषधि खरिद		सालबसाली	२००	वार्षिक बजेट	
५	उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार		सालबसाली	२५	वार्षिक बजेट	

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

आधुनिक तवरबाट पशुपालन व्यवसाय सञ्चालन गर्नका लागि कृषकहरु आकर्षित नहुनु तथा ठुलो लगानि गर्दा बजार अभावका कारणले व्यवसाय फस्टाउनुको साटो घाटा हुने देखिन्छ । त्यसैगरी पशुपालन व्यवसायमा युवा पुस्ताले नयाँ प्रविधिका साथ यस क्षेत्रमा लगानी गर्न मञ्जुर नहुनु पनि यस क्षेत्रमा रहेको समस्या हो ।

३.३ भूमि व्यवस्था र सिँचाई, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था

१. पृष्ठभूमि

सिँचाई र खानेपानीका लागि स्थानीय खोला तथा मूलहरूमा स्रोतहरूमा निर्भर रहेको यो पालिकाका दर्जन बढी सिँचाई आयोजना तथा स्थानीय कुलोहरूबाट सिँचाई सुविधा उपलब्ध भइरहेको छ । अझ पनि उच्च भागका खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन र सिँचाई सुविधा नपुगेका स्थानहरूमा खेतीको लागि आकाशे पानीमा निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता रहेको छ । यहाँका कृषकहरूले धान, गहुँ, मकै, फलफूलका साथै विभिन्न थरिका बेमौसमि तरकारी बालीको पनि उत्पादन गर्ने गरेको पाइन्छ । आवश्यक पूर्वाधार विकासको अभावमा सबै नागरिकले यथोचित रूपमा सिँचाईको लागि पानी व्यवस्थापन गर्न सकिरहेको अवस्था छैन । मानव बस्तीको क्रमिक विकास र जलवायु परिवर्तन तथा विश्व तापमान वृद्धि साथै प्राकृतिक स्रोतको अत्यधिक दोहनका कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने क्रम जारी छ ।

गाउँपालिकाका २९ प्रतिशतको जमिनमा कुनै न कुनै प्रकारको सिँचाइको व्यवस्था भएको देखिन्छ । यस गाउँपालिकाको मुख्य जलाधार क्षेत्र भनेको चौलानी नदी रहेको छ । स—साना खोलाहरू पनि हिमालय क्षेत्रबाट उत्पन्न भएका हुदा मुख्य खोलाहरूमा पानीको मात्रा प्रयाप्त देखिन्छ । चौलानी नदी, गौलागाड, कापुखोला, घट्टेखोला, सेलाखोला, गोथीगाड, भिडखोला, कुरमुल लगायत स्रोतहरूले गाउँपालिकाका विभिन्न जमिनमा सिँचाइको उपलब्धता पुऱ्याएको छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

कृषि योग्य जमिनमा न्यून सिँचाइ सुविधा हुनु, सिँचाइ विकासमा आधुनिक प्रविधि (थोपा सिँचाइ, प्लाष्टिक पोखरी, लिफ्टिङ) को प्रयोगमा कमी हुनु, प्रयाप्त सिँचाइ कुलो र पोखरी गुणस्तरीय तथा पक्की नहुनु, भएका सिँचाइ आयोजनाहरू पनि पूर्ण क्षमतामा प्रयोगमा आउन नसक्नु, मर्मत सम्भारको कमी हुनु, सिँचाइ स्रोत मुहान सुक्दै जानु, जल उत्पन्न प्रकोपले सिँचाइ आयोजनामा क्षति पुग्नु, कृषि प्रणाली र सिँचाइ बीच अन्तरसम्बन्ध स्थापित गर्न नसकिनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू रहेका छन् ।

चुनौती

१. पहाडी र जटिल भू—धरातल भएकाले सिँचाइ योजना निर्माण खर्चिलो र कठिन ।
२. कृषियोग्य जमिनमा सर्वयाम सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउन नसक्नु,
३. कृषि र सिँचाइ बीच अन्तरसम्बन्ध स्थापना नहुनु,
४. सिँचाइ आयोजनाहरू पूर्ण क्षमतामा उपयोग नहुनु,
५. स्थानीय समुदायहरूद्वारा सञ्चालन भईआएका परम्परागत सिँचाइ प्रणालीका कुलाहरूको संरक्षण हुन नसक्नु,
६. सिँचाइ कुलाहरूको मर्मत सम्भारमा लाभग्राही उपभोक्ता समितिहरूलाई जिम्मेवार बनाउन नसक्नु,
७. सहकारी स्थापना अनुदानका लागि मात्र स्थापना भएका आभास हुनु ।
८. सहकारीलाई नियमन तथा व्यवस्थापन गर्न अझै पनि समस्या रहेको छ ।

३. लक्ष्य

सिँचाइ प्रणालीको विकास र जलस्रोतको व्यवस्थापनबाट कृषिजन्य उत्पादनमा वृद्धि गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. परम्परागत सिँचाइ संरचनामा सुधार गर्दै नयाँ वैकल्पिक सिँचाइ स्रोतको पहिचान गर्नु ।
२. कृषियोग्य जमिनमा सिँचाइको पहुँच वृद्धि गर्न दिगो सिँचाइ प्रणालीको विकास तथा व्यवस्थापन गर्नु ।

५. रणनीति

१. परम्परागत सिँचाइ संरचनामा सुधार र व्यवस्थापनबाट खाद्य असुरक्षित क्षेत्रहरूलाई प्राथमिकतामा राखी सिँचाइको पहुँच वृद्धि गर्ने ।
 २. आधारभूत सिँचाइको पहुँच नपुगेका कृषिजन्य क्षेत्रहरूमा वैकल्पिक स्रोतहरूको व्यवस्थापन गरी सिँचाइको पहुँच वृद्धि गर्ने ।
 ३. खेतीयोग्य जमिन भएको तर सिँचाइको पहुँच नपुगेको वा अपर्याप्त भएको क्षेत्रमा प्राथमिकताको आधारमा सिँचाइको पहुँच वृद्धि गरिनेछ ।
 ४. दिगो सिँचाइ प्रणालीको लागि संरचनाको विकास र व्यवस्थापन गर्ने ।
- ङ) जलउत्पन्न प्रकोपको क्षति नियन्त्रण गर्नु ।
- च) सहकारीमार्फत व्यक्तिको आर्थिक वृद्धिमा सहयोग पुऱ्याउने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.७ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई		मध्यमकालीन लक्ष्य
------	------	--	-------------------

		गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
वर्षेभरी सिचाई हुने भूमि	हेक्टर	९३५	९३५	९३६	९४१	९४१
मौषमी सिचाई हुने	हेक्टर	३३९	३३९	३३८	३३७	३३७
जम्मा सिंचित क्षेत्रफल	हेक्टर	१२७४	१४७४	१२७४	१२७८	१२७८
सहकारीमा आवद्ध जनता	प्रतिशत	१३	१७	१७	१७	१७

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०७९।०८ ०	२५००	५००	२०००	-	-	२०००	५००	-
२	२०८०।०८ १	४०००	५००	३५००	-	-	४०००	-	-
३	२०८१।८२	५०००	५००	४५००	-	-	५०००	-	-
	जम्मा	११५००	१५००	१००००			११०००	५००	

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.९ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	भूमि व्यवस्थापनका लागि जग्गा वर्गीकरण तथा किताकाट	जग्गाको वर्गीकरण	२०७९।०८ ०	१७००	भूउपयोग ऐन नियमावली	जग्गा वर्गीकरण भएको हुने
२	सिचाई कुलो निर्माण तथा मर्मत	खेतीयोग्य जमिन सिचाई गर्न	सालबसाली	५८००	बजेट तथा कार्यक्रम	कुलो निर्माण भएको हुने
३	लिफ्ट सिचाई निर्माण सकायल	कृषि भूमि सिंचित गर्नु र कृषि उत्पादन बढाउनु	२०८१।०८ २	३४००	५ वर्षे उर्जा योजना	१ वटा लिफ्ट सिचाई बनेको हुने

४	पालिकाभित्रका वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको नियमन तथा व्यवस्थापन	वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको अभिलेख व्यवस्थापन गर्ने	सालबसाली	६००	वार्षिक नीति कार्यक्रम	वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको अभिलेख व्यवस्थापन भएको
५	भूमि व्यवस्था तथा सिचाई सम्बन्धी व्यवस्थापन तथा नियमन	भूमि तथा सिचाई मर्मत कार्य गर्न	सालबसाली	२४००	वार्षिक बजेट	भूमि तथा सिचाई सम्बन्धी कार्य भएको

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

वर्षेनी आउने बाढी तथा पहिरोले सिचाई योजनाका संरचनाहरू विग्रिने र त्यसैमा मात्र बजेट विनियोजन हुने र लिफ्ट सिँचाई योजनाहरूका लागि अन्य दातृनिकायसँग सहकार्य गर्नुपर्ने भएकाले दातृ निकायसँग सहकार्य नभएमा सो योजना कार्यान्वयनमा जोखिम देखिन्छ । सहकारीलाई व्यवस्थित गर्नका लागि सहकारी ऐनको व्यवस्थाले पनि जोखिम छ ।

३.४ उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय

१. पृष्ठभूमि

उद्योग तथा वाणिज्य क्षेत्र अपिहिमाल गाउँपालिकाको अर्थतन्त्रको महत्वपूर्ण आधार हो । नेपालको संविधानले तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान गरी उद्योगको विकास र विस्तार गर्ने, स्वदेशी लगानीलाई प्रोत्साहन गर्ने, वैदेशिक पुंजी आकर्षित गर्ने, औद्योगिक पूर्वाधार निर्माण गर्ने, स्थानीय श्रम सिपको उपयोग गर्ने, व्यापारिक स्वच्छता र अनुशासन कायम राख्दै उपभोक्ता हित संरक्षण गर्ने आदि नीति लिएको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले लघु, घरेलु र साना उद्योगको दर्ता, नवीकरण, खारेजी, नियमन, प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन एवं उद्यमशिलता विकास र प्रवर्द्धनको अधिकार दिएको छ । साथै स्थानीय सेवाको व्यवस्थापन, स्थानीय बजार व्यवस्थापन आदि कुराहरू स्थानीय सरकारको कार्यक्षेत्रमा पर्दछन् । विकासको संरचना र प्रविधिहरूमा आएका प्रगतिहरूले गाउँपालिकाका कुनै पनि बस्तीहरू बाह्य क्षेत्र वा बजारबाट हुने आयात निर्यातबाट अलग रहन सकेको अवस्था छैन ।

गाउँपालिकामा साना ठूला गरी करीव ७८ जति साना व्यापार व्यवसाय रहेका छन् । अपिहिमाल गाउँपालिकामा खड्गेश्वरी, मकरीगाड, धुसा र पाथा लगायतका साना ठूला प्रमुख व्यापारिक बजार केन्द्रहरू रहेका छन् । स्थानीय स्तरमा उत्पादन हुने खाद्य तथा कच्चा पदार्थको बजार मुलत लाटिनाथ र गोकुलेश्वर बजार क्षेत्र नै हुन् । अमिलो, कागती, सिमी, ताजा तरकारी र विभिन्न जडिबुटीहरू यहाँबाट निर्यात हुने गरेको छ । भौगोलिक हिसाबबाट विविधता रहेको यस पालिका भित्र खाद्यान्नको विनिमयमा एक आपसमा आश्रित रहेको अवस्था छ । मुख्य रूपमा लताकपडा, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार तथा यातायातका साधनहरू र कृषि तथा पशुपन्छिका लागि चाहिने मल, विषादि, दाना र औषधिहरू नै पालिका भित्र आपूर्ति हुने प्रमुख वस्तुहरू हुन् । विगतका तथ्याङ्कलाई हेर्दा गाउँपालिकाको वित्तीय संचिति ऋणात्मक देखिन्छ । आयातलाई निर्यातले प्रतिस्थापन गर्न पालिका भित्र वस्तुहरूको उत्पादन र विविधिकरण गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

यस गाउँपालिका क्षेत्र भित्र उद्योग सम्बन्धी जानकारीको अभाव, घरेलु उद्योग सम्बन्धी तालिम पर्याप्त नहुनु, उद्योग संचालनका लागि पर्याप्त लगानीको व्यवस्था नहुनु, दक्ष जनशक्तिको उपलब्धता स्थानीयस्तरमा नहुनु जस्ता प्रमुख समस्याहरू रहेका छन् । साथै उत्पादन भएता पनि बाँसबाट सामग्री निर्माण गर्ने सीपको कमी रहेको देखिन्छ भने यसका अतिरिक्त अन्य उत्पादनमा समेत उत्पादनमुखी बजारको व्यवस्थापन नहुनु, व्यावसायिक सुचना केन्द्रको कमी जस्ता पक्षपनि उद्योग व्यवसाय विकासको प्रमुख समस्याको रूपमा रहेको छ ।

चुनौती

ग्रामीण क्षेत्रको वित्तिय स्रोत पुनः शहर तर्फ फर्किदा ग्रामीण क्षेत्र उत्पादन स्थलबाट उपभोग गर्ने बजारका रूपमा रूपान्तरण हुनु रहेको छ । निर्यात वृद्धि गर्न ग्रामीण क्षेत्र हुने उत्पादनका क्षेत्र र परिमाणमा वृद्धि गर्न लगानी गर्ने स्रोतको व्यवस्था गर्नु चुनौती रहेको छ । कच्चा पदार्थ उत्पादनमा आवश्यक सिप, ज्ञान, बजार सुचना र ढुवानीलाई अर्को चुनौतीका रूपमा लिइएको छ ।

३. लक्ष्य

स्थानीय कच्चा पदार्थ र सीपमा आधारित उद्योग व्यवसायको सिर्जना, विकास तथा औद्योगिक उत्पादनमा वृद्धि गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. गाउँपालिका भित्रको आपूर्ति प्रणालीलाई प्रभावकारी एवम् दिगो बनाउनु ।
२. स्थानीय स्रोत, कच्चा पदार्थ, सीप र साधनको अधिकतम परिचालन गर्नु ।
३. उत्पादित वस्तुहरूको बिक्री वितरणकालागि बजार व्यवस्थापन गर्नु ।
४. वाणिज्य क्षेत्रलाई स्थानीय अर्थतन्त्रको महत्वपूर्ण अङ्गको रूपमा विकास गर्नु ।

५. रणनीति

१. अत्यावश्यक सामग्रीहरूको सहज आपूर्तिको सुनिश्चितता गर्ने ।
२. स्थानीय स्रोतमा आधारित कच्चा पदार्थको प्रशोधन गर्न तथा उद्योग सञ्चालन गर्न सहजिकरण एवम् प्रोत्साहन गर्ने ।
३. स्थानीय उत्पादनलाई गुणस्तरीयता सुनिश्चित गर्दै औद्योगिक वस्तुको बजारीकरण गर्ने ।
४. तुलनात्मक लाभका वस्तु तथा सेवाहरूको पहिचान गरी निर्यातयोग्य हुने वस्तु तथा सेवाको उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्न आवश्यक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.१० विषय क्षेत्र नतिजा सूचक

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
दर्ता भएका उद्योग व्यवसाय	संख्या	९०	१७५	२५५	३३५	४१५
उद्योग व्यवसायबाट सिर्जित रोजगारी	संख्या	५०	१००	१४०	१८०	२२०
व्यवसायिक क्षेत्रको वार्षिक उत्पादनको हिस्सा	रु हजारमा	०	२३३८००	२३३८१०	२३३८२०	२३३८५०
साझा सुविधा केन्द्र निर्माण	संख्या	०	०	१	-	-

विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०७९।०८०	३७००	२३००	१४००	-	२००	३५००	-	-
२	२०८०।०८१	४२००	२५००	१७००	-	-	३६००	६००	-
३	२०८१।८२	५१००	३०००	२१००	-	५००	३६००	१०००	-
जम्मा		१३०००	७८००	५२००		७००	१०७००	१६००	

७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	लघुउद्यम कार्यक्रम व्यवस्थापन	उद्यमी पहिचान गर्ने	सालबसाली	५००	बजेट	कार्यक्रम सञ्चालन भएको
२	गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम संचालन निर्देशिका, २०७७ बमोजिम लघु उद्यम विकास मोडेलमा नयाँ लघु उद्यमी सिर्जना गर्ने	उद्यमी पहिचान गर्ने	सालबसाली	९२०	बजेट	कार्यक्रम सञ्चालन भएको
३	गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम संचालन निर्देशिका, २०७७ बमोजिम उद्यमीको स्तरोन्नति (आवश्यकता पहिचानका आधारमा पुनर्ताजगी र एडभान्स सीप विकास तालिम कार्यक्रम)	उद्योगहरूको व्यवस्थित अभिलेख तथा नियमनका लगायतका अन्य कार्य गर्न	सालबसाली	२४०	वार्षिक बजेट	अभिलेख व्यवस्थापन

८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

उद्यम विकासको सम्भावना हुँदा हुँदै पनि यस क्षेत्रमा उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म पुऱ्याउनुका साथै बढ्दो प्रतिस्पर्धी बजारका अगाडि लघु उद्यमबाट उत्पादित वस्तुले बजारमा टिक्न नसक्ने देखिन्छ । त्यसैगरी यहाँ उद्योगका लागि पर्याप्त लगानी गरी व्यवसाय सञ्चालन गर्न नसक्ने देखिन्छ ।

३.५ पर्यटन तथा सांस्कृति

१. पृष्ठभूमि

अपिहिमाल गाउँपालिका धार्मिक—सांस्कृतिक तथा जैविक विविधताको धनी, प्राकृतिक स्रोतको खानी र मनोरम सौन्दर्य स्थलको धनी छ । यस क्षेत्रमा पाइने जैविक विविधता, विविध सांस्कृतिक सम्पदा र प्राकृतिक मनोरम सुन्दरताले यस गाउँपालिकाको महत्त्वलाई झनै बढाएको छ । मनोरम पहाड तथा हिमालको दृश्य, विभिन्न प्रजातिको गुराँस सहितको हरियो वनजङ्गल, डाँडाकाँडाबाट देखिने आकर्षक दृश्य, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक धरोहर, प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा, रीतिरिवाज, भेषभूषा, कलाकौशल र शान्त एवम् स्वच्छ वातावरण नै यस क्षेत्रको पर्यटनका सम्भावित क्षेत्रहरू हुन् ।

भाषा, संस्कृति र ललितकलाको संरक्षण र विकास सम्बन्धी स्थानीयस्तरको नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन र नियमन, पुरातत्व, प्राचीन स्मारक तथा संग्रहालयको संरक्षण, सम्भार, प्रवर्द्धन र विकास, परम्परागत जात्रा तथा पर्वको सञ्चालन र व्यवस्थापन, प्रचलित कानुन विरुद्धका कुरीति तथा कुसंस्कार विरुद्ध सामाजिक परिचालन सम्बन्धी कार्य, भाषा, संस्कृति र ललितकलाको संरक्षण र विकास सम्बन्धी अन्य कार्यलाई स्थानीय सरकारको कार्यक्षेत्रका रूपमा उल्लेख गरेको छ । विभिन्न जात जाति, भाषाभाषीको मौलिक एवम् परम्परागत संस्कृतिको जगेर्नाका साथै भावी पुस्तालाई समयानुकूल हस्तान्तरण गर्नु आवश्यक छ भने पुरातात्विक र ऐतिहासिक सम्पदाको संरक्षण र संवर्द्धन गर्न पनि उत्तिकै जरुरी छ । साथै यसबाट धार्मिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्दै आर्थिक उत्थान पनि गर्न सकिन्छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

धार्मिक स्थलहरूको मर्मत सम्भार, पर्यटकीय स्थलको पहिचान र प्रचार प्रसारमा कमी, पर्यटक स्तरका होटल तथा रेष्टुराँहरू संचालनमा कमी, आधुनिक तथा आयातित संस्कृतिको बढ्दो प्रभाव रहेको एवं व्यावसायिक होमस्टे समेत प्रयाप्त नरहेको अवस्था छ । यसैगरी, पर्यटकीय स्थलहरूमा मोटरवल बाटो पुग्न सकेको छैन । पर्यटन पदमार्गको मर्मत र नयाँ पदमार्ग निर्माण हुन सकेको छैन । गाउँपालिका भित्र बाह्य संस्कृतिको प्रभावका कारण मौलिक भेषभूषा, भाषा तथा संस्कृतिको हास हुँदै गएको छ । यस क्षेत्रमा रहेका ऐतिहासिक सम्पदा र भाषा तथा संस्कृतिको संरक्षण र सम्बर्द्धनमा पर्याप्त ध्यान पुगेको छैन । पश्चिमी तथा आधुनिक संस्कृतिको प्रभाव रहेको छ । मौलिक सांस्कृतिक अभ्यास र मौलिक ज्ञानको संरक्षणमा कमी रहेको छ ।

पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्ने जैविक विविधता कायम गर्नु, लालिगुराँस लगायतका विरुवाको संरक्षण गर्नु, पर्यटकीय पदमार्गमा होटल, खाजा पसलहरू सञ्चालन गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेका छन् । त्यसैगरी, भौगोलिक विकटताका कारण पर्यटकीय पूर्वाधार विकास खर्चिलो हुनु, युवावर्ग विदेश जाने क्रम अत्यधिक हुँदा पर्यटन विकासका लागि आवश्यक मानव स्रोत संसाधन व्यवस्थापन गर्न गाह्रो हुनु, ठूला योजनामा लगानी गर्न स्थानीय निजी क्षेत्र सक्षम नहुँदा पर्यटकीय पूर्वाधार विकास अपुरो हुने अवस्था सृजना हुनु गाउँपालिकाका पर्यटन पूर्वाधार विकासका चुनौतीहरू हुन् । ।

३. लक्ष्य

ऐतिहासिक सम्पदा तथा मौलिक कला संस्कृतिहरूको जगेर्ना गर्दै अपिहिमाललाई आकर्षक र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्यका रूपमा विकास गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. पर्यटन व्यवसायको गुणस्तर वृद्धि तथा पर्यटकीय स्थलको प्रचार-प्रसार गर्नु ।

२. पर्यटकीय पूर्वाधारहरूको विकास गर्नु ।
३. मानव संसाधन विकास गर्नु ।
४. पर्यटकीय स्रोतसाधनको व्यवस्थापन गर्नु ।
५. विभिन्न धर्म, भाषा, संस्कृति, कला, साहित्य र परम्पराको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्नु ।
६. विभिन्न ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक र सांस्कृतिक सम्पदाको पुनःनिर्माण, जीर्णोद्धार र व्यवस्थापन गर्नु ।

५. रणनीति

१. गाउँपालिकामा सञ्चालनमा रहेका होटेल र चियापसलहरूको सेवाको स्तरोन्नति गर्ने ।
२. पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचारप्रसार गर्ने ।
३. पर्यटन क्षेत्रको विकासकालागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको विकास गर्ने ।
४. पुरातात्विक एवम् मौलिक सम्पदा, जातीय संस्कृति र गुठीहरूको संरक्षण, संवर्धन र अभिलेखीकरण गर्न संस्थागत संरचनाको निर्माण र परिचालन गर्ने ।
५. जीर्ण अवस्थामा रहेका ऐतिहासिक, पुरातात्विक तथा सांस्कृतिक महत्त्वका सम्पदाहरूको पहिचान गरी तिनीहरूको जीर्णोद्धार, संरक्षण र विकास गर्ने ।
६. भौतिक एवम् अभौतिक संस्कृतिको संरक्षण गर्न सांस्कृतिक प्रोफाइल तयार गरी अद्यावधिक गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तलिका ३.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८ १	२०८१।८ २	२०८२।८ ३
व्यवस्थित धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थल	संख्या	५	५	१५	१८	२०
वार्षिक पर्यटक घुम्न आउने	संख्या	०	५७५	६००	६५०	७००
पर्यटकको औसत बसाई	दिन	१	१	२	३	३

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र. सं.	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	७०००	६०००	१०००	-		७०००		-
२	२०८१।०८२	७७००	६६००	११००	-		७७००		-
३	२०८२।०८३	८४७०	७२६०	१२१०	-		८४७०		-

जम्मा	२३१७०	१९८६०	३३१०			२३१७०		
-------	-------	-------	------	--	--	-------	--	--

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	भ्रमण वर्ष २०८० संचालन	गाउँपालिका एउटा आकर्षक र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्यका रूपमा स्थापित भएको हुनेछ ।	सालबसाली	५००	बजेट	पर्यटक सङ्ख्यामा वृद्धि दर (आन्तरिक तथा बाह्य)
२	चमेलिया नदी स्वच्छता अभियान		सालबसाली	२००	बजेट	
३	पर्यटन नक्सांकन तथा योजना निर्माण	पर्यटन व्यवसायको गुणस्तर वृद्धि भई पर्यटकीय स्थलको प्रचार-प्रसार भएको हुनेछ ।	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	पर्यटन सुचना केन्द्र स्थापना
४	प्राचिन स्याउजे मन्दिर पूर्णमाण	आधारभूत पर्यटकीय पूर्वाधारहरूको विकास भएको हुनेछ ।	सालबसाली	१०००	वार्षिक बजेट	भौतिक संरचना निर्माण तथा स्तरोन्नति
५	डकुमेन्ट्री निर्माण	गाउँपालिका एउटा आकर्षक र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्यका रूपमा स्थापित भएको हुनेछ ।	सालबसाली	१०००	वार्षिक बजेट	पर्यटन व्यवसायबाट प्रत्यक्ष रोजगारी पाउने
६	भाषा तथा संस्कृती संरक्षण	छेत्तेली खुन भाषाको संरक्षण तथा पुनःउत्थान		३००		
७	जात्रा व्यवस्थापन			५००		
८	पर्यटन बोर्ड साझेदारी समपुरक			३०००		

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

धार्मिक क्षेत्र थुप्रै भएकाले सबै क्षेत्रको संरक्षणमा ध्यान दिनका लागि पर्याप्त बजेटको अभाव हुन सक्छ । पहिचान गरिएका पर्यटकीय क्षेत्रको विकास गरेमा पनि पर्यटकलाई यस क्षेत्रमा भित्र्याउन नसकेमा लगानी खेर जाने र संरक्षणको अभावमा जीर्ण हुने जोखिम रहन्छ ।

३.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण

१. पृष्ठभूमि

श्रम तथा रोजगारीलाई सुरक्षित, व्यवस्थित एवं उपलब्धिमूलक बनाउन र रोजगारबाट प्राप्त ज्ञान, सीप, पूँजी तथा अनुभवलाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा परिचालनका लागि प्रोत्साहन गर्न सुरक्षित रोजगारीको सवाललाई गाउँपालिकाले आफ्नो योजनामा समेट्न आवश्यक रहेको छ । गाउँपालिका भित्र कुल जनसङ्ख्याको आधा भन्दा बढी आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्या रहेका छन् । आर्थिक रूपमा सक्रिय जनशक्तिलाई स्थानीय स्तरमा पर्याप्त रोजगारीको अवसर प्राप्त नहुँदा यस पालिकाबाट वैदेशिक रोजगारमा जाने प्रवृत्ति बढ्दो छ । यस गाउँपालिकाको कुल घरधुरी मध्ये करिब ७ प्रतिशत मानिसहरू वैदेशिक रोजगारीमा गएका छन् । गाउँपालिकाको क्षेत्रका कूल १३६३ घरपरिवार मध्ये परिवारका कुनै एक सदस्य वैदेशिक रोजगारीमा गएका घरपरिवारको अनुपात करिब २५ प्रतिशत रहेको छ । वैदेशिक रोजगारमा गएका व्यक्तिहरूले वार्षिक रूपमा करिब २५ करोड रूपैयाँ भन्दा बढी विप्रेषण पालिकामा भित्राउने गरेको देखिन्छ । गाउँपालिकामा करिब १८ प्रतिशत जनसङ्ख्या बेरोजगार छन् ।

२. समस्या तथा चुनौति

स्वदेशमा सीमित रोजगारी अवसर, युवा जनशक्तिको बढ्दो आकार, परम्परागत जीवन प्रणालीमा युवाहरूको घट्दो रुचि लगायतका कारणले नेपाली युवाहरू वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम बढ्दो छ । जसले अल्पकालीन रूपमा बेरोजगारीको समस्या न्यूनीकरण गर्न मद्दत पुग्नुका साथै प्राप्त विप्रेषणले मुलुकको अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउन महत्वपूर्ण योगदान गरिरहेको छ । रोजगारीका कारण बढ्दो बसाईसराई र वैदेशिक रोजगारीमा जाने प्रवृत्तिले स्थानीय स्तरमा जनशक्तिको कमी, पारिवारिक र सामाजिक समस्या र परनिर्भरता बढिरहेको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा बढी रहेको विप्रेषण आयको उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उपयोग हुन नसक्दा उपभोग बढ्दो छ ।

संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षणका कार्यक्रम कार्यान्वयनमा जटिलताले कार्यक्रमहरू एकीकृत रूपमा सञ्चालन हुन नसक्नु, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सम्बन्धी खण्डीकृत तथ्याङ्क नहुनु यस क्षेत्रका केही समस्याहरू हुन् । अन्तराष्ट्रिय बजारसँग प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने दक्ष जनशक्तिको विकास गरी वैदेशिक रोजगारमा पठाउन नसक्नु, वैदेशिक रोजगारको क्षेत्रमा ठगी लगायतका घटनाहरू बढ्नु, पारिवारिक तथा सामाजिक पुनः एकीकरणका सवालहरू सम्बोधन नहुनु, वैदेशिक रोजगारको दिगो विकल्प दिनु नसक्नु आदि गाउँपालिकाको लागि चुनौतीका रूपमा देखिन्छ । त्यसैगरी, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सेवाको एकीकृत सूचना प्रणालीलाई कार्यान्वयनमा ल्याउनु, एकीकृत तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्नु, सामाजिक सुरक्षाको दायरामा क्रमशः वृद्धि गरी स्रोतको दिगोपना र न्यायपूर्ण वितरण गर्नु सामाजिक सुरक्षाको क्षेत्रका विद्यमान चुनौतीहरू हुन् ।

३. लक्ष्य

रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गरी समावेशी सामाजिक सुरक्षा र संरक्षण प्रणाली मार्फत कल्याणकारी पालिकाको रूपमा स्थापित गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. वैदेशिक रोजगारमा संलग्न व्यक्ति तथा तिनका परिवारले वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त आर्थिक लाभमा वृद्धि गर्नु ।
२. सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरूमा समाजका लक्षित वर्गको पहुँच सुनिश्चित गर्दै सुरक्षित र सम्मानजनक जीवनयापनका लागि सेवा सुविधाहरूको विस्तार गर्नु ।

५. रणनीति

१. वैदेशिक रोजगारमा संलग्न व्यक्ति तथा तिनका परिवारले वैदेशिक रोजगारबाट आर्थिक लाभ वृद्धि गर्नु का साथै वैदेशिक रोजगारबाट उत्पन्न नकारात्मक प्रभावहरू न्यूनीकरण गर्ने ।

२. लक्षित वर्गको पहिचान गरी सुदृढ सामाजिक सुरक्षा प्रणालीको विकास गर्ने ।
३. सुरक्षित, मर्यादित र सभ्य समाज निर्माण गर्ने ।

६. विषयक्षेत्र नतिजा सूचक

तालिका ३.१६ विषय क्षेत्र नतिजा सूचक

\	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
रोजगारीमा जम्मा कार्यदिन	दिन	१००	१००	११०	१२०	१५०
मौसमी रोजगारी सिर्जना १०० दिन	जना	६३४	१५७०	२६९१	४०३६	५६१७
प्रतिव्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन	के जी	४६	४६.३७	४६.९१	४६.९९	४७

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.१७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	५५००	३०००	२५००	-		५५००		-
२	२०८१।०८२	६०५०	३३००	२७५०	-		६०५०		-
३	२०८२।०८३	६६५५	३६३०	३०२५	-		६६५५		-
जम्मा		१८२०५	९९३०	८२७५			१८२०५		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	यूवा स्वरोजगार कोष सँगको समपुरक		सालबसाली	३०००	बजेट	
२	अध्यक्ष स्वरोजगार कार्यक्रम	रोजगारी सिर्जना	सालबसाली	२५००	बजेट	१०० जनलाई रोजगारी प्रदान हुने

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

ग्रामिण क्षेत्र भएकाले रोजगारीका क्षेत्र पहिचान गर्नमा समस्या देखिन्छ । बेरोजगारी महिलाहरूको संख्या बढी हुने भएकाले सबैलाई १०० दिन बराबर रोजगारी प्रदान गर्ने जोखिम रहन्छ भने १०० दिन बाहेक अन्य दिनहरूमा बेरोजगार हुने अवस्था रहनाले यसको प्राभावकारितामा जोखिम रहन्छ ।

परिच्छेद चारः सामाजिक विकास क्षेत्र

४.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण

१. पृष्ठभूमि

स्वास्थ्य एक आधारभूत आवश्यकता भएकाले संविधानले स्वास्थ्य सेवा निशुल्क प्राप्त गर्ने हक सुनिश्चित गरेको छ । आधारभूत स्वास्थ्य र सरसफाइका साथै पोषण सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड, योजनाको तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा नियमन गर्ने अधिकार संविधान तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले स्थानीय तहलाई प्रदान गरेको छ । त्यसै अनुरूप दिगो विकासका लक्ष्य ३ तथा “सुलभ स्वास्थ्य सेवा स्वस्थ नागरिक” को उद्देश्य पुरा गर्न अपिहिमाल गाउँपालिकाले यस आवधिक योजना अनुसारको मध्यमकालीन खर्च संरचनामा स्वास्थ्य र पोषण सम्बन्धी व्यवस्था गरेको छ ।

आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई चुस्त दुरुस्त राख्न गाउँपालिका क्षेत्रभित्र २ वटा स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा आधारभूत स्वास्थ्य इकाई एवं सेवा केन्द्र, ६ वटा बर्थिंग सेन्टर, १ आयुर्वेद औषधालय, १ वटा निजी क्लिनिक र २३ जना सक्रिय महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका रहेका छन् । मुख्य रूपले यस गाउँपालिकामा झाडापखाला, रुघाखोकी, ज्वरो, टाईफाइड, ग्यास्ट्रिक तथा निमोनिया लगायतका रोगहरू बढी मात्रामा लागेको देखिन्छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

स्वास्थ्य चौकीका पूर्वाधार अपर्याप्त अवस्थामा रहेको, पर्याप्त उपकरण र औषधीहरू उपलब्ध नभएको, भवन सबैलाई पायक पर्ने ठाउँमा नभएको, जनशक्तिको अभावमा पर्याप्त बर्थिंग सेन्टर सञ्चालन गर्न नसकिएको, सामान्य उपचार बाहेक जटिल स्वास्थ्य समस्याहरूमा उपचार सुविधा उपलब्ध हुन नसकेको पाइन्छ । साथै सन् तथा नसर्ने रोगहरू, कुपोषण, दुर्घटना तथा विपदजन्य स्वास्थ्य समस्याहरू विद्यमान रहनु, विश्वव्यापीकरणसँगै खानपान तथा जीवन शैलीमा आएको परिवर्तनले नसर्ने रोगहरूको भार तथा मानसिक समस्याहरू बढ्दै जानु जस्ता समस्याहरू पनि रहेका छन् ।

विद्यमान भौतिक संरचनाबाट सेवा प्रवाह गर्न कठिनाई हुनु, रोगको निदान गर्नकोलागि न्युनतम उपकरण र सुविधाहरू उपलब्ध गराउन नसक्नु, बजेट र जनशक्तिको अभावमा पायक पर्ने स्थानमा स्वास्थ्य चौकीका शाखाहरू, बर्थिंग सेन्टर लगायत घुम्ती स्वास्थ्यसेवा दिन नसक्नु, आवश्यकता अनुसार जनशक्ति र औषधीहरूको आपूर्ति बढाउन नसक्नु, भौगोलिक बिकटताले अपाङ्ग, वृद्ध, वृद्धालाई सहज पहुँच पुऱ्याउन नसक्नु, बदलिँदो अस्वस्थकर जीवनशैली तथा आहार-व्यवहारको अभ्यास रहनु जस्ता चुनौतीहरू विद्यमान छन् ।

३. लक्ष्य

स्वास्थ्य संस्थाहरूको भौतिक संरचना निर्माण गरी सेवा प्रवाहको क्षमतामा वृद्धि गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. सबै नागरिकहरूको आधारभूत तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा समतामूलक पहुँच अभिवृद्धि गराउनु ।
२. स्वस्थ जनशक्ति तयार गर्न तथा रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढाउन गुणस्तरीय र पोषणयुक्त खाद्य सामग्रीमा पहुँच बढाउनु ।
३. स्वास्थ्य क्षेत्रमा थप लगानी वातावरण सिर्जना गरी स्वास्थ्य सेवा सुधार गर्नु ।
४. गाउँपालिकालाई कुपोषण मुक्त बनाउनु ।

५. रणनीति

१. गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सबैको सहज पहुँच हुने गरी प्रभावकारी रूपमा सेवा उपलब्ध गर्ने ।
२. पालिका मातहतका स्वास्थ्य संस्थाहरूमा तोकिएका सङ्ख्यामा स्वीकृत जनशक्ति व्यवस्थापन गरी सेवा प्रवाहको क्षमता र पहुँच विस्तार गर्ने ।
३. पोषणयुक्त खानेकुराको बारेमा चेतना बढाउँदै यस सम्बन्धी सेवाको पहुँच सबै बस्तीसम्म पुऱ्याउने ।
४. मातृ तथा नवजात शिशु मृत्युदर, शिशु मृत्युदर र बाल मृत्युदर घटाउने र औसत आयु बढाउने ।

५. स्वास्थ्य क्षेत्रमा निजी, सहकारी तथा गैरसरकारी क्षेत्रको संलग्नता वृद्धि गरी ती क्षेत्रहरूबाट हुने लगानीलाई व्यवस्थित गर्ने ।
६. अपहिमाल गाउँपालिका क्षेत्रमा उपलब्ध जडीबुटीको व्यवस्थापन र उपयोग गर्दै आयुर्वेद चिकित्सा प्रणालीको विकास विकास गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आव सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष		६८	६८	६९	७०
३० मिनेटसम्मको दुरीमा स्वास्थ्य सेवामा पहुँच रहेका परिवार	प्रतिशत		८०	८०	१००	१००
प्राथमिक उपचार केन्द्र	सङ्ख्या		०	१	२	२
अस्पताल	सङ्ख्या		०	०	१	१
बेड	सङ्ख्या		०	०	१५	१५
हेल्थ पोष्ट	सङ्ख्या		२	२	५	५
स्वास्थ्य एकाई	सङ्ख्या		४	४	४	४
विशेषज्ञ चिकित्सक	सङ्ख्या		०	०	२	२
मध्यम स्तरको स्वास्थ्य कार्यकर्ता	सङ्ख्या		२२	२२	२५	३५
संस्थागत सुत्केरी सेवाको दायरा	प्रतिशत		८०	८०	१००	१००
दक्ष स्वास्थ्यकर्मीबाट प्रसुति सेवा लिएका महिला	प्रतिशत		२५	३०	४०	७०
बर्थिङ सेन्टर	सङ्ख्या		६	६	९	९
गर्भावस्थाको परीक्षण दर	प्रतिशत		५०	८०	९५	१००
५ वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	दर		०	०	०	०
शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	दर		०	०	०	०
नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	दर		१	०	०	०
पूर्ण खोप	प्रतिशत		१००	१००	१००	१००
भिटामिन ए खाने बालबालिका	प्रतिशत		१००	१००	१००	१००
झाडा पखालाको संक्रमण दर	प्रतिशत		३	३	१	०
महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका	सङ्ख्या		२३	२३	३०	३०

सामान्य स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध भएका भवन	सङ्ख्या		६	सबै स्वास्थ्य संस्थामा		
आधुनिक उपकरण सहितका स्वास्थ्य भवन	सङ्ख्या		०	४	६	६
आधारभूत सुविधा सहितका स्वास्थ्य संस्था	सङ्ख्या		६	४	६	६
परिवार नियोजनको साधन प्रयोग गर्ने दम्पति	प्रतिशत		४५	४५	५२	६८
सवारी साधन युक्त स्वास्थ्य संस्था	सङ्ख्या		०	०	०	१
स्वास्थ्य बीमा गर्ने परिवार	प्रतिशत		५	५	१७	२५
एम्बुलेन्स सञ्चालन	सङ्ख्या		१	१	१	२
पालिका मार्फत निशुल्क उपलब्ध भएको औषधी	सङ्ख्या		४२	९२	९२	९२
एच आईभि एड्स रोकथामबारे जानकारी प्राप्त प्रजननयोग्य उमेरका महिला	प्रतिशत		६०	६०	८५	१००
स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	सङ्ख्या		२	२	२	२
घुमन्ते स्वास्थ्य सेवा	पटक		४	२	२	२
दक्ष स्वास्थ्य सेवा तालिम	सङ्ख्या		०	१	१	१
प्रयोगशाला शुरु भएका स्वास्थ्य संस्था	सङ्ख्या		३	३	६	६
कुपोषण प्रभावित जनसङ्ख्या	प्रतिशत		१५	५	१	०
आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार	प्रतिशत		२०	३०	३५	५०
सुत्केरी -स्याहार भत्ता पाउने महिला	सङ्ख्या		NA	सुत्केरी स्याहार भत्ता पउनु पर्ने सबै महिला		
करेसावारी भएको घरपरिवार	प्रतिशत		८५	८५	९०	१००
आफ्नो उत्पादनबाट वर्षभरी खान पुग्ने घरधुरी	प्रतिशत		३	५	१०	१५
प्रतिव्यक्ति खाद्य उत्पादन	किलोग्राम		४५	४५	५५	६०
कम्तिमा एक गाई/भैँसी भएको परिवार	प्रतिशत		६५	७५	७७	८०
कम्तिमा एक मासुजन्य पशुपंक्षी पाल्ने घर परिवार	प्रतिशत		७०	७१	७५	८०
उच्च खाद्य असुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार	प्रतिशत		६२	६०	५०	३०

उपभोगको दुइ तिहाई खानामा खर्च गर्ने जनसङ्ख्या	प्रतिशत		७८	७५	६०	४५
---	---------	--	----	----	----	----

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	३१७००	३१७००		-		३१७००		-
२	२०८१।०८२	३४८७०	३४८७०		-		३४८७०		-
३	२०८२।०८३	३८३५७	३८३५७		-		३८३५७		-
जम्मा		१०४९२७	१०४९२७						

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	शिविर संचालन/टेली हेल्थ/टेली मेडिसिन	स्वास्थ्य संस्था मार्फत सञ्चालन हुने सबै प्रकारका सेवा विस्तार गर्न	सालबसाली	८००	बजेट	स्वास्थ्यमा उल्लेख्य सुधार भई स्वस्थ जीवन यापनमा सहयोग पुगेको
२	एकीकृत पोषण तथा सरसफाई		सालबसाली	३००	बजेट	
३	नसर्ने रोगको स्क्रिनिङ		सालबसाली	२००	वार्षिक बजेट	
४	औषधि खरिद		सालबसाली	२००	वार्षिक बजेट	
५	अतिआवश्यक आयुर्वेद औषधि खरिद		सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	

६	स्वास्थ्य ससर्त कार्यक्रम		२९७००	ससर्त अनुदान	
---	---------------------------	--	-------	--------------	--

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको कार्यक्रमका लागि विनियोजन भएको बजेट सशर्त कार्यक्रम भएको र स्वास्थ्य निर्देशिका अनुरूप भएकाले यसको बजेट विनियोजन नभएमा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा समस्या देखिन्छ । कार्यक्रम अनुरूप विशेष कार्यविधि तथा थप बजेट नभएमा कार्यान्वयनमा जोखिम रहन्छ ।

४.२ शिक्षा विज्ञान, प्रविधि तथा कला, भाषा र साहित्य

१. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले विद्यालय तहको शिक्षा निःशुल्क प्राप्त गर्ने अधिकारलाई सुनिश्चिता गरेको छ । शैक्षिक विकासको सन्दर्भमा निरक्षरता अन्त्य गर्दै प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा सहज पहुँच कायम गर्न राष्ट्रिय तथा स्थानीयस्तरबाट अभ्यासहरू भई रहेका छन् । नेपालले लिएको दिगो विकास लक्ष्यअनुसार सन् २०३० सम्ममा सबैलाई गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चिता गर्न संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका तर्फबाट आवश्यक पहल भइरहेको छ । शिक्षालाई विकासको मुल आधारका रूपमा लिई गाउँपालिकाले नमुना विद्यालयका साथै प्राविधिक तथा उच्च शिक्षाका पूर्वाधार तयार गरी सहज अवसरहरू सृजना गर्ने कुरालाई महत्व दिई दश वर्षे शिक्षा योजना तर्जुमा कार्यको शुरुवात गरेको छ ।

गाउँपालिकाको कुल साक्षरता दर ५ वर्ष माथिको ७८ प्रतिशत रहेको छ । गाउँपालिकामा माध्यमिक तहको खुद भर्नादर ६० प्रतिशत छ भने आधारभुत तहको खुद भर्नादर ८४ रहेको देखिन्छ । गाउँपालिकाभित्र २४ वटा सामुदायिक सरकारी विद्यालय रहेका छन् ।

२. समस्या तथा चुनौति

शिक्षा क्षेत्रको सुधारमा राष्ट्रिय तथा स्थानीय स्तरबाट संस्थागत तथा व्यवहारिक प्रयास भएता पनि गुणस्तरीय तथा प्रतिस्पर्धी शिक्षाको दिशामा समय सापेक्ष सुधारहरू हुन सकेका छैनन् । भौगोलिक बिकटता, गरिबी र श्रोत तथा साधनको अपर्याप्तता रहेको छ । हालसम्म शिक्षण सिकाईमा शैक्षिक सामग्रीको निर्माण तथा उपयोग हुन सकेको छैन भने आधुनिक सूचना प्रविधिमा पहुँचमा कमी रहेको छ । स्थानीय आवश्यकता अनुसारको स्थानीय पाठ्यक्रम र शैक्षिक क्यालेण्डर तयारी तथा कार्यान्वयन हुन सकेको छैन । विद्यालयको अनुगमन तथा मुल्यांकनमा पर्याप्त ध्यान दिन नसक्दा शिक्षकको नियमितता र शिक्षण प्रकृया प्रभावकारी हुन सकेको छैन । सिकाई उपलब्धी विश्लेषण र कार्यान्वयनमा कमी रहेको छ ।

स्थानीय शैक्षिक संस्थामा जनविश्वासको कमीका कारण गुणस्तरीय शिक्षाका लागि गाउँपालिका बाहिरका निजी शैक्षिक संस्थाप्रतिको परनिर्भरता कायम रहेको छ । उच्च शिक्षाका लागि क्याम्पस र प्राविधिक शिक्षाका लागि विद्यालयमा प्राविधिक धारको आवश्यकतालाई सम्बोधन हुन सकेको छैन । धेरैजसो ११ र १२ कक्षामा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको अन्यत्र वस्तु पर्ने अवस्था विद्यमान छ । कतिपय वडाहरूमा विद्यालयका भवनहरू जिर्ण र पहिरोको जोखिममा रहेका छन् । दलित जातिका बालबालिकाहरूको विद्यालयलाई निरन्तरता दिने क्रम कम छ । सानो उमेरमा विवाह गर्ने र उमेर बढ्दै गएपछि बजार र वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम रोकिएको छैन । निरक्षरता हटाउन सञ्चालन भएका अनौपचारिक शिक्षा कक्षा प्रभावकारी हुन सकेका छैनन् । पूर्वाधारतर्फ बालमैत्री तथा अपांगमैत्री भवन, खेल मैदान,

घेरवार र शौचालयको कमी रहेको छ । सामाजिक परिवेशमा शैक्षिक वातावरणको कमीजस्ता समस्या विद्यमान रहेको छ ।

३. लक्ष्य

गाउँपालिकामा सबैको गुणस्तरीय, प्राविधिक र व्यवसायिक शिक्षामा सहज पहुँचको प्रत्याभूति गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. शिक्षण संस्थाहरूको संस्थागत विकास गर्नु ।
२. सबैकालागि शिक्षा र जीवनपर्यन्त शिक्षाको अवसर बढाउनु ।
३. प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षामा जोड दिनु ।
४. शैक्षिक विकासका लागि पूर्वाधार विकास तथा उच्च शिक्षाको आधार तयार गर्नु ।
५. संस्थागत तथा निजी विद्यालयहरूलाई नियमन र व्यवस्थापन गरी सेवामुलक बनाउनु ।

५. रणनीति

- क) विद्यालयमा गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चितता गर्न संस्थागत विकास गर्ने ।
- ख) गुणस्तरीय शिक्षाकोलागि तालिमको संस्थागत विकास गर्ने ।
- ग) सबै नागरिकलाई आधारभूत शिक्षाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
- घ) दलित, अपाङ्गता भएका, विपन्न तथा लक्षित समुदायका बालबालिकाको शिक्षाको हक सुनिश्चित गर्ने ।
- ङ) अनौपचारिक जीवनपर्यन्त सिकाइ प्रणाली स्थापनाकालागि नीतिगत तथा कार्यक्रमगत व्यवस्था गर्ने ।
- च) आधारभूत तहमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक सीप प्रवर्द्धन गर्ने ।
- छ) प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिमको पहुँचमा सहजता, गुणस्तरीयता तथा उपयोगितामा बृद्धि गर्ने ।
- ज) उच्च स्तरको जनशक्ति उत्पादनको व्यवस्था गर्ने ।
- झ) विद्यालयको पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।
- ञ) संस्थागत तथा निजी विद्यालयहरूको नियमन गरी सेवामुलक बनाउने ।
- ट) सामुदायिक विद्यालयहरूको शैक्षिक गुणस्तर बृद्धि गरी प्रतिस्पर्धी बनाउने ।
- ठ) भाषा, कला र साहित्य, बहुसंस्कृतिको संरक्षण, सम्बर्द्धन र विकास गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
साक्षरता दर (५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	७८.०४	७८.५	८२	८५	८५
साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	७४.०३	७६	८०	८२	८२
युवा साक्षरता दर (१५-२४ वर्ष)	प्रतिशत	९८	९८.५	१००	१००	१००
बाल कक्षा/पूर्व प्राथमिक तहको अनुभव सहित कक्षा १ मा भर्ना दर	प्रतिशत	९९.०६	१००	१००	१००	१००

आधारभूत तह (१,८) मा लैंगिक समानता	महिला प्रति सय पुरुष	८०	८५	९०	१००	१००
उच्च शिक्षामा कुल विद्यार्थी	सङ्ख्या	११०	१५०	२००	२५०	२५०
माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत	६०.०१	६२	६५	७०	७०
माध्यमिक तह (९-१२) मा कुल भर्नादर	प्रतिशत	९८	९८	१००	१००	१००
आधारभूत तह (१-८) मा कुल भर्नादर	प्रतिशत	१११.८	११०	१००	१००	१००
आधारभूत तह (१-८) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत	८४	८५	८८	९२	९२
आधारभूत तहमा विद्यालय जाने उमेरका विद्यालय बाहिर रहेका विद्यार्थी	प्रतिशत	०.०१	०	०	०	०
विद्यालय छाड्ने विद्यार्थीको दर (Dropout Rate) आधारभूत तह	प्रतिशत	१.०८	१	०.५	०	०
विद्यालय शिक्षा (१-८) शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात		१:१८	१:१८	१:१८	१:१८	१:१८
विद्यालय शिक्षा (१-१२) शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात	अनुपात	१:२४	१:२४	१:२४	१:२४	१:२४
प्राविधिक धारको विद्यालय सञ्चालन	सङ्ख्या	१	१	२	३	३
प्राविधिक शिक्षालयमा अध्ययनरत विद्यार्थी सङ्ख्या	सङ्ख्या	१७२	१७२	२५०	३५०	३५०
प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेका विद्यालयहरू	सङ्ख्या	०	१	२	३	३
बाल क्लब गठन भएका विद्यालय	सङ्ख्या	१४	१६	२४	२४	२४
कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय	सङ्ख्या	६	६	१०	१०	१०
विज्ञान प्रयोगशाला भएका विद्यालय	सङ्ख्या	४	६	१०	१०	१०
ईन्टरनेट तथा ई- शिक्षा सुविधा भएका विद्यालय	सङ्ख्या	५	६	२४	२४	२४
छात्रामैत्री विद्यालय	सङ्ख्या	६	१०	२४	२४	२४
अपाङ्गतामैत्री विद्यालय	सङ्ख्या	०	सबै विद्यालय			
आवासीय विद्यालय	सङ्ख्या	०	१	३	६	६

माध्यमिक शिक्षा कक्षा(९-१२)	सङ्ख्या	१	२	६	६	६
सञ्चालित सामुदायिक विद्यालय	सङ्ख्या	२४	२४	२४	२४	२४
संस्थागत विद्यालय	सङ्ख्या	०	०	०	०	०
प्राविधिक विषयमा अध्ययनरत दलित छात्रवृत्ति प्राप्त विद्यार्थी	सङ्ख्या	०	५	१०	१५	१५
प्राविधिक विषयमा अध्ययनरत विपन्न छात्रवृत्ति प्राप्त विद्यार्थी	सङ्ख्या	०	१०	२०	३०	३०

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	८१९६४	८०६६४	१३००	-		२४१४४		-
२	२०८१।०८२	२४१४४	२२७१४	१४३०	-		२४१४४		-
३	२०८२।०८३	२४१४४	२२५७१	१५७३	-		२४१४४		-
जम्मा		१३०२५२	१२५९४९	४३०३			७२४३२		

१. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	विद्यालय शिक्षक अनुदान	विद्यालयको शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण गर्ने	सालबसाली	१८६२४	बजेट	
२	शिक्षक तालिम		सालबसाली	४००	बजेट	
३	खेलकूद व्यवस्थापन		सालबसाली	२०००	वार्षिक बजेट	
४	डिजिटल नमूना विद्यालय		सालबसाली	३००	वार्षिक बजेट	

५	शिक्षा योजना निर्माण	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	गाउँपालिका भरिको समुदायिकविद्यालयको शैक्षिक गुणस्तर बढेको हुने
६	नमूना विद्यालय कार्यक्रम	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	
७	विद्यालय अनुगमन तथा निरीक्षण	सालबसाली	१००	वार्षिक बजेट	
८	पालिकास्तरीय परीक्षा संचालन तथा व्यवस्थापन	सालबसाली	१५०	वार्षिक बजेट	
९	अध्यक्षसँग बालबालिका	सालबसाली	१५०	वार्षिक बजेट	
१०	अल्पसंख्याक छात्रवृत्ति	सालबसाली	१२०	वार्षिक बजेट	
११	शैक्षिक क्यालेण्डर निर्माण	सालबसाली	१५०	वार्षिक बजेट	
१२	विद्यालय भवन क्रमागत	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	
१३	विद्यालय भवन मर्मत संभार	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	
१४	बैठक भत्ता	सालबसाली	१५०	वार्षिक बजेट	
१५	शिक्षा ससर्त अनुदान	सालबसाली	५७८२०	वार्षिक बजेट	

२. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस क्षेत्रमा रहेको शिक्षाको गुणस्तर सुधारका लागि दक्ष शिक्षकहरू कमी र भौगोलिक विकटताका कारण प्रविधिमैत्री शिक्षण सिकाई गर्न सहज नहुने देखिन्छ । त्यसै गरी शिक्षण सिकाईलाई आधुनिक तवरमा अथवा प्रविधिमैत्री शिक्षण सिकाई गर्न जोखिम रहेको देखिन्छ ।

४.३ खानेपानी तथा सरसफाई

१. पृष्ठभूमि

खानेपानी तथा सरसफाइ सेवाले मानव जीवनमा पार्ने बहुआयामिक प्रभावलाई दृष्टिगत गरी यस सेवालाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरेको छ । दिगो विकास लक्ष्यले समेत खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण गरेको छ । खुला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा भई सकेको यस गाउँपालिकामा एक घर, एक धारा तथा शौचालय निर्माणलाई उच्च प्राथमिकतामा राखिएको छ । फोहर व्यवस्थापनका लागि गाउँपालिकास्तरबाट पहल गरिएको छ । खानेपानी तथा सरसफाइको क्षेत्रमा विभिन्न गैह्र सरकारी निकायको सहयोग रहेको छ ।

गाउँपालिका भित्र ८४ प्रतिशत घरपरिवारले पाइप धाराको पानी उपयोग गर्ने गरेको तथा बाँकीले मुल तथा खोला नदिनालाको पानी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका अतिरिक्त गैर सरकारी र निजी क्षेत्रबाट समेत प्रयास भएता पनि खानेपानीका आयोजनामा स्थानीय समुदायको अपनत्वको कमी र सरसफाइजन्य परम्परागत व्यवहारका कारण आशातित सुधार हुन सकेको छैन । मानिसहरूको जमघट हुने सार्वजनिक स्थलमा सार्वजनिक शौचालयको कमी रहेको छ । स्वच्छ तथा सुरक्षित खानेपानीको व्यवस्था हुन सकेको छैन भने सुख्खा याममा कतिपय बस्तीमा खानेपानीको अभाव हुने गरेको छ । सरसफाइ सम्बन्धी आनिवानी कमजोर रहेको यस क्षेत्रमा घरमै फोहर वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन गर्ने प्रचलन रहेको छैन । पर्यटकीय मार्ग र मुख्य बजारहरूमा प्लास्टिकजन्य तथा सिंशाजन्य फोहरको व्यवस्थापन हुन नसक्दा वातावरणीय प्रदुषण बढ्दै गएको छ । साथै बजार केन्द्रहरूमा समेत सडक नाती र ढल सुविधा उपलब्ध रहेको छैन । सार्वजनिक शौचालयमा सावुन, नियमित पानी आदिको नियमित व्यवस्थापन भएको देखिदैन । शुद्ध खानेपानी, पहिरोको कारण खानेपानीका मुल तथा पाईपहरूमा क्षति भएको छ । जलविद्युत परियोजना को कारण खानेपानीका मुहानहरू सुक्दै गएका छन् । खानेपानीका मुहानहरू वस्ति भन्दा टाढा रहेको कारण मर्मतसंभार गर्न समस्या रहेको देखिन्छ । खानेपानीका पाईपहरू ठूला डाँडा हुँदै आएका कारण वर्षातमा पहिरोको कारण क्षतविक्षत हुने गरेको छ ।

३. लक्ष्य

गाउँपालिका क्षेत्रमा सर्वसुलभ र गुणस्तरीय खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा विस्तार गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. आधारभूत खानेपानीको पहुँच विस्तार गर्नु ।
२. गुणस्तरीय खानेपानी सुविधाको पहुँचमा बृद्धि गर्नु ।
३. प्रत्येक घरमा व्यवस्थित शौचालय तथा घरेलु फोहोरमैलाको व्यवस्थापन गर्नु ।

५. रणनीति

- क) पहुँच नभएका बस्तीहरूमा खानेपानीको सेवा विस्तार गर्न खानेपानीका स्रोतहरूको पहिचान गर्ने ।
- ख) आधारभूत खानेपानीको गुणस्तर बढाउन आवश्यक संरचनाहरू तयार गर्ने ।
- ग) प्रत्येक घरपरिवारमा आधारभूत शौचालय तथा सरसफाइको व्यवस्था गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
आधारभूत खानेपानीको पहुँच भएको जनसङ्ख्या	प्रतिशत		८४	८८	९८	१००
स्वच्छ खानेपानीको पहुँच भएको जनसङ्ख्या	प्रतिशत		७८	८०	९५	१००
शौचालय भएका घरपरिवार	प्रतिशत		९०	९५	१००	१००
पाईपद्वारा वितरित पानी उपयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत		८४	८८	९०	१००
खानेपानीको स्रोत संरक्षण	सङ्ख्या		२९	३५	४०	४५

सेफिट्यांकी सहितको शौचालय भएको परिवार	प्रतिशत		९०	९५	१००	१००
साधारण शौचालय भएको परिवार	प्रतिशत		१०	५	०	०
सार्वजनिक शौचालय	सङ्ख्या		२	२	५	७
जोखिमयुक्त अवस्थामा साबुन पानीले हात धुने	प्रतिशत		७२	८०	८५	९५
उपचार गरिएको वा सुरक्षित खानेपानी सुविधा प्राप्त घरधुरी	प्रतिशत		७८	८०	९०	१००

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
तालिका नं ४.८ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	४३५०	८५०	३५००	-		४३५०		-
२	२०८१।०८२	४७८५	९३५	३८५०	-		४७८५		-
३	२०८२।०८३	५२६४	१०२९	४२३५	-		५२६४		-
जम्मा		१४३९९	२८१४	११५८५			१४३९९		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण
तालिका नं ४.९ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	वास युनिटका कार्यक्रम	सञ्चालित योजनाहरूको निरन्तर सुचारु	सालबसाली	५००	बजेट	९७ प्रतिशत परिवारमा खानेपानीको पहुँच भएको

२	एन-वास कार्यक्रम		सालबसाली	२००	बजेट	
३	सहकारी संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम		सालबसाली	१५०	वार्षिक बजेट	
४	वडा नं ६ खानेपानी योजना(प्रदेश विशेष)	खानेपानी सर्वसुलभ पहुँच	सालबसाली	३५००	वार्षिक बजेट	९५ प्रतिशत परिवारका घरमा धारा जडान भएको हुने

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

खानेपानीका क्षेत्रमा बजेट वर्षेनी विनियोजन हुने भएपनि यस क्षेत्रमा आउने बाढी तथा पहिरोका कारण खानेपानीका योजनाहरू क्षति हुनाले खानेपानी मर्मतका क्षेत्रमा मात्र थुप्रै रकम खर्च हुने कारणले अन्य पक्षहरूमा ध्यान दिन नसकिने जोखिम रहन्छ ।

४.४ युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन

१. पृष्ठभूमि

विकासको लागि युवा वर्गको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । युवा शक्तिको पहिचान र परिचालन गर्नसकेमा समग्र विकास प्रक्रियामा युवाले योगदान गर्न सक्छन् । संविधानको सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धी नीतिमा राष्ट्रिय विकासमा युवा सहभागिता अभिवृद्धि गर्दै राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक र सांस्कृतिक अधिकारहरूको पूर्ण उपयोगको वातावरण सिर्जना गर्ने, युवाको सशक्तीकरण र विकासका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी लगायतका क्षेत्रमा विशेष अवसर प्रदान गर्दै व्यक्तित्व विकास गर्ने तथा राज्यको सर्वांगीण विकासमा योगदानका लागि उपयुक्त अवसर प्रदान गर्ने उल्लेख गरिएको छ । यसका साथै स्वस्थ, सक्षम र अनुशासित नागरिक तयार गर्न खेलकूद तथा खेलाडीमा योजनाबद्ध लगानी गर्ने र खेलकूदलाई राष्ट्रिय एकता सुदृढ गर्ने एवं अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा राष्ट्रिय सम्मान अभिवृद्धि गर्ने माध्यमको रूपमा विकास गर्ने भनिएको छ ।

गाउँपालिकाको उमेरगत जनसङ्ख्यालाई विश्लेषण गर्दा १९ देखि २४ वर्षको उमेर समूहमा २८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेका छन् भने २५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहमा ११ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । कूल जनसङ्ख्याको अनुपातमा युवा समूहको जनसङ्ख्या यतिको हुनु समग्र आर्थिक र सामाजिक विकासका लागि राम्रो हो । यस गाउँपालिकामा ५ जना प्रदेश तथा जिल्लास्तरका खेलाडीहरू रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा क्षेत्र भित्र ३ वटा युवा क्लबहरू रहेका छन् । यस्ता क्लबहरू खेलकुद तथा युवा सशक्तीकरणका अतिरिक्त सामाजिक कार्यमा पनि संलग्न रहेको देखिन्छ । यस गाउँपालिका भित्र खेल मैदान, पर्यटकीय स्थल र खुल्ला स्थान गरी करिब ११ वटा स्थानहरू रहेका छन् ।

२. समस्या तथा चुनौति

विकासको लागि युवा वर्गको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । युवा शक्तिको पहिचान र परिचालन गर्नसकेमा समग्र विकास प्रक्रियामा युवाले योगदान गर्न सक्छन् । संविधानको सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धी नीतिमा राष्ट्रिय विकासमा युवा सहभागिता अभिवृद्धि गर्दै राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक र सांस्कृतिक अधिकारहरूको पूर्ण उपयोगको वातावरण सिर्जना गर्ने, युवाको सशक्तीकरण र विकासका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी लगायतका क्षेत्रमा विशेष अवसर प्रदान गर्दै व्यक्तित्व विकास गर्ने तथा राज्यको सर्वांगीण विकासमा योगदानका लागि उपयुक्त अवसर प्रदान गर्ने उल्लेख

गरिएको छ । यसका साथै स्वस्थ, सक्षम र अनुशासित नागरिक तयार गर्न खेलकूद तथा खेलाडीमा योजनाबद्ध लगानी गर्ने र खेलकूदलाई राष्ट्रिय एकता सुदृढ गर्ने एवं अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा राष्ट्रिय सम्मान अभिवृद्धि गर्ने माध्यमको रूपमा विकास गर्ने भनिएको छ ।

गाउँपालिकाको उमेरगत जनसङ्ख्यालाई विश्लेषण गर्दा १९ देखि २४ वर्षको उमेर समूहमा २८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ भने २५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहमा ११ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । कूल जनसङ्ख्याको अनुपातमा युवा समूहको जनसङ्ख्या यतिको हुनु समग्र आर्थिक र सामाजिक विकासका लागि राम्रो हो । यस गाउँपालिकामा ५ जना प्रदेश तथा जिल्लास्तरका खेलाडीहरू रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा क्षेत्र भित्र ३ वटा युवा क्लबहरू रहेका छन् । यस्ता क्लबहरू खेलकुद तथा युवा सशक्तिकरणका अतिरिक्त सामाजिक कार्यमा पनि संलग्न रहेको देखिन्छ । यस गाउँपालिका भित्र खेल मैदान, पर्यटकीय स्थल र खुल्ला स्थान गरी करिब ११ वटा स्थानहरू रहेका छन् ।

३. लक्ष्य

युवा जनशक्तिलाई पालिकाको सामाजिक-आर्थिक विकास तथा खेलकुदमा मूलप्रवाहीकरण गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. युवाहरूलाई उद्यमशील, स्वरोजगार र स्वावलम्बी बनाउदै विकासमा युवाको सहभागिता वृद्धि गर्नु ।
२. खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्दै युवा खेलाडीलाई उच्च प्रतिस्पर्धी र व्यवसायिक बनाउनु ।

५. रणनीति

१. विकासमा युवा सहभागिता बढाउने ।
२. युवालाई उद्यमशील, व्यवसायी र आत्मनिर्भर बनाउन वित्तीय स्रोत साधनको पहुँचमा वृद्धि गर्ने ।
३. युवा केन्द्रित प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा र सीप विकासका अवसरहरू विस्तार गरी उद्यमशील बनाउने ।
४. युवामा सकारात्मक सोच, सिर्जनशीलता र नेतृत्व क्षमताको विकास गर्ने ।
५. खेलकुदको समुचित विकासका लागि आवश्यक पूर्वाधारको निर्माण गर्ने ।
६. खेल सम्बद्ध राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय संघ संस्थाहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरी खेलकुद विकास गर्ने ।
७. योग तथा ध्यानका साथै मनोरञ्जनात्मक, परम्परागत तथा संस्कृतिजन्य खेलकुद विकास गर्ने ।
८. प्रतिभावान खेलाडीको पहिचान, क्षमता विकास र प्रोत्साहन गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
युवाहरूको नेतृत्वमा रहेको सामाजिक संघसंस्था	प्रतिशत		२	२	३	५
राष्ट्रिय अन्तराष्ट्रिय खेलाडी सङ्ख्या	सङ्ख्या		५	५	६	७
प्रदेश तथा जिल्लास्तरीय खेलाडी	सङ्ख्या		५८	५८	६५	७०
सहकारीमा युवाको आवद्धता	प्रतिशत		३१	३१	३३	३४
युवा व्यवसायीहरूबाट सञ्चालन भएका व्यवसायको सङ्ख्या	सङ्ख्या		७	७	८	१०

उद्यमशीलता तालिम प्राप्त युवाहरूको वार्षिक सङ्ख्या	सङ्ख्या	११	३०	५०	६५
वैदेशिक रोजगारीमा गएका युवा	प्रतिशत	२	२	२	२
उद्यम, व्यवसाय र स्वरोजगारीमा संलग्न युवा	प्रतिशत	२५	२५	२६	२७
युवा संलग्न स्थानीय संरचना वा संयन्त्र	सङ्ख्या	२००	२००	२२५	२५०
युवाक्लब, संजाल तथा संस्था	सङ्ख्या	४	४	५	५
नियमित योगाभ्यास गर्ने जनसङ्ख्या	प्रतिशत	०.१	१	१.५	१.५
पालिकास्तरीय खेलमैदान	सङ्ख्या	६	६	७	७
खेल मैदान भएका विद्यालय	सङ्ख्या	५	१०	१२	१५
अन्तर विद्यालय प्रतियोगितात्मक खेलकुद कार्यक्रम	सङ्ख्या	४	४	५	६
पालिकामा संचालित खेलकुद प्रतियोगिता	सङ्ख्या	४	५	६	७
खेलाडी प्रशिक्षण कार्यक्रम	सङ्ख्या	१०	१०	१०	१०
पालिकास्तरीय प्रतियोगितात्मक खेलकुद कार्यक्रम	सङ्ख्या	२	२	२	२
सफल एवम् क्षमतावान खेलाडी प्रोत्साहन तथा सम्मान	सङ्ख्या	३	५	८	१०
योगा प्रशिक्षण	पटक	१	२	२	२
कवर्डहल तथा खेलकुद मैदान	सङ्ख्या	२	२	२	२
प्रदेशस्तरको खेल मैदान	सङ्ख्या	०	०	०	०

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	११००	११००		-		११००		-
२	२०८१।०८२	१२१०	१२१०		-		१२१०		-
३	२०८२।०८३	१३३१	१३३१		-		१३३१		-
जम्मा		३६४१	३६४१				३६४१		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	युवा मैत्री स्थानीय शासनकालागि युवाका मुद्दामा बहस पैरवी कार्यक्रम		सालबसाली	२५००००	बजेट	
२	युवा स्वयंसेवक विकास र परिचालन		सालबसाली	३०००००	बजेट	
३	राष्ट्रपति रनिङ्ग सिल्ड प्रतियोगिता (स्थानीय तहस्तरीय)	युवाहरुलाई खेलकुदम प्रोत्साहन गर्ने	सालबसाली	१०००००	वार्षिक बजेट	युवाहरु खेलमूदमा सहभागिता भएको हुने र राष्ट्रिय स्तरमा युवाकव सहभागिता हुने
४	युवा क्लव गठन तथा नमुना संसद अभ्यास कार्यक्रम		सालबसाली	४५००००	वार्षिक बजेट	

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको भौगोलिक क्षेत्र समथर रहेको पाइदैन भएपनि पर्याप्त खाली जग्गाको अभाव रहेको छ । खेलपूर्वधार विकासका लागि सोचेअनुरूप रकम विनियोजन गर्न नसक्दा खेल पूर्वधार लगायतका अन्य खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम अपेक्षित रूपमा उपलब्धी नहुने जोखिम रहन सक्छ ।

४.५ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण

१. पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को व्यवस्थाका साथै दिगो विकास लक्ष्यमा पनि बालबालिकाको गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य, बालबालिका माथि हुने हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, उपेक्षाको अन्त्य र सुरक्षित र पहुँचयोग्य वातावरण तथा किशोरकिशोरी माथि हुने सबै प्रकारका विभेदको अन्त्य गर्ने राष्ट्रिय लक्ष्यमा समावेश गरिएको छ । त्यसैले यस गाउँपालिकाले पनि यसलाई प्राथमिकता दिएको छ । महिलाहरुको क्षमता, श्रम, सीप र सृजनालाई विकास प्रक्रियामा लगाई संविधानको मर्म अनुरूप सामाजिक समानता कायम गर्न कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्नु आवश्यक छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

लैङ्गिक विभेद तथा हिंसालाई बढावा दिने सामाजिक संरचना, सोच, मूल्य, मान्यता, प्रथा, परम्परा कायमै रहनु, महिला माथि घरेलु, यौनजन्य तथा लैङ्गिकतामा आधारित हिंसा विद्यमान हुनु, सामाजिक र पारिवारिक बहिष्करणमा परेका तथा हिंसा पीडित तथा एकल महिलालाई पूर्णरूपमा संरक्षण, पुनर्स्थापना, सशक्तीकरण र स्वावलम्बी बनाउन नसकिनु महिला सम्बन्धी क्षेत्रका समस्या हुन् ।

लक्षित वर्गको चौतर्फी हितका लागि नीतिगत तथा व्यवहारिक तवरबाट सुधारका पहलहरू भएता पनि दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा आदिवासी जनजाति र विपन्न वर्गको सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थामा उल्लेख्य सुधारहरू हुन सकेको छैन । बाल विवाह, लैङ्गिक हिंसा, दलित तथा विपन्न तथा बाल हिंसाका घटनाहरू निर्मूल हुन सकेको छैन । लैङ्गिकहिंसा पीडित, महिलाको पहिचान हुनसकेको छैन भने हिंसा विरुद्धमा महिला आवाज सरोकारवालहरूबाट सशक्त रूपमा उठन सकेको छैन । छुवाछुत तथा सामाजिक विभेद अझै पनि कायमै रहेको छ । विपन्न, हिंसा पीडित र असहायहरूका लागि विशेष व्यवस्था हुन सकेको छैन । सबै लक्षित वर्गको संजाल गठन भएको तर कृयाशिल हुन सकेको छैन । लक्षित वर्गको आत्मनिर्भरताका लागि पर्याप्त अवसर तथा क्षमता विकासका अवसरमा कमी रहेको छ ।

३. लक्ष्य

महिला, बालबालिका ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति विरुद्ध हुने सबै प्रकारका विभेद, हिंसा र शोषण अन्त्य गरी सक्षम र आत्मसम्मानपूर्ण जीवन यापन गराउने ।

४. उद्देश्य

१. महिला हिंसाको अन्त्य तथा लैङ्गिक समता कायम गर्नु
२. बालबालिकाको समग्र अधिकारको संरक्षण तथा बालमैत्री वातावरण सिर्जना गर्नु
३. ज्येष्ठ नागरिकको हक अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्दै ज्ञान, सीप र अनुभवको उपयोग गर्नु
४. अपाङ्गता भएका व्यक्तिकालागि आधारभूत सेवा, स्रोत र प्रविधिमा सहज पहुँचको वृद्धि गर्दै आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तीकरण मार्फत् जीवनयापनमा सहजता तथा आत्मसम्मान प्रदान गर्नु
५. दलित तथा सिमान्तकृत समुदायलाई विकास तथा सामाजिक न्यायको मूलधारमा प्रवाहीकरण गर्नु ।

५. रणनीति

१. पालिका मातहतका सबै निकायहरूमा लैङ्गिक समानता वृद्धि गर्ने ।
२. लैङ्गिक हिंसा अन्त्य गर्ने कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने ।
३. विभेद, हिंसा, उत्पीडन, शोषणबाट बालबालिका तथा अन्य समावेशी व्यक्तिलाई उचित संरक्षण गर्ने । बालबालिकाको सहभागिता वृद्धि गर्ने ।
४. बालमैत्री वातावरणको विकास गर्ने ।
५. ज्येष्ठ नागरिकको लागि हेरचाह, स्याहारसुसार र उपयुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने ।
६. ज्येष्ठ नागरिकको सामाजिक सुरक्षा सेवालाई वृद्धि गर्ने ।
७. अपाङ्गमैत्री भौतिक संरचना निर्माण तथा सुधार गरी सार्वजनिक सेवामा पहुँच बढाउने ।
८. दलित तथा सिमान्तकृत समुदायको सबै प्रकारका सार्वजनिक समिति तथा निकायमा प्रतिनिधित्व सुनिश्चितता गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
महिला/घरेलु हिंसा	प्रतिशत		१५	१५	१०	५
बालश्रम	प्रतिशत		५	५	२	१
अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्था	सङ्ख्या		१	०	२	२
बैङ्क मार्फत सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने जेष्ठ नागरिक	प्रतिशत		१००	१००	१००	१००
लैङ्गिक हिंसा र छुवाछुत सम्बन्धी घटना दर्ता	सङ्ख्या		३०	३२	३३	३५
तालिम प्राप्त अपाङ्गता भएका व्यक्ति	सङ्ख्या				१५	१५
कुल सहभागीहरूमा महिलाको प्रतिशत	प्रतिशत		३३	३३	३३	३३
व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला	सङ्ख्या			१०	२५	३०
लैङ्गिक हिंसा र छुवाछुत सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम	सङ्ख्या		०	२	२	२
पिडित महिलाहरूको लागि सुरक्षित आवास गृह	सङ्ख्या		०	०	०	०
जेसी परिक्षण	सङ्ख्या		०	१	१	१
बाल हेल्पलाइन सञ्चालन	सङ्ख्या		०	१	१	१
बाल उद्यान	सङ्ख्या		०	१	३	४
सुरक्षित बाल गृह	सङ्ख्या		०	१	१	१
जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र	सङ्ख्या		१	०	०	०
जेष्ठ नागरिक सम्मान	पटक		४	१	३	३
जेष्ठ नागरिक सत्सङ्ग केन्द्र	सङ्ख्या		१	०	२	२
अपाङ्गता भएकाहरूको लागि दिवा सेवा केन्द्र	सङ्ख्या		०	०	१	१
यौनिक तथा लैङ्गिक अल्पसंख्यक मैत्री सार्वजनिक शौचालय	सङ्ख्या		०	०	०	०
अपाङ्गता सम्बन्धि हेल्प डेक्स सञ्चालन	सङ्ख्या		०	१	३	५
कुल सहभागीहरूमा अपाङ्गता भएका	प्रतिशत		०	१	१	१

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	१८००	१८००		-			१८००	-
२	२०८१।०८२	१९८०	१९८०		-			१९८०	-
३	२०८२।०८३	२१७८	२१७८		-			२१७८	-
जम्मा		५९५८	५९५८					५९५८	

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम	महिला विकास क्षेत्रमा काम गर्न	सालबसाली	३००	बजेट	महिला विकास तथा लक्षित वर्गका लागि कार्यक्रम सञ्चालन भएको
२	उपाध्यक्षसँग एकल महिला कार्यक्रम		सालबसाली	५००	बजेट	
३	अपांगता भएकाहरुको जिविकोपार्जन		सालबसाली	३००	वार्षिक बजेट	
४	अध्यक्षसँग जेष्ठ नागरिक		सालबसाली	३००	वार्षिक बजेट	
५	दलित उत्थान कार्यक्रम		सालबसाली	३००	वार्षिक बजेट	
६	दिवस समारोह		सालबसाली	१००	वार्षिक बजेट	

८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाबाट यस क्षेत्रमा थुप्रै रकम विनियोजन गर्न नसक्नाले पनि महिला बालबालिकाका क्षेत्रमा काम गर्न सकिएको छैन । यस क्षेत्रमा विनियोजन गरिएको बजेट तालिम तथा दिवस कार्यक्रममा बढी खर्च हुने जोखिम रहन्छ ।

परिच्छेद पाँच: पूर्वाधार विकास क्षेत्र

५.१ भवन, आवास, बस्ती तथा सहरी विकास

१. पृष्ठभूमि

अपिहिमाल गाउँपालिका प्रचुर संभावना र चुनौती दुवैको संमिश्रण रहेको एक हिमाली गाउँपालिकाको रूपमा चित्रित छ । वडाहरू एक आपसमा कच्ची सडक संजालबाट भएपनि जोडिएका छन् । यो गाउँपालिका विकट भू-धरातलीय अवस्थाका कारण यस क्षेत्रको विकासमा अनेकौं चुनौतीहरू विद्यमान रहेका छन् । कठिन धरातलमा छरिएर रहेका डाँडापाँखाहरूका वस्तीहरूमा भौतिक पूर्वाधारहरू पुर्‍याई नागरिकहरूको जनजीवनलाई सहज बनाउनु यस गाउँपालिकाको लागि त्यति सहज छैन तथापी सीमित श्रोत साधनबाट नागरिकहरूको बढ्दो आवश्यकता र चाहनाहरू पूरा गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

सार्वजनिक संरचनातर्फ गाउँ कार्यपालिकाको आफ्नो प्रशासनिक भवन निर्माणाधीन रहेको र सो भवन निर्माण पश्चात हाल संचालनमा रहेको प्रशासकीय भवनलाई कर्मचारी आवासका रूपमा विकास गरिने योजना रहेको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकाका ४ वटा वडाको आफ्नै वडा भवन छ तर वडा नं २ को आफ्नै वडा कार्यलय भवन छैन । पालिकाका २ स्वास्थ्यचौकी भवन सहित संचालनमा रहेका छन् भने वडा नं. ४ मा १५ शैयाको अस्पताल निर्माणको प्रकृया अघि बढेको छ तथा आठ वटा सामुदायिक भवन निर्माण भएको छ ।

।

२. समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिका वस्तिहरू व्यवस्थित नहुनु, प्रमुख मानिएका वस्तिहरूमा समेत आधारभूत सुविधा अपर्याप्त रहनु, एकीकृत वस्ति विकास कार्यक्रम संचालनमा नहुनुजस्ता समस्या विद्यमान रहेका छन् । विकसित हुँदै गरेका बजार क्षेत्रमा विश्राम स्थल एवं बस प्रतिकालय र सार्वजनिक शौचालय लगायतका न्यूनतम सुविधाहरू अपर्याप्त छन् । सार्वजनिक सेवाको प्रभावकारी प्रवाहका लागि अत्यावश्यक वडा समितिको भवन, स्वास्थ्य चौकी लगायतका सार्वजनिक पूर्वाधारहरूको कमी रहेको देखिन्छ । अति विपन्न घरपरिवार लक्षित सुरक्षित आवास कार्यक्रम अपर्याप्त रहनु, भूकम्प पश्चात्को पुनर्निर्माण कार्यमा ढिलाई हुनु तथा भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माणका लागि तयार भएको दक्ष जनशक्ति गाउँपालिकामा क्रियाशील नहुनाले पनि निजी आवासहरू सुरक्षित नहुनसक्ने सम्भावना रहेको देखिन्छ । यसैगरी प्राकृतिक प्रकोपको रूपमा रहेको चट्याङ्गको उच्च जोखीम रहनुपनि वासोवासका हिसावले समस्याको रूपमा रहेको देखिन्छ ।

भिरालो जमिन, खोलानालाको किनारमा वस्तिहरू रहेका, छरिएर रहेको वस्ति, बढ्दो वसाई सराई प्रवृत्ति, स्थानीय कला संस्कृति झल्किने घरहरू रहेका, यहाँका घरपरिवारहरू वसाई सराई गर्ने प्रकृति बढ्दै गएको छ, विना नक्सा र विना प्राविधिक स्टिमेटका आधारमा घरहरू वनेका, पुराना घरहरू भएका कारण भूकम्पको जोखिम रहेको, अझैपनि धेरै घरहरू खर र ढुंगाले छाएका, वस्तिहरू नदि कटान र पहिरोका जोखिममा रहेका, आवासीय घरहरूको निर्माण मापदण्डअनुसार निर्माण हुन नसकेको, सुरक्षित आवास तथा बस्ती विकास उचित रूपमा नभएको, बजार विकास तथा विस्तारको कमी, बजारसँगको कमजोर पहुँच तथा विस्तारको अभाव, सार्वजनिक निर्माण आवश्यकताअनुसार हुन नसकेको, वस्तीहरू बीचको दुरी टाढा हुनु अपिहिमाल विकासका लागि निकै चुनौतीपूर्ण देखिन्छ ।

सुरक्षित, सुलभ र वातावरणमैत्री एकीकृत आवास तथा बस्ती विकास गर्ने ।

३. उद्देश्य

१. एकीकृत आवास तथा बस्ती विकास गरी अव्यवस्थित र छरिएका घरपरिवारलाई एकताबद्ध र प्रभावकारी सेवा प्रवाहको विकास गर्नु ।
२. स्थानीय निर्माण सामग्रीको अधिकतम प्रयोग गरी स्थानीय वास्तुकला र नवीनतम प्रविधि मिश्रित सुरक्षित र किफायती भवनहरू निर्माण गर्नु ।

४. रणनीति

१. ग्रामीण क्षेत्रमा भौगोलिक हिसाबले बिकट र छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा रहेका र सीमान्तकृत घर परिवारलाई आधारभूत सुविधा सहितको एकीकृत बस्ती निर्माण गर्ने ।
२. घना बस्ती रहेका ग्रामीण क्षेत्र तथा सडक क्षेत्रको बस्ती व्यवस्थित गर्ने ।
३. भूउपयोग नीति तथा योजना निर्माण गर्ने र योजनाबद्ध रूपमा एकीकृत बस्ती विकास गर्ने कार्यलाई अभियानको रूपमा अगाडि बढाउने ।
४. स्थानीय पहिचान भएको र सबै वर्ग तथा समुदायले किन्न सक्ने भवनहरूको निर्माण गर्ने ।
५. भवन डिजाइन, निर्माण तथा सुपरीवेक्षणका कार्यमा संलग्न जनशक्तिको क्षमता विकास गर्ने ।

५. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
भूकम्प प्रतिरोधी भवन	प्रतिशत		१	नयाँ बन्ने सबैमा		
व्यवस्थित सहरीकरण सहितको बस्ती	सङ्ख्या		०		१	१
पालिकाको मापदण्ड बमोजिम भवन निर्माण	प्रतिशत		१	नयाँ बन्ने सबैमा		
जोखिमयुक्त बस्तीको स्थानान्तरण	बस्ती सङ्ख्या		०	१	२	३
निर्माण भएका बस्ती विकास योजना सङ्ख्या	सङ्ख्या		०	०	१	१
कार्यपालिका भवन (थप)	सङ्ख्या		१	१	१	१
वडाकार्यलय भवन	सङ्ख्या		५	५	६	६
कर्मचारी आवास	प्रतिशत		०	०	०	०
सामुदायिक भवन	सङ्ख्या		६	६	८	१०
भवन तथा आवास निर्माणकालागि वातावरणीय प्रभाव अध्ययन	सङ्ख्या		१	१	१	१

भवन तथा आवास निर्माणकालागि विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन	सङ्ख्या		३	३	४	५
भूकम्प तथा पहिरो प्रतिरोधी विद्यालय भवन	सङ्ख्या		४	नयाँ बन्ने सबैमा		
भूकम्प तथा पहिरो प्रतिरोधी स्वास्थ्य संस्था	सङ्ख्या		२	४	७	७
भूकम्प तथा पहिरो प्रतिरोधी वडा कार्यालय तथा अन्य सरकारी भवन	सङ्ख्या		४	नयाँ बन्ने सबैमा		
विपन्नकालागि निर्मित आवास	सङ्ख्या		०	१०	१५	२०

६. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
तालिका नं ५.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	३८४००	४००	३८०००	-		३८४००		-
२	२०८१।०८२	४२२४०	४४०	४१८००	-		४२२४०		-
३	२०८२।०८३	४६४६४	४८४	४५९८०	-		४६४६४		-
जम्मा		१२७१०४	१३२४	१२५७८०			१२७१०४		

७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण
तालिका नं ५.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	उपभोक्ता तथा मिस्त्रीहरूलाई अभिमुखिकरण		सालबसाली	३००	वार्षिक बजेट	
२	प्राविधिक कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि	भवन निर्माण तथा आवास र सहरी विकास सम्बन्धी तालिम	सालबसाली	१००	वार्षिक बजेट	विभिन्न किसिमका तालिम लगायतका अन्य कार्यहरू भएको

३	आर्थिक वर्ष २०७९/८० को दायित्व		एक वर्ष	१०००	वार्षिक बजेट	
४	प्रशासकीय भवन समपुरक	प्रशासकीय कामकाजलाई नियमित र व्यवस्थित गर्न	एक वर्ष	२५०००	वार्षिक बजेट	प्रशासकीय भवन निर्माण भएको
५	वडा भवन तथा अन्य समपुरक	वडाका प्रशासकीय कामकाजलाई व्यवस्थित गर्न	एक वर्ष	१२०००	वार्षिक बजेट	वडा भवन निर्माण भएको

८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस पालिकामा आन्तरिक स्रोतको अभावका कारण सम्पूर्ण रूपमा संघीय सरकारबाट प्राप्त बजेटबाट नै कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्ने भएकाले उक्त रकम आगामी आर्थिक वर्षमा बजेट प्राप्त नभएमा योजना कार्यान्वयन गर्न समस्या हुने देखिन्छ । यी योजनाहरू सञ्चालन गर्नका लागि बजेटको सुनिश्चितता गर्ने कार्य जटिल हुने देखिन्छ ।

५.२ सडक, पुल तथा यातायात व्यवस्था

१. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले यातायात सुविधामा नागरिकको सरल, सहज र समान पहुँच सुनिश्चित गर्न यातायात क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने र वातावरण अनुकूल प्रविधिलाई प्राथमिकता दिँदै सार्वजनिक यातायातलाई प्रोत्साहन र निजी यातायातलाई नियमन गरी यातायात क्षेत्रलाई सुरक्षित, व्यवस्थित, समावेशी र अपाङ्गतामैत्री बनाउने परिकल्पना गरेको छ । भौतिक पूर्वाधार आर्थिक विकास एवं सामाजिक समृद्धिका आधारहरू हुन जसमा सडक यातायात तथा पुलको सबैभन्दा महत्त्वपूर्ण योगदान रहन्छ । पूर्वाधारको विकासमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ स्थानीय निकायलाई जिम्मेवार बनाएको छ । पूर्वाधार निर्माणकालागि स्थानीय निकायलाई प्रदेश एवं संघीय सरकारबाट समेत अर्थिक एवं प्राविधिक सहयोग पुर्याउने व्यवस्था गरिएको छ । गाउँपालिकाले पूर्वाधार विकासमा समावेशी, वातावरणमैत्री, गुणस्तरीय पूर्वाधार भन्ने अभियानका साथ कार्यक्रम अगाडि बढाएको छ । गाउँपालिकाको विकास र समृद्धिको प्रमुख आधारका रूपमा रहेको एक क्षेत्र सडक तथा यातायात पनि हो ।

गाउँपालिका भित्र हाल सम्म कुनै पनि सडक कालोपत्रे हुन सकेको छैन भने सबै सडक ग्राभेल र कच्ची अवस्थामा रहेको छ । गाउँपालिकामा हाल सम्म करिव १२ कि. मी. सडक रहेको छ । गाउँपालिकामा २० झोलुङ्गे पुल रहेको छ । यस गाउँपालिकाको मकरीगाडबाट छोटो दुरीका रुटमा नीजी सवारी साधनहरू नियमितरूपमा चल्ने गर्दछन् । प्रायजसो ठाउँमा भने वर्षातको समयमा पहिरोले बाटो अवरुद्ध हुने, पानी जम्ने, हिलो हुने भएका कारण नियमितरूपमा यातायात सुचारु गर्न कठिनाई हुने गरेको छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र सबै सडक विस्तारमा कठिनाई रहनु, बिकट भौगोलिक अवस्थितिका कारण सडक ट्रयाक खोल्न कठिनाई हुनु जस्ता समस्याहरू प्रमुख रहेका छन् । यसैगरी कतिपय झोलुङ्गे पुल रहेको स्थानसम्मको सहज सडक सुविधा विस्तार हुन नसक्नु, आवश्यकता अनुसार झोलुङ्गे पुल निर्माण नहुनुले पनि आवागमनमा असहज भएको देखिन्छ । सार्वजनिक यातायातका साधनहरू नियमित रूपमा संचालन नहुनु, जिपहरूले भाडा महंगो लिने गरेको अन्य समस्याको रूपमा रहेको देखिन्छ ।

गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा सडक संजाल नहुनु, सार्वजनिक यातायात नभएको हुँदा भाडादरमा नियमानुसार र यथार्थ नहुनु, चौलानीको तट अन्तर्गत हरेक वर्ष सडक निर्माण गरिने र अर्को ठाउँमा सडक कटान हुने समस्या, ग्रामिण बस्तिहरूका पदमार्गहरूको नियमित मर्मत संभार हुन सकेको छैन ।

लक्ष्य

दिगो पूर्वाधार विकास मार्फत् नागरिकको सहज पहुँच हुने ।

३. उद्देश्य

१. सडक पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा स्तर उन्नति गरी मानिसहरूको जीवन सहज र सरल बनाउनु ।
२. यातायात पूर्वाधारको उचित मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन गरी सहज आवतजावत र स्थानीय जनताको सुविधा, आयआर्जन तथा रोजगारी सिर्जना गर्नु ।

४. रणनीति

- क) योजनाको दीर्घकालीन उपयोगकोलागि निर्माण भइसकेका पूर्वाधारहरूको संरक्षण, विस्तार तथा मर्मतकोलागि कोषको व्यवस्था गर्ने ।
- ख) गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक गतिविधिलाई सन्तुलित, समावेशी, गतिशील बनाउन योगदान पुऱ्याउन सक्ने रणनीतिक सडक सञ्जाल सुदृढ गर्ने ।
- ग) छिटो, भरपर्दो र वातावरण मैत्री सडक सञ्जाल विकास गर्न सहयोगी हुने प्रविधि तथा उपायहरू अवलम्बन गर्ने ।
- घ) प्रमुख ग्रामीण बस्तीहरू र प्रमुख पर्यटकीय केन्द्र जोड्ने गरी यातायात पहुँच बढाउन सडक विस्तार गर्ने ।
- ङ) पर्यटकीय पदमार्गहरूको पहिचान तथा निर्माण कार्यलाई अभियानका रूपमा सञ्चालन गर्ने ।

५. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएका परिवार	प्रतिशत		५	१०	२०	३०
सर्वयाम सडक	कि.मि.		१२	१२	१८	२५
यातायात सुचारु सडक लम्बाइ	कि.मि.		१२	१२	१८	२५
नियमित मर्मत संभार भएको सडकको लम्बाइ	कि. मि.		३	५	८	१२
अन्तर पालिका सडक सञ्जाल विस्तार	कि.मी.		०	२	४	५
वायोइञ्जिनिरिङ्ग प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण	कि.मी.		०	१	२	३
बाढी नियन्त्रणकालागि ग्याभिन वाल निर्माण	कि.मी.		१	१	२	३

पालिकामा संचालित ४ पाङ्ग्रे यातायातका साधन	सङ्ख्या		०	०	०	०
कच्ची	कि.मी.		१०	१०	१२	१५
ग्राभेल सडक	कि.मि.		१२	१२	१७	२५
कालोपत्रे	कि.मि.		०	०	०	५
ट्रयाक खोलिएको सडक	कि.मि.		०	१०	१५	३०
पक्की पुल	सङ्ख्या		०	०	१	१
झोलुङ्गे पुल	सङ्ख्या		२०	२०	२५	३२
सडक नाली	कि.मि.		०	०	२	३
सडक पेटी	कि.मि.		०	०	०	०

६. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	६०००		६०००	-		३५००	२५००	-
२	२०८१।०८२	६६००		६६००	-		३८५०	२७५०	-
३	२०८२।०८३	७२६०		७२६०	-		४२३५	३०२५	-
जम्मा		१९८६०		१९८६०			११५८५	८२७५	

७. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	सडक मर्मत तथा संभार	सडकमा सबैको पहुँच निर्वाध रुपमा गर्नका लागि र दिगो सडकका लागि	सालबसाली	८००	वार्षिक बजेट	सडकहरुको सरसफाई तथा मर्मत नियमिति रुपमा भएको हुने

२	झोलुङ्गे पुल समपुरक	यातायातको सहज पहुँच गर्न	सालबसाली	१५००	वार्षिक बजेट	३ पुल निर्माण भएको हुने
३	सडक बोर्ड समपुरक		सालबसाली	२००	वार्षिक बजेट	
४	झोलुङ्गे पुल ससर्त	यातायातको सहज पहुँच गर्न	सालबसाली	३५००	ससर्त बजेट	३ पुल निर्माण भएको हुने

८. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस गाउँपालिकामा कच्ची सडक थुप्रै भएको र सडकहरूको सुरक्षा नअपनाएका कारण बर्षेनी सडक सरसफाईमा थुप्रै रकम खर्च हुने गरेको छ जसले गर्दा अन्य क्षेत्रका लागि बजेट विनियोजन गर्न समस्या हुन सक्ने देखिन्छ । त्यसै गरी पुल निर्माण कार्यका लागि एउटै वर्ष बजेट विनियोजन गर्नु पर्ने भएकाले सो क्षेत्रमा बजेट विनियोजनमा समस्या हुने देखिन्छ ।

५.३ जलस्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

क) पृष्ठभूमि

जल विद्युत आर्थिक वृद्धि र आर्थिक रूपान्तरणको एक महत्वपूर्ण साधन हो । सुदुरपश्चिम प्रदेशमा दिगो र भरपदो विद्युतको पहुँच सबै नागरिकमा पुगिनसकेको र प्रदेश सरकारले उर्जा क्षेत्रलाई आर्थिक समृद्धिको सम्बाहक मानेको सन्दर्भमा जलविद्युत विकास र व्यवस्थापनमा प्रदेश सरकारको महत्वपूर्ण भूमिका आवश्यक छ । नेपालको संविधानले जनसहभागितामा आधारित स्वदेशी लगानीलाई प्राथमिकता दिँदै जलस्रोतको बहुउपयोगी विकास गर्ने नीतिगत व्यवस्था गरेको छ ।

गाउँपालिका भित्र विजुली बत्तीको रूपमा प्रयोग गर्ने घरपरिवार ६२ प्रतिशत रहेको छ । गाउँक्षेत्रका ६५ प्रतिशत घरधुरीहरूमा वैकल्पिक सौर्य उर्जा मार्फत विद्युत आपूर्ति भएको छ । केही वडाका बस्तीहरूमा सामुदायिक विद्युतीकरण मार्फत विद्युत आपूर्ति भएको छ । विद्युत आपूर्तिका लागि गाउँपालिकाले रास्ट्रिय प्रशारण लाइनलाई जोड्ने कार्यलाई तिब्रता दिएको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा १ प्रतिशत घरपरिवार एल.पि.ग्यासबाट खाना पकाउने गर्दछन् भने खाना पकाउनका लागि दाउरा प्रयोग गर्ने करिब ९९ प्रतिशत रहेका छन् । सुधारिएको चुलो प्रयोग गर्ने घरधुरीको सङ्ख्यामा वृद्धि हुँदै गएको छ ।

ख) समस्या तथा चुनौति

गाउँपालिकाका सबै स्थानमा रास्ट्रिय प्रशारण लाइनको विद्युत सेवा उपलब्ध हुन सकेको छैन भने उपलब्ध विद्युत सेवा पनि नियमित र व्यवस्थित हुन सकेको छैन । स्वच्छ उर्जाको रूपमा गोबर ग्यास, वायो विक्रेट र धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोको उपयोग पर्याप्त मात्रामा हुन सकेको छैन । अधिकांश वडाहरूमा परम्परागत रूपमा दाउराबाट खाना पकाउने गरिएको छ । बस्ती विकास, शहरीकरण तथा आर्थिक गतिविधिको विस्तारका कारण बढ्दै गएको विद्युतको माग बढ्दै गए अनुसार विद्युत आपूर्ति गर्नु, र भौगोलिक विकटता रहेका र ग्रामीणस्तरमा छरिएको बस्तीहरूमा विद्युतीकरण गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेका छन् ।

ग) लक्ष्य

नवीकरणीय तथा वैकल्पिक ऊर्जाको उत्पादन र उपभोगमा दक्षता बढाई वातावरण मैत्री, दिगो, भरपर्दो, गुणस्तरीय र स्वच्छ ऊर्जामा सबैको पहुँचमा बृद्धि गर्ने ।

घ) उद्देश्य

१. ऊर्जाको उपभोगमा दक्षता बढाई वातावरण—मैत्री, दिगो, भरपर्दो, गुणस्तरीय र स्वच्छ ऊर्जामा सबैको पहुँचमा बृद्धि गर्नु ।
२. परम्परागत ऊर्जाको सट्टामा वैकल्पिक ऊर्जाको प्रयोगमा बृद्धि गर्नु ।

ङ) रणनीति

१. ऊर्जा क्षेत्रको संस्थागत संरचना तयार गरी दिगो र अधिकतम उपयोगको आधार तयार गर्ने ।
२. उपलब्ध सम्पूर्ण ऊर्जा स्रोतको पहिचान, उत्पादन, वर्तमान तथा भविष्यमा ऊर्जाको माग र आपूर्ति सम्बन्धी डाटाबेस तयार गरी संस्थागत विकासमा जोड दिने ।
३. ऊर्जाको प्रयोगलाई दिगो, भरपर्दो गुणस्तरीय र प्रभावकारी रूपमा विकास गरी बहुउपयोगि बनाउने ।

च) विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत		६२	६५	७०	८५
जलविद्युत् उत्पादन (जडित क्षमता)	मेगावाट		०	०	०	०
प्रतिव्यक्ति विद्युत् उपभोग (वाट प्रति घण्टा)	घण्टा		५	२५	३०	३५
लघु जल विद्युत उत्पादन क्षमता	किलोवाट		६५०	६५०	६५०	६५०
श्री फेज लाइनको बिस्तार	प्रतिशत		०	१०	२०	३०
राष्ट्रिय प्रसारण लाइन मार्फत विद्युतीकरण भएको परिवार	प्रतिशत		०	५	३०	६०
खाना पकाउने इन्धनका रूपमा बिद्युत प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत		०	०	१	१
सोलार उर्जा प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		६५	७०	६०	६०
बायोग्यास (गोबरग्यास) प्रयोग गर्ने घरपरिवार	सङ्ख्या		०	०	५	५

छ) विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
तालिका नं ५.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	५०		५०	-		५०		-
२	२०८१।०८२	५५		५५	-		५५		-
३	२०८२।०८३	६१		६१	-		६१		-
जम्मा		१६६		१६६			१६६		

ज) कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण
तालिका नं ५.९ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	मज्जे खोला लघु जलविद्युत आयोजना वडा नं. ६	नवीकरणीय उर्जा तथा विद्युत प्रयोगमा जोड दिई वैकल्पिक	सालबसाली	५०	वार्षिक बजेट	वैकल्पिक उर्जा प्रयोग बढेको हुने र विद्युतीय चुलो लगायतमा अनुदान प्रदान गरको हुने

झ) जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको ९६ प्रतिशत विद्युत राष्ट्रिय प्रसारण लाइनमा जोडिएपनि यस क्षेत्रका थुप्रै क्षेत्रमा माग अनुसारको विद्युत नभएको र सिङ्गल फेजको विद्युतले वैकल्पिक उर्जा प्रयोगमा समस्या आउने देखिन्छ । त्यसै गरी वैकल्पिक उर्जाको क्षेत्रमा गरिएको लगानी सौर्य सोलारमा मात्र प्रयोग हुनाले अन्य वैकल्पिक उर्जाको क्षेत्र अन्यौलमा पर्ने जोखिम रहन्छ ।

५.४ सुचना तथा सञ्चार प्रविधि

१. पृष्ठभूमि

अपिहिमाल गाउँपालिकाका वडा नं. ४ र ५ मा सूचना तथा प्रविधिको उपयोगको अवस्था राम्रो रहेको छ भने बाँकी वडाहरूमा यसको अवस्थामा सुधार ल्याउन अत्यावश्यक छ । सबै वडाहरूमा एन.टि.सि र एन सेलको सामान्य सुविधा उपलब्ध भएको देखिएको छ । गाउँ क्षेत्रका सबै वडामा मोबाइल फोन सेवाको सुविधा पुगेता पनि सेवा पहुँच भने ८०

प्रतिशत मात्रै छ । अप्टिकल फाइबर विस्तार हुन नसक्दा इन्टरनेट सुविधा एकदमै कमजोर छ भने वडास्तरबाट प्रवाह हुने अनलाइन सेवाहरू सबै वडाहरूमा सुचारू हुन सकेको छैन साथै ५ प्रतिशत भन्दा कम मानिस मात्र इन्टरनेटको पहुँचमा रहेको देखिन्छ ।

गाउँपालिकामा पत्रपत्रिका तथा एफ.एम.स्टेशनहरूले सञ्चार सुविधा पुऱ्याएका भएता पनि यस गाउँपालिकाबाट दैनिक रूपमा प्रकाशन हुने कुनै पत्रपत्रिका तथा एफ.एम.स्टेशनहरू नरहेको साथै गाउँबासीलाई सूचना प्रवाह गर्न स्थानीय एफ.एम. को आवश्यकता रहेको देखिन्छ । यद्यपि, टेलिभिजन, केवल नेटवर्क, र इन्टरनेटको सरल पहुँचका कारण सूचना तथा संचार विकास दिनानुदिन बढ्दै गइरहेको छ ।

२. समस्या तथा चुनौति

भौगोलिक विकटताको कारण सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तारलाई दुर्गम वडासम्म द्रुतता दिन समस्या भएको छ । सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सूचना प्रविधिको पर्याप्त उपयोग हुन सकेको छैन । सूचना तथा सञ्चारको संरचनागत विकासका पूर्वाधारमा कमी देखिन्छ । सूचना प्रविधिको विकास र साईबर सुरक्षाको लागि पर्याप्त संरचनागत व्यवस्था भएको भने छैन । केही स्थानहरूमा मोबाइल नेटवर्क अनियमित तथा ज्यादै कमजोर भएकाले सेवा प्रयोग एवं वडा कार्यालयको सेवा प्रवाहमा समेत बाधा पुगेको छ । हालसम्म अप्टिकल फाइबर पुग्न सकेको छैन ।

अप्टिकल फाइबर विस्तारमा गति दिने कार्य, सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रमा विकसित नवीनतम प्रविधि समय सापेक्ष प्रयोगमा ल्याउने कार्य, विद्युत प्रसारण भरपर्दो बनाउने कार्य, गाउँ क्षेत्रको ऐतिहासिक महत्वका वस्तु र सेवाहरूलाई डिजिटल अर्काइभमा सुरक्षित राख्ने कार्य, साईबर सुरक्षा सम्बन्धी संस्थागत संरचना तयार गरी आम जनतामा यस सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्य, र सामाजिक सञ्जालको वृद्धिसँगै यसमा बढ्दै गएको दुरुपयोग तथा विकृतिलाई रोक्ने कार्य चुनौती पूर्ण देखिएको छ ।

३. लक्ष्य

सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास गर्दै सबै नागरिकको पहुँच तथा उच्चतम उपयोग सुनिश्चित गरी आमनागरिकको जीवनस्तरलाई सहज बनाउने ।

४. उद्देश्य

१. आम सञ्चार माध्यमलाई स्वच्छ, सक्षम, निष्पक्ष, मर्यादित, विश्वसनीय बनाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधि र सेवाहरू सबै नागरिकको पहुँचमा पुऱ्याउनु ।
२. सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको सेवालाई सर्वसुलभ, गुणस्तरीय र भरपर्दो बनाई प्रविधिको उच्चतम सेवा प्रयोग गर्नु ।

५. रणनीति

१. सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धी नयाँ खोज तथा अनुसन्धान र विकासको लागि कानुनी आधार तयार गर्ने ।
२. बजार तथा चलचित्र क्षेत्रको पूर्वाधार विकास गरी उद्योगको रूपमा विकास तथा प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. समग्र प्रविधिका विकासकालागि डिजिटाइजेसन मार्फत् सामाजिक, आर्थिक र शासकीय व्यवस्थामा सुधार गर्ने ।
४. सूचना तथा सञ्चार सेवालाई प्रतिस्पर्धी, मर्यादित, सर्वसुलभ तथा नियमित पहुँचको स्थापना गरी सूचना प्रविधिको उच्चतम सेवा प्रयोग गर्ने ।
५. सूचनामा सम्पूर्ण नागरिकहरूको पहुँच र सञ्चार प्रविधिको उच्चतम प्रयोगको सुनिश्चितता गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
मोबाइल नेटवर्क कभरेज क्षेत्र	प्रतिशत		६५	७०	८५	९५
ईन्टरनेटमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत		१	५	१०	२५
उद्यम व्यवसायमा सूचना प्रविधि प्रयोग गर्ने व्यक्ति	प्रतिशत		NA	२	३	५
टेलिफोन /मोबाइल प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत		८५	आवश्यकता अनुसार सबै		
अप्टिकल फाइबरको बिस्तार	प्रतिशत		०	सबै वडामा		
सूचना प्रविधि नियमन कानुन निर्माण	सङ्ख्या		०	१	१	१
ईन्टरनेट उपलब्ध भएका विद्यालय	सङ्ख्या		१५	सबै विद्यालयहरूमा		
ईन्टरनेट उपलब्ध भएका सरकारी कार्यालयहरू	सङ्ख्या		७	सबै सरकारी कार्यालयहरूमा		
फ्री वाईफाई उपलब्ध भएका सार्वजनिक स्थलहरू	स्थान		०	१	२	३
ई-कक्षा सञ्चालन गर्ने विद्यालयहरू	सङ्ख्या		०	मावि स्तरका सबै विद्यालयहरूमा		
डिजिटल सूचना पाटी	सङ्ख्या		०	८	८	८
सञ्चारका कुनै एक साधन उपलब्ध घरधुरी	प्रतिशत		९०	९५	९८	१००
राष्ट्रिय पत्रपत्रिका नियमित रूपमा उपलब्ध हुने सार्वजनिक पुस्तकालय	सङ्ख्या		०		१	१

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र. सं.	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	१०००	५००	५००	-		१०००		-
२	२०८१।०८२	११००	५५०	५५०	-		११००		-

३	२०८२।०८३	१२१०	६०५	६०५	-		१२१०		-
जम्मा		३३१०	१६५५	१६५५			३३१०		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	ईन्टरनेट जडान	सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धमा कार्य गर्न	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	ईन्टरनेट सेवाको पहुँच विस्तार भएको
२	ईन्टरनेट महशुल तथा व्यवस्थापन		सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस गाउँपालिकामा अझैपनि ईन्टरनेटमा सहज पहुँच पुर्‍याउन त्यति सजिलो छैन । भौगोलिक विकटताले यो समस्या रहेको छ । सूचना प्रविधिलाई समयमै अद्यावधिक गर्नका लागि आवश्यक डाटाको आवश्यकता पर्ने भएकाले यदि समयमै डाटा भएन भने जोखिम रहने हुन्छ ।

परिच्छेद छः वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

६.१ वन तथा भू-संरक्षण

१. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा वन जंगलको अवस्था राम्रो देखिन्छ । गाउँपालिकाको कूल भूभाग मध्ये करिब ३५.१५ प्रतिशत भाग वन जंगलले ओगटेको छ । त्यसै गरि ३१.८५ भु-भाग घाँसे मैदान, २२.३५ बाँझो जमिन, ५.७५ झाडी क्षेत्र रहेको देखिन्छ भने खेतीयोग्य जमिनको हिस्सा २.१५ मात्र रहेको देखिन्छ भने अन्यमा वालुवा क्षेत्र, ताल तलैया, हिमनदी र चट्टान क्षेत्र एकदमै कम रहेको देखिन्छ । हिमाली क्षेत्रमा रहेका यस गाउँपालिकामा चौलानी नदी, गौलागाड, कापुखोला, घट्टेखोला, सेलाखोला, गोथीगाड, भिडखोला लगायत कुरमुल खोला किनारमा समाशितोष्ण देखि टुन्ड्रा प्रकृतिको हावापानी भएको वन जंगल फैलिएर रहेको पाइन्छ । यहाँ मुख्य गरी धुपी सल्ला, बाँझ, उतिस, चिलाउने, कटुस, वर, पीपल जातका प्रजातिहरू पाइन्छ । यसैगरी कोइली, मैना, सुगा, ढुकुर, लुइँचे, गौथली, काग, भँगेरा, हुचिल, जुरेली, भद्रायो, चिल, बाज, कोटेरा, ठेउवा, बट्टाइ, चिबे, भ्याकुर, फिस्टो, रुपी, गिद्ध, कालिज, लाटोकोसेरो, चमेरो, हाँस, परेवा, कुखुरा, तिन्ना, धोबी चरो, हाडफोरुवा आदि तथा घसने जीवहरूमा, हरेउ, सुनगोहोरो, छेपारो, भित्ती, सर्प, गड्यौला, जुका, अन्य किटपतङ्ग आदि जातका चराचुरुङ्गीहरू पाइन्छन् । यहाँका जंगलहरू बस्तीदेखि टाढा, अपायक स्थानमा घना र उत्तम छन् भने बस्ती नजिक रहेका वन क्षेत्रहरू विगतमा विनाशको क्रममा रहेतापनि हाल क्रमशः सुधारको क्रममा छन् ।

भूउपयोगको दृष्टिकोणले नदी तथा ताल क्षेत्रले जैविक विविधताको संरक्षणमा निकै महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको देखिन्छ । गाउँक्षेत्रमा रहेको चौलानी नदी, गौलागाड, कापुखोला, घट्टेखोला, सेलाखोला, गोथीगाड, भिडखोला लगायतका खोला तथा अन्य साना खोल्सा आदिले यस क्षेत्रको जैविक विविधताको संरक्षणमा निकै ठुलो योगदान पुर्‍याएका छन् ।

२. समस्या तथा चुनौति

यस क्षेत्रमा हुने गरेको वन डढेलो कार्यलाई अझै नियन्त्रण गर्न सकिएको छैन । त्यसैगरी भौतिक विकास निर्माण कार्य र वन संरक्षण कार्यका बीच हुने द्वन्द्वलाई व्यवस्थापन गरी अगाडि बढाउन सकिएको छैन । यस प्रकारका समस्याका कारण यस क्षेत्रमा रहेका वन तथा वनस्पति तथा महत्पूर्ण जडीबुटीहरू तथा जनावरहरू लोप हुन सक्ने अवस्था रहेको छ ।

३. लक्ष्य

गाउँपालिकाका क्षेत्रमा रहेका वनहरूको उचित व्यवस्थापन, भूसंरक्षण र जैविक विविधताको संरक्षणका माध्यमबाट स्थानीय जनताको जीवनस्तरमा सुधार गर्ने ।

४. उद्देश्य

१. स्थानीय वनको संरक्षण र वैज्ञानिक व्यवस्थापन, वन्यजन्तु र जैविक विविधताको संरक्षण, सम्बर्द्धन गर्नु ।
२. भूसंरक्षण तथा वातावरणीय सन्तुलन कायम गरी उपलब्ध वित्तीय स्रोतसाधनको समूचित व्यवस्थापन गर्नु ।

५. रणनीति

१. वनलाई उत्पादनमुखी बनाइ वनजन्य उत्पादनको व्यवसायीकरण गर्ने ।
२. समुदायमा आधारित वन व्यवस्थापन प्रणाली अनुसार वन व्यवस्थापन प्रणाली अनुसारको वन संरक्षण गर्ने ।
३. जनसहभागितामार्फत दिगो माटो व्यवस्थापन प्रणाली अवलम्बन गरी भूमिको उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ६.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
वनले ढाकेको क्षेत्र (कूल क्षेत्रफलको)	प्रतिशत	६७.४९	६७.५०	६७.५१	६७.५२	६७.५५
सामुदायिक वन संख्या	संख्या	६२	६२	६२	६२	६२
नदी नियन्त्रण तथा तटबन्ध	कि मि	१	२	३	३	३

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ६.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०७९।०८०	३०००	४५०	२५५०	-	२००	२५००	३००	-
२	२०८०।०८१	३५००	५००	३०००	-	-	२५००	१०००	-
३	२०८१।८२	४०००	२००	३८००	-	-	४०००	२०००	-
	जम्मा	१०५००	११५०	९३५०		२००	९०००	३३००	

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ६.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	वन तथा भूसंरक्षण कार्यक्रम	वन तथा भूसंरक्षण गर्न	सालबसाली	५०००	बजेट	वनको क्षेत्र बढेको हुने र जोखिम क्षेत्रहरूमा वक्षरोपण भएको
२	तटबन्धन तथा नदी नियन्त्रण कार्यक्रम	नदी कटान नियन्त्रण गर्न	सालबसाली	५५००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	३ कि मि नदीमा तटबन्धन निर्माण हुने

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

वातावरण संरक्षण कार्यमा ध्यान पुऱ्याउन सकेपनि भूसंरक्षण कार्यका लागि बजेटको अभावले कार्य गर्न जोखिम रहेको छ । भौगोलिक धरातल पहिरोको जोखिम बढी हुने भएकाले भूसंरक्षण कार्य कार्यान्वयन हुनेमा जोखिम नै रहने सम्भावना देखिन्छ ।

६.२ विपद् जोखिम व्यवस्थापन

१. पृष्ठभूमि

गाउँस्तरीय विपद् जोखिम व्यवस्थापनका समिति क्रियाशील रहेको अवस्था छ । गाउँपालिकाले उच्च र मध्यम जोखिम क्षेत्रहरू पहिचान गरी विभिन्न संघ संस्थाले विभिन्न किसिमका तालिम लगायत स्थानीय समुदायको क्षमता अभिवृद्धिका लागि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ । हालका दिनमा भुकम्प प्रतिरोधी भवनहरू निर्माणमा वृद्धि हुन थालेको छ । गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापनका लागि विपद् पछिको नगद तथा वस्तुगत राहतको लागि स्थानीय विपद् कोषको समेत व्यवस्था गरेको छ । गाउँपालिकाका प्रमुख नदीको रूपमा रहेका चौलानी, गौलागाड, कापुखोला, घट्टेखोला, सेलाखोला, गोथीगाड, भिडखोला, कुरमुल लगायतका अन्य साना ठुला खोलाहरूले बेलाबेलामा र विशेष गरी वर्षातको समयमा नदी आसपासका बेसीहरूमा बाढी र नदी कटानको समस्या ल्याउँछन् । वर्षातको समयमा पहिरोका समस्या विद्यमान छ । यस बाहेक बेलाबेलामा वनजङ्गलमा लाग्ने डढेलो, अतिवृष्टि, अनावृष्टि तथा जङ्गली जनावरको आक्रमण आदि पनि यस पालिकाका विपद्का कारण हुन् । जलवायु परिवर्तनले मौसमी पात्रोमा परिवर्तन आएको छ । बालीनालीमा नयाँ किरा तथा रोगहरू उत्पन्न हुने गरेको छ । व्यवस्थित ल्याण्डफिल साइड निर्माण सम्पन्न नहुँदा फोहरमैला व्यवस्थापनमा कठिनाई उत्पन्न भएको छ । पानीका श्रोत सुक्दै गएका छन् भने विभिन्न किसिमको रोग लाग्नु, कुपोषण, तनाव, विद्यार्थी विरामी भई पठन पाठनमा समस्या र खेती फसलमा कमी आएको छ । वातावरणको प्रभावहरू क्रमसः स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषणमा समेत देखिन थालेका ।

२. समस्या तथा चुनौति

भूमिको व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक रूपमा उपयोग हुन नसक्दा विकासका प्रयासहरू दिगो नहुने जोखिम रहेको छ । विपद् प्रतिकार्यका लागि सामुदायिक तथा संस्थागत क्षमता कम हुनु गाउँपालिकाको प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेको छ । नाङ्गा डाँडाहरूमा हुने भूस्खलन, विपद् पूर्वतयारी, न्यूनीकरण तथा प्रतिकार्यका लागि समुदायस्तरमा ज्ञान, सीप र संयन्त्रको कमी रहेको छ । प्रमुख वस्तीहरूमा सामुदायिक आश्रयस्थलहरू छैनन् । आपतकालिन सेवाका लागि प्रयास एम्बुलेन्स सेवा तथा दमकलको व्यवस्था नहुनु, विपद् आइपर्दा आवश्यक पर्ने न्यूनतम औषधी एवम् उपकरणहरूको व्यवस्था नहुनु, पालिकामा शव वाहन सेवा नहुनु, विपद् पूर्व सूचना प्रणालीको अभाव जस्ता समस्या तथा चुनौतीहरू रहेका छन् ।

जलवायु परिवर्तन जन्य जोखिम उच्च भए पनि विपद् प्रतिरोधी कृषि बालीहरूको विस्तार हुन सकेको छैन । जलवायु परिवर्तनका असरहरूलाई न्यूनीकरण गर्न वा अनुकूलन गर्न ज्ञान, सीप र संयन्त्र विकासमा त्यति ध्यान पुग्न सकेको देखिदैन । अव्यवस्थित भू-उपयोग तथा अनियन्त्रित भौतिक पूर्वाधार निर्माणका कारणले वातावरणीय सन्तुलनमा नकारात्मक असर परेको छ । गाउँ क्षेत्रमा जम्मा हुने प्लाष्टिकजन्य फोहरमैला एवं स्वास्थ्य संस्थाबाट निस्कने फोहरहरूले समेत वातावरणमा प्रतिकूल असर पारेको छ ।

३. लक्ष्य

पदबाट हुने मानवीय, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक र पर्यावरणीय क्षतिमा कमी ल्याउने ।

४. उद्देश्य

१. जोखिम न्यूनीकरणकालागि सम्भाव्य ठाँउहरूको पहिचान गरी पूर्व चेतावनी प्रणालीको विकास गर्नु ।

२. मानव सिर्जित तथा प्राकृतिक कारणबाट हुने प्रकोप/विपद्को जोखिमलाई न्यूनीकरण गरी गाउँपालिकालाई कम प्रकोप/विपद् जोखिम हुने क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु ।

५. रणनीति

- क) विपद् रोकथाम मार्फत विपद् न्यूनीकरण गर्दै विपद् उत्थानशील समाजको निर्माण गर्ने ।
 ख) सरोकारवालाहरूको समन्वय र संलग्नतामा विपद् व्यवस्थापन कार्यहरूलाई प्रभावकारी रूपले सञ्चालन ग ।
 ग) विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने प्रभावकारी प्रचार/प्रसारका कार्यहरू सञ्चालन गर्ने ।
 घ) विपद् संवेदनशील क्षेत्रहरूको पहिचान, संरक्षण, रोकथाम, पुनः स्थापना र स्थानान्तरण गर्ने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ६.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
विपद्बाट क्षति भएको रकम	रु. लाखमा		१००	९०	७०	५०
विपद्जन्य घटनाबाट विगत ३ वर्षको औसत मानवीय क्षति सङ्ख्या	सङ्ख्या		३	नगन्यमात्रमा हुने		
विपद्बाट क्षति भएको घरधुरी	सङ्ख्या		९	०	०	०
प्रमुख नदी/खोलामा बाढी सूचना प्रणाली स्थापना	सङ्ख्या		०	०	१	१
आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्र	सङ्ख्या		०	१	२	३
विपद् व्यवस्थापनलागि खुल्ला क्षेत्र र स्थान	सङ्ख्या		२	५	६	७
विपद् व्यवस्थापन योजना	सङ्ख्या		०	१	१	१
स्थानीय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु अनुकुलन कार्ययोजना तर्जुमा	सङ्ख्या		०	१	१	१
विपद् व्यवस्थापनमा क्रियाशील संघ-संस्थाहरू	सङ्ख्या		१	३	४	५
विपद् व्यवस्थापन स्थानीय कोष (हजारमा)	रु. लाखमा		५०	६०	६५	७०
सामान्य खोज उद्धारमा तालिमप्राप्त जनशक्ति	सङ्ख्या		०	५	८	१०
तालिम प्राप्त स्वयम् सेवक	सङ्ख्या		०	२	६	१२
वस्तीकालागि अयोग्य स्थानमा बसोबास गरेका घरधुरी	प्रतिशत		५	३	१	१

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
तालिका नं ६.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान
रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८०।०८१	२५००	५००	२०००	-		२५००		-
२	२०८१।०८२	२७५०	५५०	२२००	-		२७५०		-
३	२०८२।०८३	३०२५	६०५	२४२०	-		३०२५		-
जम्मा		८२७५	१६५५	६६२०			८२७५		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण
तालिका नं ६.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/	उद्देश्य	अवधि	कुल लागत	पुष्ट्याई	आगामी
	आयोजना		(सुरु र समाप्ति)	(रु हजारमा)		तीन वर्षको
						उपलब्धी सुचक
१	विपद व्यवस्थापन कोष	विपदबाट हुने क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न	सालबसाली	२०००	बजेट	विपदबाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्दै क्षति कम भएको
२	विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रम		सालबसाली	५००	बजेट	

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि विपद् प्रतिकार्य योजना तथा विपद् उत्थानशील योजना जस्ता निर्माण नभएकाले विपद् जोखिम न्यूनीकरण गर्न केही हदसम्म असहज भएको महशुस भएको छ । साथै विपद् जोखिमका लागि छुट्याइने बजेट बढी भन्दा बढी विपद् बाट क्षतिग्रस्त संरचनामा मात्र हुने भएकाले यसको अन्य क्षेत्रमा बजेट कार्यान्वयन सही रूपमा हुने जोखिम रहन्छ ।

परिच्छेद सातः संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

७.१ नीति, कानून, मापदण्ड, सेवा प्रवाह र सुशासन

१. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाले स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को अधीनमा रही सेवा प्रवाहलाई कानूनसम्मत बनाउनका लागि थुप्रै ऐन कानून तथा कार्यविधिहरू निर्माण गरिसकेको छ । शासन प्रणालीलाई जनमुखी, सक्षम, सुदृढ, सेवामूलक र उत्तरदायी बनाउँनु नयाँ लोकतान्त्रिक गणतन्त्रको तथा यस गाउँपालिकाको आवश्यकता हो । यसका लागि शासन प्रणालीमा सबै क्षेत्र, वर्ग, समुदाय र सरोकारवालाको पहुँच र सहभागितालाई सुनिश्चित गर्न आवश्यक छ । सुशासनकालागि संघीय तथा प्रादेशिक संवैधानिक निकाय तथा आयोगसँगको सम्पर्क र समन्वय, अभिलेख व्यवस्थापन र कार्यान्वयन, गाउँपालिकामा सार्वजनिक सेवा वितरणको न्युनतम मापदण्ड निर्धारण र सेवाग्राही सन्तुष्टी सर्वेक्षण तथा सेवा प्रवाहको अनुगमनको पनि व्यवस्था गर्न आवश्यक रहेको छ । त्यसै सन्दर्भमा गाउँपालिकामा बन्न लागेको यस खर्च संरचनाले प्रदायक निकाय तथा समग्रमा सार्वजनिक शासन प्रक्रियामा सुशासनको संस्थागत विकासमा समेत महत्त्वपूर्ण हुनेछ ।

२. समस्या तथा चुनौति

आवश्यक सबै ऐन, कानून र कार्यविधि तर्जुमा पूर्ण रूपमा भई नसक्नु, व्यवस्थित र प्रविधियुक्त सेवा प्रदायक शाखा, उपशाखाहरू नहुनु, घुम्ती सेवाहरू नियमित नहुनु, विद्युतीय सेवा प्रवाहमा विविधता हुन नसक्नु र गाउँवासीमा प्रविधि सम्बन्धी ज्ञानमा कमी आदि प्रमुख समस्या हुन् । त्यस्तै, आवश्यक सङ्ख्यामा दक्ष कर्मचारीको अभाव हुनु, जनप्रतिनिधि र कर्मचारीहरूको क्षमता विकास तालिम नहुनु, कर्मचारीहरूको सरुवा भइरहनु, आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली लगायत अन्य आवश्यक नीति नियम तर्जुमा भई नसक्नु, क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र कार्यान्वयन नहुनु, कर्मचारीहरूको कार्य विवरण तयार भए पनि पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन नहुनु, केही वडा कार्यालयहरूको सुविधा सम्पन्न आवश्यक पूर्वाधार निर्माण नहुनु, कर्मचारीहरूको नियमित कार्यसम्पादन मूल्यांकन अनुसार क्षमता अभिवृद्धि हुन नसक्नु तथ्याङ्कीय आधार तयार नहुनु, योजनाका आधारमा बजेट नभई बजेटका आधारमा योजना बन्नु, र टुक्रे योजना उल्लेख्य हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

परम्परागत शासनमुखी कार्य प्रवृत्तिलाई सेवामुखी तथा सेवाग्राही प्रति उत्तरदायी प्रशासनिक संरचनामा बदल्नु, क्षमतावान् र गुणस्तरीय कर्मचारीको पदपूर्ति गर्नु, शासकीय प्रणालीमा पारदर्शीता तथा जवाफदेहिता सुनिश्चित गर्नु, सार्वजनिक क्षेत्रमा सदाचार पद्धतिको विकास गर्नु, विकास निर्माणका कार्यहरू समयमै गुणस्तरीय ढङ्गले सम्पन्न गरी आम नागरिकको स्थानीय सरकार प्रति विश्वास आर्जन गर्नु गाउँपालिकाका चुनौती हुन् ।

३. लक्ष्य

गाउँपालिकाको शासन प्रणाली, समावेशी कार्यमूलक, जनमुखी, परिणाममुखी, पारदर्शी र उत्तरदायी बनाउने ।

४. उद्देश्य

१. सुशासनकालागि कानुनी र नीतिगत पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
२. सार्वजनिक सेवा प्रवाह र विकास प्रक्रियालाई प्रभावकारी बनाउनु ।
३. सक्षम, दक्ष, गुणस्तरीय र प्रविधिमैत्री जनशक्तिको विकास गर्नु ।
४. वित्तीय सुशासन कायम गर्नु ।

५. रणनीति

१. शासन प्रणाली सञ्चालन सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र कार्यविधिको तर्जुमा गर्ने ।
२. सार्वजनिक सेवाहरूलाई गुणस्तरीय र सर्वसाधारणको पहुँचयोग्य बनाउन स्थानीय शासन पद्धति अनुरूपको प्रशासन संयन्त्रको व्यवस्था गर्ने ।
३. गाउँपालिकाले प्रवाह गर्ने सेवामा अधिकारमुखी पहुँच स्थापना गर्ने ।

४. गाउँपालिकाको कार्यसम्पादनलाई उत्तरदायी, पारदर्शी र परिणाममुखी बनाउने ।
५. सार्वजनिक निकायका काम कारवाही सम्बन्धी सूचनामा नागरिकको पहुँच बढाउनु ।
६. जनशक्ति विकास गर्ने ।
७. अन्तर्सरकार समन्वयलाई प्रभावकारी बनाउने ।
८. सार्वजनिक आय—व्यय र खरीद प्रक्रियालाई प्रभावकारी, व्यवस्थित र पारदर्शी बनाउने ।
९. आन्तरिक नियन्त्रण र लेखापरीक्षणलाई विश्वसनीय तथा प्रभावकारी बनाउने ।

६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ७.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८०।८१	२०८१।८२	२०८२।८३
कार्यपालिकाको बैठक	सङ्ख्या		९८	आवश्यकता अनुसार		
पालिकाद्वारा स्वीकृत नीति तथा कानून	सङ्ख्या		७०	आवश्यकता अनुसार सबै बन्ने		
पालिका तथा वडा कार्यालय लगायत सेवा प्रवाही कार्यालयमा नागरिक वडापत्र निर्माण	सङ्ख्या		७	सबैमा बन्ने		
औसत वार्षिक बेरुजु	प्रतिशत		५	५	१	०
औसत वार्षिक पुँजिगत खर्च	प्रतिशत		४७	४०	३५	३२
आन्तरिक आय	रु.हजारमा		२५००	२६००	२८००	३०००
सामाजिक परीक्षण	सङ्ख्या		०	१	३	३
आवधिक योजना तर्जुमा	सङ्ख्या		०	१	१	१
मध्यमकालिन खर्च संरचना तयार गरेका वडा	सङ्ख्या		०	६	६	६
अनलाइन प्रतिवेदन प्रणाली स्थापना भएका वडा	सङ्ख्या		६	६	६	६
पालिका तथा वार्डको सार्वजनिक सुनुवाई	सङ्ख्या		४	६	१२	१८
कर्मचारी तथा जन प्रतिनिधिको कार्यप्रगतिको समीक्षा	सङ्ख्या		४	४	४	१०
अनुगमन	सङ्ख्या		६	आवश्यकता अनुसार सबै बन्ने		

कार्यक्रमको कार्य प्रगति समीक्षा	सङ्ख्या		१	२	४	६
अन्य सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाहरूको सार्वजनिक सुनुवाइ	सङ्ख्या		०	१	१	१
क्षमता विकास योजना	सङ्ख्या		०	१	१	१
कर्मचारीको कुल दरबन्दी	सङ्ख्या		१२८	दरबन्दी (आवश्यकता) अनुसार व्यवस्था हुने		
स्वीकृत ओएनएम प्रतिवेदन	सङ्ख्या		०	१	१	१
सेवाग्राहीको सन्तुष्टि स्तर	प्रतिशत		७०	७०	८०	८०
जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीको क्षमता विकास	सङ्ख्या		०	३	६	६
अनलाइन सेवामा आवद्ध सुविधा	सङ्ख्या		०	१	३	३
सफ्टवेयरमा आधारित सेवा	सङ्ख्या		०	५	७	७
एकैदिनमा सम्पन्न गरिने सार्वजनिक सेवा	सङ्ख्या			१२	१५	१५
ई-हाजीरीको व्यवस्था भएका कार्यालय	सङ्ख्या			सबै सरकारी तथा विद्यालयहरू		
पर्याप्त विद्युतीय तथा अन्य उपकरण भएका वडा कार्यालयहरू	सङ्ख्या		३	सबै वडा कार्यालयहरू		
आवश्यकता अनुसार सवारी साधनको व्यवस्था भएका वडा कार्यालयको सङ्ख्या	सङ्ख्या		१	सबै वडा कार्यालयहरू		
आफ्नै भवनमा कार्यालय सञ्चालन भएका वडाहरू	सङ्ख्या		६	६	६	६
आवश्यक कानूनहरूको निर्माण	सङ्ख्या		७०	आवश्यकतानुसार निर्माण हुने		
कार्यक्षमताका आधारमा कर्मचारीहरूलाई पुरस्कार र दण्ड	सङ्ख्या			१	३	३
कर्मचारीको कार्यविवरण तर्जुमा	सङ्ख्या		०	१	१	१

निर्धारित समयावधि मै बजेट	आएको/नआएको		नआएको	आएको		
वार्षिक योजना तथा कार्यक्रम विवरण वेवसाइटमा	राखिएको/नराखिएको		राखिएको	राखिएको		
आय-व्ययको अद्यावधिक विवरण वेवसाइटमा	राखिएको/नराखिएको		राखिएको	राखिएको		
वार्षिक खरिद योजना	सङ्ख्या			१	१	१
आन्तरिक लेखापरीक्षण प्रतिवेदन	सङ्ख्या		१	१	१	१
आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीको व्यवस्था	सङ्ख्या		१	१	१	१
समयमा फछ्यौट भएका वार्षिक योजना	प्रतिशत		९०	९५	९६	९८

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ७.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०७९।०८०	४००	२००	२००	-	-	३५०	५०	-
२	२०८०।०८१	५००	२५०	२५०	-	-	५००	-	-
३	२०८१।८२	६००	४००	२००	-	-	४००	२००	-
	जम्मा	१५००	८५०	६५०			१२५०	२५०	

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ७.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	डिजिटल नागरिक बडापत्रको निर्माण	सेवाग्राहीको सहजताका लागि	सालबसाली	४००	नीति कार्यक्रम	५ डिजिटल नागरिक बडा पत्र राखिएको हुने

२	नीति कानून तथा सेवा प्रवाह र सुशासन सम्बन्धी कार्यक्रम	पालिका भित्रको कामकारवाहीलाई कानूनसम्मत बनाउन र सेवा प्रवाह चुस्त दुरुस्त बनाउन	सालबसाली	११००	वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र बजेट	७२ वटा कानून निर्माण हुने र ८९ प्रतिशत जनता सेवाप्रवाहबाट सन्तुष्ट भएको
---	--	---	----------	------	-----------------------------------	---

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सेवाग्राहीको मापन गर्नका लागि गाउँपालिकाबाट खासै ध्यान नदिएको अवस्थामा यस क्षेत्रमा भएको बजेट कार्यान्वयन नहुने जोखिम रहन्छ ।

अनुसूचीहरु

अनुसूची १

रकम रु. हजारमा

कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरण अङ्क निर्धारण तालिका

[illegible]

अनुसूची २

कार्यक्रम तथा आयोजनाको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	कार्यक्रम आयोजना संख्या	जम्मा बजेट	२०७९।०८० को व्ययको अनुमान				२०८०।०८१ को खर्चको प्रक्षेपण				२०८१।०८२ को खर्चको प्रक्षेपण			
				कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था
१	आर्थिक विकास		३२५००	३२५००	११६८५	२०८१५	०	३५७५०	१२८५४	२२८५७	०	६४५११।२	३५३३५	२५१८६।२	०
२	सामाजिक विकास		१५५७०४	१५५७०४	१३२५५४	२२७१०	०	१७१२७४	१४६२५३	२४५८१	०	२१५८८१	१८८४०१।८	२७४७५।१	०
३	पूर्वाधार विकास		४६०८०	४६०८०	१४५०	४४६३०	०	५०६८८	१५५५	४५०५३	०	१०५७५५	५५७५६।८	५४००२।३	०
४	वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन		५८००	५८००	७३००	२५००	०	१०७८०	८०३०	२७५०	०	१४८८३	११८५८	३०२५	०
५	संस्थागत विकास तथा सुशासन		६८६८८	६८६८८	६२०१८	६६७०	०	७५५५६।८	६८२२०	७३३७	०	५११८३।२	८३११२।४८	८०७०।७	०
जम्मा			३१२७७२	३१२७७२	२१५४४७	५७३२५	०	३४४०४५	२३६५५२	१०७०५८	०	४५६२१७	३७८४५४।१	११७७६३	०



मध्यमकालीन खर्च संरचना

अपिहिमाल गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, दार्चुला

२०८०